डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
ई-मेल:- adhuniksamachar2014@gmail.com
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक संस्थापकः- श्री महेन्द्र अरोरा

अभिनेत्री आकांक्षा वर्मा आधुनिक समाचार को एक झलक देखते हुए...

वर्ष-12 अंक-20 | प्रयागराज, रविवार 14 मई 2023 से शनिवार 20 मई 2023 तक | पृष्ठ- 8 | मूल्यः 3 रूपये

सिनेमाःसालों बाद आखिर करिश्मा कपूर का....

पीएम मोदी ने किया था 2 किमी लंबा रोड शो, योगी के सहारे नाथ संप्रदाय को साधने की भी हुई कोशिश, फिर भी मांड्या जिले की सातों सीटों पर नहीं मिली सफलता

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक राज्य का मांड्या जिला, जिसने हाल ही में संपन्न कर्नाटक विधानसभा चुनाव में 77.14 प्रतिशत का उच्च मतदान देखा। कर्नाटक के मांड्या में मालवल्ली, मद्दुर, मेलकोट, मंड्या, श्रीरंगपट्ट, नागमंगला और कृष्णराजपेट यानी कुल सात विधानसभा सीट हैं। रूझानों में कांग्रेस सात में से तीन सीटों पर आगे चल रही है। मेलकोट से कर्नाटक सर्वोदय पक्ष के उम्मीदवार दर्शव पुत्तनैया जेडीएस उम्मीदवार के खिलाफ बढ़त बनाए हुए हैं। श्रीरंगपट्टन से कांग्रेस उम्मीदवार रमेश बंदीसिद्देगौड़ा और मद्दर से केएम उदय आगे चल रहे हैं। मालवल्ली से कांग्रेस के पीएम नरेंद्रस्वामी सबसे आगे चल रहे हैं। मांड्या में कांग्रेस के रविकुमार गौड़ा आगे चल रहे हैं। नागमंगला से कांग्रेस के एन चालुवरायस्वामी और जेडीएस के सुरेश गौड़ा के बीच मुकाबला है। कृष्णराजपेट से जेडीएस उम्मीदवार एचटी मंजू आगे चल रही हैं।

मांड्या जिले की सात सीटों में से एक पर भी बीजेपी को सफलता मिलती नहीं नजर आ रही है। बता दें कि यहीं पीएम मोदी का 2 किलोमीटर लंबा रोड शो हुआ था। कर्नाटक विधानसभा चुनाव की वोटिंग से पहले पीएम मोदी ने दो बार जिले का दौरा किया था। उन्होंने रोड शो भी किया था। मोदी ने बेंगलुरु मैसूर एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के साथ ही जनसभा को भी संबोधित किया था।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 26 अप्रैल को मांड्या में एक रोड शो किया था। बता दें कि योगी आदित्यनाथ जिस नाथ संप्रदाय के प्रति निष्ठा रखते हैं, उसका एक मठ आदिचुंचनगिरी मठ मांड्या जिले के आदिचुंचनगिरी में स्थित है।

बेटे अब्दुल्ला का किला भी नहीं बचा सके आजम खान
हिंदू कैंडिडेट देने के बाद भी स्वार में एनडीए उम्मीदवार की जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऐसा लगता है कि समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान के लिए कुछ भी अच्छा नहीं चल रहा है। रामपुर की स्वार टांडा सीट पर हुए विधानसभा के उपचुनाव में सफीक अंसारी जीत गए हैं। सफीक अंसारी भाजपा गठबंधन में शामिल अपना दल के उम्मीदवार थे। उन्होंने समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार अनुराधा चौहान को 9334 वोटों से हराया है। इस जीत के साथ ही भाजपा गठबंधन ने आजम खान के इस मजबूत किले को ध्वस्त कर दिया है। रामपुर को आजम खान का गढ़ कहा जाता था। हालांकि, पहले तो रामपुर आजम खान के हाथ से निकल गया। अब स्वार सीट से भी आजम खान को बड़ा झटका लगा है।

स्वार में समाजवादी पार्टी ने बड़ा दांव खेलते हुए हिंदू उम्मीदवार को चुनावी मैदान में उतारा था। बावजूद इसके समाजवादी पार्टी का यह दांव विफल रहा। स्वार की जनता ने अपना दल एस के उम्मीदवार को वोट दिया। अपना दल एस की अनुप्रिया पटेल केंद्र के मोदी सरकार में मंत्री भी है। फिलहाल वह एनडीए गठबंधन की हिस्सा हैं। ऐसे में यह सीट अपना दल के खाते में आया था। दरअसल, 2022 में हुए चुनाव में यहां से आजम खान के बेटे अब्दुल्ला को जीत मिली थी। अब्दुल्ला को एक मामले में 2 साल की सजा हुई। इसके बाद उनकी विधायकी खत्म हुई। स्वार सीट खाली होने के बाद यहां उपचुनाव हुए थे।

आजम खान के लिए अब रामपुर में ऐसा लगता है कि कुछ नहीं बचा है। रामपुर में जीवन भर उन्होंने अपनी राजनीति की। आज वही रामपुर उनके विरोधियों को जीताता दिखाई दे रहा है। लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में यहां से बीजेपी कमल खिलाने में कामयाब रही। वहीं, रामपुर विधानसभा सीट पर भी भाजपा के आकाश सक्सेना ने जीत हासिल की थी। इधर, आजम खान लगातार कोर्ट कचहरी के चक्कर लगा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

एअर इंडिया ने उड़ान के दौरान गलत बर्ताव करने वाले व्यक्ति पर दो साल का प्रतिबंध लगाया

नयी दिल्ली। एअर इंडिया ने 10 अप्रैल को दिल्ली से लंदन की उड़ान के दौरान विमान में गलत बर्ताव करने वाले व्यक्ति पर दो साल का उड़ान प्रतिबंध लगाया है यानि यह व्यक्ति इस अवधि में इस एयरलाइन के विमान में यात्रा नहीं कर सकेगा। एक सूत्र ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि इस व्यक्ति पर विमान में चालक दल की दो महिला सदस्यों को शारीरिक नुकसान पहुंचाने का आरोप है। एअर इंडिया के

चालक दल के सुपरवाइजर की ओर से की गई शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने इस यात्री के खिलाफ एक मामला दर्ज किया था। यात्री की पहचान पंजाब निवासी 25 वर्षीय जसकीरत सिंह पड्डा के रूप में हुई। सूत्र ने शुक्रवार को कहा कि एअर इंडिया की ओर से इस घटना के संदर्भ में एक आंतरिक समिति गठित की गई जिसने आमराय से फैसला किया कि आरोपी युवक नरमी दिखाए जाने का पात्र नहीं है। सूत्र ने बताया कि समिति ने आरोपी पर एअर इंडिया के विमान से यात्रा करने पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया। सूत्र ने कहा कि आरोपी व्यक्ति के व्यवहार को स्तर-3 श्रेणी का अपराध माना गया। इस बारे में एअर इंडिया की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के नियमों में अनियंत्रित यात्री व्यवहार को तीन स्तरों में वर्गीकृत करने का प्रावधान है। शारीरिक भाव भंगिमा और मौखिक उत्पीड़न और अन्य तरह के गलत बर्ताव स्तर-1 के तहत आते हैं, जबकि स्तर दो के तहत शारीरिक उत्पीड़न जैसे कि धक्का देना, पैर चलाना या यौन उत्पीड़न करना आता है। इसी तरह स्तर-तीन के तहत जानलेवा दुर्व्यवहार आता है जैसे कि विमान के संचालन तंत्र को नुकसान पहुंचाना, जानलेवा हमला या शारीरिक हिंसा जैसे कि गला दबाना आदि आता है। एअर इंडिया के चालक दल के सुपरवाइजर की शिकायत का उल्लेख करते हुए दिल्ली पुलिस ने कहा कि 10 अप्रैल को एक घंटे की उड़ान के बाद गलत बर्ताव वाले यात्री को विमान का दरवाजा खोलते हुए देखा गया।

बिजली, विनिर्माण में सुस्ती से औद्योगिक उत्पादन मार्च में 1.1 प्रतिशत रहा

नई दिल्ली। देश की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर मार्च में घटकर पांच महीनों के निचले स्तर 1.1 प्रतिशत पर आ गई जबकि फरवरी में यह 5.8 प्रतिशत रही थी। बिजली एवं विनिर्माण क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन से यह गिरावट आई है। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) मार्च 2023 में 1.1 प्रतिशत बढ़ा। इसका पिछला निचला स्तर अक्टूबर, 2022 में दर्ज किया गया था जब 4.1 प्रतिशत की गिरावट आई थी। साल भर पहले मार्च, 2022 में देश के औद्योगिक उत्पादन में 2.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। एनएसओ के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च

2023 में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 0.5 प्रतिशत ही बढ़ा। एक साल पहले की समान अवधि में इसकी दर 1.4 प्रतिशत रही थी। वित्त वर्ष 2022-23 के अंतिम महीने मार्च में बिजली उत्पादन भी घटकर 1.6 प्रतिशत पर आ गया जबकि एक साल पहले की आलोच्य अवधि में इसकी वृद्धि 6.1 प्रतिशत रही थी। हालांकि इस अवधि में खनन उत्पादन 6.8 प्रतिशत बढ़ा जो मार्च 2022 में 3.9 प्रतिशत रहा था। उपयोग-आधारित वर्गीकरण के मुताबिक, पूंजीगत उत्पाद खंड मार्च में 8.1 प्रतिशत की दर से बढ़ा जबकि साल भर पहले इसकी वृद्धि 2.4 प्रतिशत रही थी। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों का उत्पादन मार्च में 8.4 प्रतिशत घट गया जबकि साल भर पहले उसमें 3.1 प्रतिशत की गिरावट आई थी। गैर-टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों का उत्पादन भी 3.1 प्रतिशत घट गया जबकि मार्च 2022 में इसमें 4.4 प्रतिशत की नरमी आई थी। ढांचागत एवं निर्माण क्षेत्र से जुड़े उत्पादों की वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत रही जबकि साल भर पहले इसमें 6.7 प्रतिशत वृद्धि हुई थी। आंकड़ों से पता चलता है कि प्राथमिक उत्पादों का उत्पादन मार्च में 3.3 प्रतिशत बढ़ा जबकि साल भर पहले इसमें 5.7 प्रतिशत वृद्धि हुई थी। वहीं मध्यवर्ती उत्पादों का उत्पादन मार्च में एक प्रतिशत बढ़ा जो साल भर पहले 1.8 प्रतिशत रहा था। समूचे वित्त वर्ष 2022-23 में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में 5.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई जबकि वित्त वर्ष 2021-22 में यह 11.4 प्रतिशत बढ़ा था।

कर्नाटक परिणाम पर बोलीं प्रियंका गांधी
ये जनता के मुद्दों की जीत है, दी गई गारंटियों को लागू करेंगे

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जबरजस्त जीत हुई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं में इसको लेकर उत्साह भी है। इन सब के बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। इसको लेकर प्रियंका गांधी ने एक ट्वीट किया है। प्रियंका ने लिखा कि कांग्रेस पार्टी को ऐतिहासिक जनादेश देने के लिए कर्नाटका की जनता को तहे दिल से धन्यवाद। उन्होंने कगा कि ये आपके मुद्दों की जीत है। ये कर्नाटका की प्रगति के विचार को प्राथमिकता देने की जीत है। ये देश को जोड़ने वाली राजनीति की जीत है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि कर्नाटक कांग्रेस के तमाम मेहनती कार्यकर्ताओं व नेताओं को मेरी शुभकामनाएं। आप सबकी मेहनत रंग लाई।

प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरी लगन के साथ कर्नाटक की जनता को दी गई गारंटियों को लागू करने का काम करेगी। जय कर्नाटक, जय कांग्रेस। वहीं, कर्नाटक की जीत पर राहुल गांधी ने कहा कि सबसे पहले मैं कर्नाटक के हमारे कार्यकर्ताओं को, हमारे नेताओं को बधाई देता हूं। कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में गरीबों के साथ खड़ी हुई। हमने प्यार से ये लड़ाई लड़ी। कर्नाटक ने दिखाया कि इस देश को मोहब्बत अच्छी लगती है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में नफ़रत का बाजार बंद हुआ है, मोहब्बत की दुकान खुली है। कर्नाटक की जनता से हमने 5 वादे किए थे, हम इन वादों को पहले दिन पहली कैबिनेट में पूरा

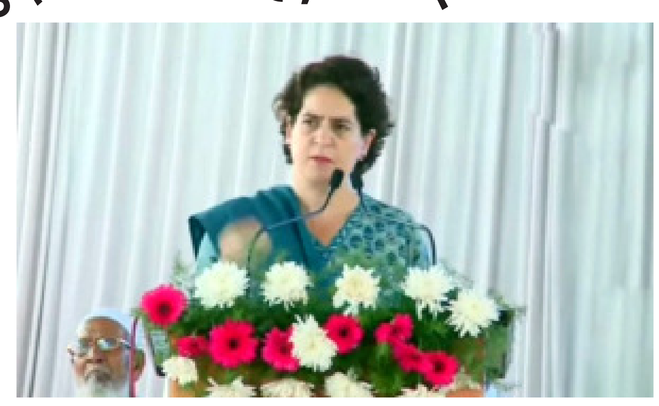

करेंगे। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि आज जो कांग्रेस की निर्णायक जीत है वह पीएम मोदी की निर्णायक हार है। प्रधानमंत्री के अलावा प्रचार में और किसी का चेहरा नहीं दिखा। नड्डा जी ने कहा कि अगर आप कांग्रेस को वोट देंगे तो पीएम का आशीर्वाद नहीं मिलेगा। पीएम खुद डबल इंजन की बात करते रहे, जिसे जनता ने नकार दिया। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि मोदी जी ने तानाशाही कर भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलने पर राहुल गांधी की सदस्यता रद्द कर दी थी आज उसी भ्रष्टाचार के चलते कर्नाटक की जनता ने उन्हें राज्य से निकाल दिया...इससे साबित हो गया है सत्ताधारी नहीं आम जनता तय करती है कि सत्ता किसके हाथ में जाएगी।

कर्नाटक में बंद हुआ नफरत का बाजार, राहुल बोले- हमने मोहब्बत से ये लड़ाई लड़ी और जीती

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि कर्नाटक में नफ़रत का बाजार बंद हुआ है, मोहब्बत की दुकान खुली है। कर्नाटक की जनता से हमने 5 वादे किए थे, हम इन वादों को पहले दिन पहली कैबिनेट में पूरा करेंगे। सबसे पहले मैं कर्नाटक के हमारे कार्यकर्ताओं को, हमारे नेताओं को बधाई देता हूं। कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में गरीबों के साथ खड़ी हुई। हमने प्यार से ये लड़ाई लड़ी। कर्नाटक ने दिखाया कि इस देश को मोहब्बत अच्छी लगती है।

इससे पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभी कांग्रेस उम्मीदवारों को कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में शाम तक रिपोर्ट करने का निर्देश दिया है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 के लिए वोटों की गिनती जारी है। खरगे

ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 में कांग्रेस की आधी बढ़त की सराहना की और कहा कि यह 'जनता जनार्दन' की जीत है। मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस उम्मीदवारों को शाम तक राजधानी बेंगलुरु में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस की जीत जनता की जीत है। जनता ने एक भ्रष्ट सरकार को हराया है। हमें आगे बहुत कुछ करना है। हमें वादे निभाने हैं, हमारी 5 गारंटी हम पूरी करेंगे। आने वाले दिनों में भी जहां-जहां राज्यों के चुनाव होंगे वहां हम कर्नाटक की तरह चुनाव जीतने के लिए पूरा प्रयास करेंगे...यहां(कर्नाटक) के विधायकों की बैठक होगी, (मुख्यमंत्री के नाम पर) सभी की जो सहमति बनेगी उसे हाईकमान के सामने रखा जाएगा। हाईकमान अंतिम फैसला लेगा।

बीजेपी के बाहर निकलना और कांग्रेस की एंट्री के बाद बड़ा सवाल, क्या अब बजरंग दल होगा बैन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक चुनाव की मतगणना जारी है। कांग्रेस ने अबतक 52 सीटों पर जीत हासिल कर ली है। वहीं अन्य 83 सीटों पर आगे चल रही है। बीजेपी को 21 सीटों पर जीत मिली है, जबकि वो 42 सीटों पर आगे है। जेडीएस ने 8 सीटें जीती हैं और 11 पर आगे चल रही है। 2024 के चुनाव में इसे कांग्रेस के लिए बड़ा बूस्टर डोज माना जा रहा

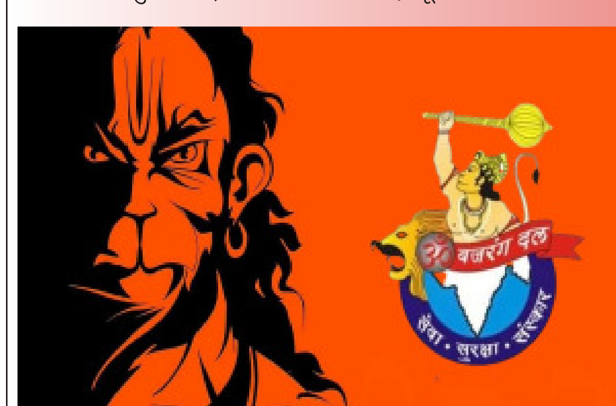

है। इसके अलावा विपक्षी दलों को मनोवैज्ञानिक बढ़त भी मिलेगी। क्षेत्रिय क्षत्रप कांग्रेस की छतरी चले एकजुट हो सकते हैं। बीजेपी का बजरंग बली फैक्टर जमीन पर फेल होता नजर आया है। जैसे ही कांग्रेस का मैनिफेस्टो आया था। बीजेपी के नेताओं के साथ ही पीएम मोदी भी अपनी हर रैली की शुरुआत बजरंग बली की जय के नारे के साथ करते थे। लेकिन कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस बहुमत की ओर बढ़ती नजर आ रही है। ऐसे में इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या सत्ता में आने के बाद वो बजरंग दल पर बैन लगाने जैसे कदम उठा सकती है? कांग्रेस ने कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में कहा है था कि वो जाति और धर्म के आधार पर समुदायों के बीच नफरत फैलाने वाले व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ कड़ी और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। कई व्यक्ति या बजरंग दल, पीएफआई और नफरत एवं शत्रुता फैलाने वाले दूसरे संगठन बहुसंख्यकों के बीच के हों या अल्पसंख्यकों के बीच के वे कानून और संविधान का उल्लंघन नहीं कर सकते। हम ऐसे संगठनों पर कानून के तहत बैन लगाने समने निर्णायक कार्रवाई करेंगे।

भाजपा के अमरनाथ यादव ने फूलपुर में विजय प्राप्त किया

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। फूलपुर नगर पंचायत चुनाव में भाजपा के अमरनाथ यादव ने नगर अध्यक्ष पद पर कांटे की लड़ाई में विजय श्री प्राप्त की। इसके पूर्व भी उक्त पद पर तीन बार सफलता मिली थी। एक बार इनकी भाभी उर्मिला यादव को सफलता मिली थी। अमरनाथ यादव की सीधी टक्कर बसपा के इलियास अहमद से रही। परंतु शुरुआत से ही अमरनाथ यादव बढ़त बनाए रहे। इस प्रकार 907 मतों से अमरनाथ ने अपने प्रतिद्वंदी बसपा प्रत्याशी इलियास अहमद को पराजित किया। अन्य उम्मीदवारों को अमरनाथ यादव 5500 मत, बसपा के इलियास अहमद को 4602, निर्दलीय जय प्रकाश को 1393, सपा की काजमीन जहां को 1249 मत मिले, कांग्रेश की सायरा बानो को 68, निर्दलीय हरि मोहन 42 मत प्राप्त किए। कुल 12873 मत पड़े थे। इस अवसर पर फूलपुर की पुलिस द्वारा शांतिपूर्ण ढंग से मतगणना संपन्न कराने हेतु व्यापक इंतजाम किए थे। एसडीएम, एसीपी थाना प्रभारी आदि बराबर निगरानी में लगे रहे।

निरंजन डॉट पुल का रास्ता बंद, लगने लगा जाम, हाईकोर्ट फ्लाईओवर और रामबाग पुल पर वाहनों का लोड बढ़ा

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। निरंजन डॉट पुल पर काम की शुरुआत मंगलवार सुबह हो गई। 100 दिनों तक निरंजन डॉट पुल का रास्ता मंगलवार को बंद हो गया। इसका असर यह हुआ कि सुबह से ही जाम की परेशानी शुरू हो गई। हाईकोर्ट फ्लाईओवर और रामबाग पुल पर वाहनों का लोड बढ़ा तो जाम के हालात पैदा हो गए।

जानसेनगंज की तरफ से पुल की तरफ आने और बिजली घर की तरफ से बैरिकेडिंग कर रास्ता ब्लॉक कर दिया जाएगा। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को होने वाली है। यातायात पुलिस ने डायवर्जन लागू किया है। पुराने शहर को सिविलऱ्लाइंस से जोड़ने वाले इस अहम रास्ते के बंद होने से आधा शहर जाम के झाम में फंसेगा। ऐसे में अभिभावकों को बच्चों की स्कूल टाइमिंग का खास ध्यान रखना होगा।

ऐसा न हो कि सुबह जाम लगे तो बच्चे स्कूल देरी से पहुंचे और दोपहर में घर वापसी घंटे दो घंटे बाद ही हो सके। यूं तो रेलवे समेत प्रशासन ने सहयोग की अपील की है लेकिन शहरियों को खुद एहतियात बरतना होगा। जरूरी काम से जाना हो तो थोड़ा पहले घर से निकलना होगा क्यों कि ये रास्ता बंद होने से सारा ट्रैफिक लोड हाईकोर्ट फ्लाईओवर और रामबाग फ्लाईओवर पर पड़ना तय है।

अरशद उल्ला सभासद पद हेतु चौथी बार विजयी

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। नगर पंचायत फूलपुर के चुनाव में 15 वार्डों पर विजयी सभासदों में शेषपुर पूर्वी वार्ड से अरशद उल्ला ने चौथी बार विजय श्री प्राप्त की। इस प्रकार वार्ड 1 पूरे महारथ से प्रभाकांत, वार्ड 2 जाफर गंज से फोटो देवी, वार्ड

3 शेषपुर पश्चिमी से बलवंत मौर्य, वार्ड 4 शुक्लाना से रामकरन मौर्य, वार्ड 5 से अरसद उल्ला, वार्ड 6 पूरे अछई से रोजी फातमा निर्विरोध, वार्ड 7 कैथाना से सुबूही सिद्दीकी, वार्ड 8 शेषपुर उत्तरी से अजय कुमार मौर्य,वार्ड 9 इस्माइल गंज से राहुल विश्वकर्मा, वार्ड 10 जमीला बाद से मनतशा, वार्ड 11 लोचन गंज से संगीता मौर्य, वार्ड 12 कोहना से सिराज अंसारी, वार्ड 13 भैसाही टोला से कुलदीप केसरी, वार्ड 14 बरई टोला से राजेश कुमार, वार्ड 15 दुनिया गंज से रजत केसरी ने विजयश्री प्राप्त की।

सेंट जोसेफ स्कूल से बच्चे को लेने गयी महिला का शव मिला कंपनी गार्डेन में, पुलिस जांच में जुटी

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। चंद्रशेखरऱ्पार्क स्थित मजार के पास शनिवार दोपहर 32 वर्षीय महिला के सर पर वार कर हत्या कर दी गई। महिला अपने बच्चे को स्सेंट जोजफ स्कूल कूल से लेने गयी थी। स्कूल छूटने के कोलाहल के बीच कत्ल किसने और क्यों किया, यह अभी साफ नहीं हो सका है।

कर्नलगंज पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अत्तरसुइया मालवीयनगर निवासी सादान असद की पत्नी इरम आमिद सिद्दीकी अपने बच्चे को जेठ के साथ स्कूल छोड़ने के लिए सिविललाइंस गई थी। बच्चा सेंट जोसेफ स्कूल में यूकेजी का छात्र है। स्कूल की छुट्टी होने पर जब बच्चे को लेने के लिए कोई नहीं आया तो स्कूल से उसके पिता के पास फोन गया।

इसके बाद इरम की खोजबीन शुरू हुई। कुछ लोग कंपनीबाग में स्थित मजार के पास पहुंचे जहां उसकी खून से लथपथ लाश देख हतप्रभ रह गए।

इंस्पेक्टर कर्नलगंज राममोहन राय का कहना है कि अभी हत्या का कारण और कत्ल करने वालों के बारे में पता नहीं चल सका है। जांच की जा रही है।

धारदार हथियार से महिला की हत्या, ग्रामीण बोले-आरोपियों ने रेप के बाद घटना को दिया अंजाम

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज/कौशाम्बी। जिले में एक महिला की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। इस घटना के सामने आने के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की। पुलिस के मुताबिक, महिला की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की गई है। रेप के बाद हत्या का कारण बताया जा रहा है। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने चारपाई से कुछ दूरी पर 50 वर्षीय सीता देवी पत्नी स्व. सुरेश कुमार की लाश देखी। पुलिस ने आसपास के लोगों के बयान दर्ज किए और मामले की जांच शुरू की।

मेला अधिकारी ने कहा- 2025 का महाकुंभ होगा अद्भुत

40 करोड़ से ज्यादा आयेंगे श्रद्धालु, प्रमुख सचिव करेंगे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। वर्ष 2025 में संगम किनारे सबसे बड़ा मेला क्ष्महाकुंभ अद्भुत होगा। इसके लिए अभी से इसका खाका खींचा जा रहा है। महाकुंभ मेला 2025 के मेला अधिकारी विजय किरन आनंद ने कहा कि महाकुंभ मेला 2025 के सभी स्थाई कार्य तेजी से चल रहे हैं, जो अक्टूबर 2024 तक पूरे हो जाएंगे। 40 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की

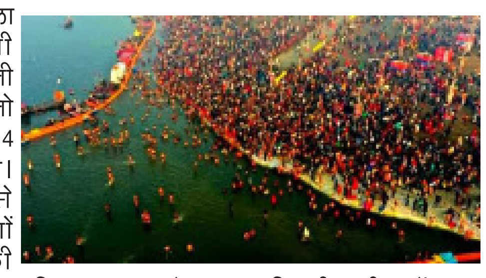

संभावना है।विजय किरन आनंद ने बताया कि बीच-बीच में जहां विभागों के प्रमुख सचिव और अन्य वरिष्ठ लोग स्थायी कार्यों का निरीक्षण करेंगे। कहा कि जिन विभागों के स्थाई कार्य हो रहे है उनमें लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, जल निगम, (प्रयागराजविकासप्राधिकरण), जलनिगम, बाढ़खंड, सेतुनिगम, उप्रपावरकारपोरेशन और मेलाप्राधिकरण सहित अन्य प्रमुख विभाग हैं।शासन ने जो बजट आवंटित किया था वह सभी विभागों को कार्य के लिए आवंटित कर दिया गया है।

सीधे प्रवेश

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

15% Fee Concession

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
पहले आओ पहले पाओ

15% Fee Concession

- कम्प्यूटर हार्डवेयर
- डाटा इंट्री ऑपरेटर
- फायर सेफ्टी
- कम्प्यूटर ऑपरेटर (कोपा)
- कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग
- इलेक्ट्रीशिन
- सीएनसी प्रोग्रामिंग
- इलेक्ट्रिक मैकेनिक
- बेसिक कम्प्यूटिंग
- सीसीए
- वेल्डर
- फिटर
- रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
- सिक्योरिटी सर्विस

Apply Online: www.nainiiti.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं.:
8081180306 ,9415608710 ,8103021873

एमटेक कैम्पस, 'बी' ब्लाक, ए.डी.ए. कालोनी (पुलिस चौकी के पीछे), नैनी, प्रयागराज।
C-41 औद्योगिक थाने के पीछे औद्योगिक क्षेत्र UPSIDC नैनी, प्रयागराज।

35 वर्ष बाद दुद्धी नगर पंचायत में खिला कमल,1020 मतों जीते कमलेश मोहन

भाजपा कार्यकर्ताओं का मेहनत लाया रंग,हुई ऐतिहासिक जीत

आधुनिक समाचार सेवा

दुद्धी/सोनभद्र। दुद्धी विधानसभा में पहली बार भाजपा का विधायक बनने के बाद लगभग 35 साल बाद दुद्धी नगर पंचायत में भी कमल खिल उठा है ,2022 में हुए विधानसभा चुनाव में दुद्धी विधानसभा क्षेत्र में पहली बार विधायक बनाने के उत्साहित भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने नगर पंचायत में भी कमल खिलाने का संकल्प लिया था ,दुद्धी में निर्दल नगर पंचायत अध्यक्ष रिकॉर्ड को ध्यान में रखकर भाजपा चुनाव प्रभारी अरविंद पाण्डेय एवं प्रभारी मंत्री रविन्द्र जायसवाल तथा दुद्धी विधायक रामदुलारे सहित अन्य पदाधिकारियों ने मजबूती से चुनाव लड़ने में जुटे रहे, जिसका परिणाम यह रहा कि दुद्धी में 35 साल बाद पहली बार नगर पंचायत पद पर कमलेश मोहन ने 3316 मत पाकर अपने निकटम प्रतिद्वंदी कमल कुमार कानू से 1020 मतों से जीत दर्ज कर ट्रिपल इंजन की सरकार का अंग बन गए। कमल कुमार कानू को 2296 मत मिले।शनिवार को दुद्धी डिग्री कॉलेज से

आर ओ ने जैसे ही दुद्धी नगर पंचायत अध्यक्ष के चुनाव परिणाम की घोषणा की तो भाजपा समर्थकों ने नवनिर्वाचित नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन को फूल मालाओं से लाद दिया।दुद्धी में पहली बार भाजपा के नगर पंचायत अध्यक्ष बनाने के बाद पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर देखी दौड़ गई ,नगर पंचायत दुद्धी में पहली बार भाजपा का झंडा बुलंद करने वाले नवनिर्वाचित नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन ने कहा कि यह जीत दुद्धी की जनता की जीत है।जनता भाजपा सरकार के कामकाज पर भरोसा करते हुए 35 सालों से निर्दल चेयरमैन बनने के मिथक को तोड़ते हुए ट्रिपल इंजन की सरकार पर भरोसा किया है।उन्होंने कहा कि हमारी पूरी कोशिश होगी की सरकार के साथ कदम में कदम मिलाकर चलते हुए दुद्धी का चहुमुखी विकास करेंगे।

अलग-अलग स्थानों पर एक युवक व एक युवती ने फांसी लगाई

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा अलग-अलग स्थानों पर एक युवती व युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मौके से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिले हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पारिवारिक विवाद में दोनों ने आत्महत्या की है। मूल रूप से अलीगढ़ निवासी विनोद अपने परिवार सहित गढ़ी शाहदरा गांव में किराये पर रह रहा है। विनोद व उसके परिजन मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का गुजर-बसर कर रहे हैं। शुक्रवार को विनोद व उसकी पत्नी काम पर चले गए। घर में उनकी 20 वर्षीय बेटी सलोनी अकेली थी। शाम के समय जब वह वापस घर लौटे तो उन्हें सलोनी फांसी के फंदे पर लटकी हुई मिली। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची थाना सेक्टर-142 पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सलोनी पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान थी और गुमसुम रहती थी। पड़ोसियों ने उसे फंदे पर लटका देख कर मकान मालिक व पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी ध्रुव भूषण दुबे ने बताया कि सनोज टेंपो चालक था और हरौला गांव में अकेला किराए पर रहता था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पारिवारिक विवाद के कारण वह पिछले कुछ दिनों से परेशान चल रहा था।

गरीब बच्चों को शिक्षा सामग्री वितरित किया गया

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट खुले आसमान के नीचे कुछ जरूरतमंद झुग्गी - झोपड़ी मजदूर के बच्चे 45, से 50, बच्चे ऋषि की पाठशाला में 2 घंटे रोज फ्री शिक्षा ले रहे हैं। एवं ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से बच्चों के लिए। किताब,कापी ,पेंसिल, रबड़, ड्राइंग, कलर, कपड़े आदि चीजें बच्चों को दी जाती है।जिससे बच्चों को किसी चीज की कमी ना हो। और बच्चे हमारी फ्री शिक्षा लेकर अपना भविष्य खुद चुन सकें। ऋषि की पाठशाला की संस्थापक, श्रीमती भारती नेगी ने कहा ऋषि की पाठशाला में दूर-दूर से लोग इन बच्चों की छोटी-छोटी जरूरतमंद चीजों का सहयोग करने के लिए आ रहे हैं। जैसेः आज आदरणीय सतपाल यादव जी, बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए बच्चों से मिलने आए। और उन बच्चों को पढ़ने लिखने की सामग्री अपने हाथों से वितरण की कॉपी, ड्राइंग कलर, पेंसिल बॉक्स, आदि चीजें वितरण की गई। सतपाल यादव ने आगे भी बच्चों की मदद करने के लिए बच्चों को हौसला दिया । कि मैं आपकी मदद करता रहूंगा। आप अच्छा पढ़ोगे , लिखोगे। मैं आपकी मदद में कोई कमी नहीं छोडूंगा बच्चों ने सर को दोनों हाथ जोड़कर धन्यवाद दिया। इस मौके पर संस्थापक श्रीमती भारती नेगी, प्रीति शाह, विनीता चौधरी, रीना वेद, पूजा कुमारी सोनिया सिंह, आदि लोग उपस्थित रहे।

अज्ञात कारणों से लगी आग से 6 जानवरों की मौत

आधुनिक समाचार सेवा

डाला/सोनभद्र- आग लगने से 2 गाय 3 भैस, सहित दो पाड़ी जल कर मर गए । आनन फानन में आग पर काबू पाया गया स्थानीय डाला चौकी अंतर्गत गोरादह, टोला में रोशन यादव पुत्र वीरेंद्र यादव के जानवर बांधने वाली मड़ई में अचानक आग लग गयी । जिसमे 2 गाय, 3 भैस, 2 पाड़ी , सहित

दो बाइक जल गई। ऐसे में अन्य जानवरों को बचाने के चक्कर मे घर के सदस्य भी आग की लपटों के शिकार हुए। लेकिन अन्य किसी प्रकार के दिक्कत न होने पाई। बताया जा रहा कि दोपहर में लगभग 3 बजे की करीब , अचानक आग की लपटों को देख घर वाले परेशान हो गए। भाग दौड़ में कुछ जानवरों को खूंटे से खोला जा सका । वह कुछ जानवरो को नही बचाया जा सका।

नेहा कश्यप ने जीता श्रृंगार सीज़न 2 मेकप कॉम्पटिशन में विनर का खिताब

आधुनिक समाचार सेवा

एक बार फिर बाँदा जिले की बेटी नेहा कश्यप ने जीत हासिल की और बाँदा का नाम रोशन किया नेहा कश्यप श्रृंगार सीज़न 2 के शो की विनर बनी जुरी मेम्बर और मनीष राज निगम ने अवार्ड देकर नेहा कश्यप और उनके मेकप अरिटिस्ट को सम्मानित किया गया हम बता दे नेहा कश्यप एक के बाद एक खिताब हासिल कर रही है कानपुर में स्थित द लीजेंड्स क्लब होटल में प्रोग्राम 7 तारीख क़ो लीजेंड्स क्लब मनीष राज निगम के द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें नेहा कश्यप को विनर का हकदार बनाया गया नेहा कश्यप सेंट मेरी ज्योति नगर की रहने वाली है इस शो में बहुत से सिलेब्रिटी गेस्ट उपस्थित रहे नेहा कश्यप का नाम हर जगह जाना जाता है अभी हाल में ही इनका एक ऐल्बम सोंग मोड़ी बवाल रिलीज़ हुआ है ये खुद एक सिलेब्रिटी है जिन्हें बहुत सी जगह से इन्विटेशन आते रहते है नेहा कश्यप बॉलीवुड में एंट्री कर चुकी है बहुत जल्द इनका एक

और नया ऐल्बम सोंग आने वाला है और नेहा कश्यप बाँदा का नाम देश विदेश हर जगह रोशन करेगी नेहा कश्यप को उन्नाव के प्रोफ़ेसनल प्रिन्स मेकप आर्टिस्ट के द्वारा डिज़ाइनर डिज़ाइनर लहँगा पहनकर बेहतरीन मेकप के साथ स्टेज पर वॉक करके जलवे बिखेर दिया प्रिन्स मेकप आर्टिस्ट के मेकप ड्रेस की बहुत सहरना की गई इन्होंने ड्रेस दिल्ली से डिजाइन कराई थी जिसमें इन्होंने बहुत मेहनत की थी नेहा कश्यप जब मंच पर आई तो पूरा माहौल तालियों से गूंज उठा ।नेहा कश्यप की मंच पर बहुत सराहना की।नेहा को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दी,वो अपनी फ़ैमिली और अपने बाँदा का नाम हर जगह रोशन करना चाहती है जिससे बाँदा का नाम इतिहास के पन्नो पर दर्ज हो और बाँदा को सब लोग जाने हम सभी नेहा कश्यप के उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

पीलोडर के चपेट में आने से मुंशी हुई मौत

आधुनिक समाचार सेवा

डाला सोनभद्र। स्थानीय पुलिस चौकी क्षेत्र के कोठा टोला में आज शुक्रवार रात्रि लगभग 9:00 क्रेशर प्लांट में पिलोडर की चपेट में आने से एक मुंशी की हुई मौत प्राप्त जानकारी के अनुसार विक्रम स्टोन वर्क्स बिल्ली मारकुंडी कोठा

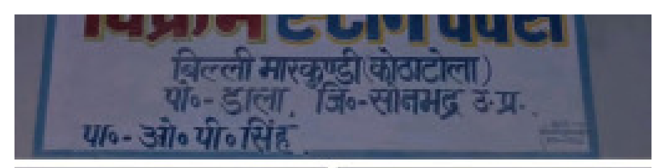

टोला डाला जो कि मुंशी का कार्य कर रहा था अनिल कुमार पुत्र मोहन उर्म लगभग 25 वर्ष निवासी जोमोहनी शमशेरपुर चंदौली का बताया जा रहा है जो कि मुंशी का काम प्लांट पर करता था पिलोडर से एक्सिडेंट हुआ जिसमें उसकी मृत्यु हो गई शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल में भेज दिया गया है व पुलिस ने पिलोडर को कब्जे में ले लिया गया है मौके पर थाना चोपन लक्ष्मण पर्वत और उप निरीक्षक डाला चौकी मौके पर मौजूद है।

काँग्रेस नेताओ ने कर्नाटक की प्रचंड जीत पर मिठाई खिलाकर जश्न मनाया

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा कर्नाटक की प्रचंड जीत की खुशी में नोएड़ा काँग्रेस के नेता पूर्व प्रदेश सदस्य यूपी काँग्रेस कमेटी सतेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में नोएडा के काँग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं ने राज्यसभा सांसद उप नेता प्रमोद तिवारी को मिठाई खिलाकर कर्नाटक जीत पर जश्न मनाया,राज्यसभा सांसद उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि कर्नाटक में कांग्रेस की शानदार जीत को पार्टी सदन तथा सदन के बाहर महँगाई बेरोजगारी एव भ्रष्टाचार के खिलाफ देशव्यापी संघर्ष की बड़ी जीत कहा है। प्रमोद तिवारी ने कहा है कि कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी को करारी शिकस्त देकर काँग्रेस की बड़ी जीत सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनता में विश्वसनीयता की हार है,इस अवसर पर सतेन्द्र शर्मा ने कहा की ये जीत सभी कांग्रेस

के कार्य कर्ताओं की जीत है,श्रीमती सोनिया गांधी, राहुल गांधी ,कांग्रेस के अध्यक्ष मलिका अर्जुन खरगे पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी के मेहनत और र कर्नाटक के सभी पार्टी कार्यकर्ता एव वहाँ की देवतुल्य जनता ने सोच समझ कर कांग्रेस की पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने का कार्य किया है,प्रदेश अल्पसंख्यक उपाध्यक्ष लियाकत चौधरी ने कहा है की महँगाई ओर झूठे वादों के ख़िलाफ़ जनता वोट किया,इस अवसर पर वरिष्ठ नेता काँग्रेस मुन्ना ओजा,प्रदेश सदस्य यतेंद्र शर्मा,प्रदेश सदस्य लियाकत चौधरी, प्रदेश पूर्व सदस्य सतेन्द्र शर्मा अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ईआरडी केयर फाउंडेशन द्वारा एवम समाजसेविका संतोष सिंह के तहत दिव्यांगजनों को बांटे उपकरण

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा।सेक्टर 82 पाकेट 12 जनता फ्लैट में ईआरडी केयर फाउंडेशन एवं समाजसेविका श्रीमती संतोष सिंह के सहयोग से दिव्याग एवं बुजुर्ग जनों को उनके चलने योग्य सामाग्री व्हील चेयर,वाकर,छडी का वितरण एक शिविर लगाकर किया गया।

ईआरडी केयर फाउंडेशन के संस्थापक संजीव भारद्वाज ने हमारे नोएडा ब्यूरो प्रभारी देव मणि शुक्ल से एक बातचीत में बताया कि समाज में ऐसे बहुत से दिव्याग बच्चे बूढ़े है जो आर्थिक रूप से कमजोर है उन्हें व्हील चेयर या स्टिकस की आवश्यकता है और उन्हें नहीं मिल पा रहा है ऐसे लोगों को हम चिन्हित करके उसी एरिया में एक शिविर लगाकर और उन्हें उनके आवश्यकतानुसार उपकरण देते हैं जिससे उनके जीवन में सुधार होता है और चेहरे पर एक खुशी की रेखा खिंच जाती है उसे देखकर मैं अपने कार्यो पर एक कदम और आगे चलने का और संकल्प लेने का संबल मिलता है।

युवा समाजसेविका एवं जे एस डी धरम पब्लिक स्कूल की प्राचार्या श्रीमती संतोष सिंह ने बताया कि हम लोग समाज के समुचित विकास एवं समाज के अंतिम पायदान पर खड़ा जरूरतमंद व्यक्ति की मदद हेतु तत्पर रहने का प्रयास करते हैं। हर एक जरूरतमंद व्यक्ति की हर संभव मदद करते हैं। इस शिविर में ईआरडी केयर फाउंडेशन के सहयोग से दर्जनों लोगों को व्हील चेयर, वाकर,छडी आदि उपकरणों का वितरण किया गया।

सभी लाभान्वित लोगों ने पूरी टीम को धन्यवाद दिया और समाज में ऐसे कार्य करते हुए आगे बढे ऐसी शुभकामना दी।

इस शिविर में डिस्ट्रिक कोर्डिनेटर रंजीत दुबे , सोशल वर्कर विपुल, धर्मेंद्र सिंह,भोला नाथ खन्ना, समाजसेवी संतोष सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

वरिष्ठ पत्रकार धीरेन्द्र अवाना को पितृ शोक

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा नयाबांस गांव निवासी पत्रकार धीरेन्द्र अवाना के पिता श्यामसिंह अवाना का रविवार सुबह को उत्तराखंड के देहरादून स्थित एक अस्पताल में निधन हो गया।वे करीब 75 वर्ष के थे।पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे।पहले उनका इलाज अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश में चल रहा था।हालत ठीक होने पर देहरादून स्थित उनके आवास पर ले जाया गया।कुछ दिनों बाद हालात बिगड़ने पर उन्हे उत्तराखंड के देहरादून स्थित एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया। यंहा उपचार के दौरान उन्होनें अंतिम सांस ली।वे अपने पीछे तीन बेटे व एक बेटी समेत भरा पूरा परिवार छोड़ कर गयी है।उनके निधन की खबर मिलते ही पत्रकारों, परिचितों, मित्रों और रिश्तेदारों में शोक छा गया।

प्रयागराज नगर निकाय रिजल्ट

वार्ड नंबर 01 भाजपा सभासद प्रत्याशी निरंजन कुमार जीते
वार्ड नंबर 02 भाजपा सभासद प्रत्याशी रंजना देवी जीतीं
वार्ड नंबर 03 बमरौली से बीजेपी तारावती देवी भी निर्वाचित हुई
वार्ड नंबर 04 निर्दल राकेश आजाद जीते
वार्ड नंबर 05 निर्दल सोनू खान जीते
वार्ड नंबर 06 मक्खन
वार्ड नम्बर 07 राजापुर से जीते निर्दलीय प्रत्याशी भास्कर पटेल
वार्ड नंबर 08 भाजपा सभासद प्रत्याशी धीरज जायसवाल जीते
वार्ड नंबर 09 भाजपा सभासद प्रत्याशी काननबाला देवी जीतीं
वार्ड नम्बर 10 सूबेदार भारतीय जीते
वार्ड नम्बर 12 प्रत्याशी मोमिना सिद्दीकी पत्नी अहमद अली की जीत
वार्ड नम्बर 14 सपा प्रत्याशी रामकुमार जीते
वार्ड नंबर 19 बीजेपी के राम मिलन पासी विजयी
वार्ड नंबर 36 बसपा के कृष्ण कुमार पाठक जीते
वार्ड नम्बर 37 निर्दलीय प्रत्याशी सुरेन्द्र यादव जीते
वार्ड नंबर 41 विश्वास रावत विजयीं
वार्ड नंबर 44 से सपा से आज़म जीते
वार्ड नंबर 46 इमरान
वार्ड नंबर 54 मिथिलेश सिंह विजयी
वार्ड नम्बर 56 से श्याम लाल गुप्ता विजयी
वार्ड नंबर 60 तसलीम उद्दीन
वार्ड नंबर 61 आनन्द घिल्डियाल 'आनू' विजयी
वार्ड नंबर 63 सोनिका आनन्द अग्रवाल विजयी
वार्ड नंबर 64 मीनू तिवारी विजयी
वार्ड नंबर 68 कुंकुन
वार्ड नंबर 71 भाजपा से गुलाब सिंह पटेल से जीते
वार्ड नंबर 76 नीरज टंडन
वार्ड नंबर 79 सुनीता सिंह रिकॉर्ड मतो से जीती
वार्ड नंबर 80 साजिया खान
वार्ड नंबर 81 भाजपा के मयंक यादव ने जीते
वार्ड नंबर 82 आजाद
वार्ड नंबर 83 सरफराज
वार्ड नंबर 84 राधा निषाद भाजपा विजयीं
वार्ड नंबर 86 विद्या द्विवेदी विजयी
वार्ड नंबर 87 बीजेपी साहिल अरोड़ा विजयी
वार्ड नंबर 89 भाजपा अनुपमा पांडे विजयी
वार्ड नंबर 90 जिया उबैद पार्षद
वार्ड नंबर 91 असमा बेगम विजयी
वार्ड नंबर 92 रमीज अहसान
वार्ड नंबर 93 सपा से अब्दुल समद जीते
वार्ड नंबर 95 नेम यादव सपा प्रत्याशी विजयी
वार्ड नंबर 96 फजल खां
वार्ड नंबर 98 कांग्रेस प्रत्याशी मुमताज़ जीती
वार्ड नंबर 99 हाजी सलामत सलामत उल्लाह
वार्ड नंबर 100 सपा से सरफ़राज़ जीते

थाना चोपन पुलिस द्वारा वांछित 01 नफर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में अपराध पर प्रभावी रोकथाम लगाने तथा उसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक 07.05.2023 को थाना चोपन

पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-37/2023 धारा 493, 504, 506 भादवि व 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त शिवशंकर रौनियार पुत्र श्यामसुन्दर रौनियार निवासी मारकुण्डी मेन रोड, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया । **गिरफ्तार अभियुक्त-** 1. शिवशंकर रौनियार पुत्र श्यामसुन्दर रौनियार निवासी मारकुण्डी मेन रोड, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र। **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण-** 1. प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण पर्वत, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र । 2. उ0नि0 राजेश कुमार सिंह, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र । 3. का0 रामप्रताप, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र ।

कृत्रिम अंग एव सहायक उपकरणो के लिए आनलाईन आवेदन करते हुए नियमानुसार उपकरण प्राप्त करे

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी सोनभद्र ने जानकारी देते हुए बताया कि कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण योजना को वर्तमान में वेबपोर्टल **http://divyangjanup.upsdc.gov.in** पर आनलाईन संचालित कर दिया गया है, जनपद के दिव्यांगजनों से अपुरोधहै कि कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण योजनान्तर्गत यदि कृत्रिम अंग अथवा सहायक उपकरण यथा ट्राईसाईकिल, व्हील चेयर, बैसाखी, कान की मशीन, ब्लाइंड स्टीक इत्यादि उपकरणों की आवश्यकता है तो उक्त पोर्टल पर दिव्यांग प्रमाण-पत्र, आधार, आय व जाति प्रमाण-पत्र अपलोड कर आनलाईन आवेदन करते हुए नियमानुसार उपकरण प्राप्त कर सकते हैं।

मप्र के हालिया बस हादसों की फेहरिस्त आखिर कब तक होता रहेगा खिलवाड़

आधुनिक समाचार सेवा

मध्य प्रदेश के खरगोन में मंगलवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। बस रेलिंग तोड़कर 50 फीट नीचे सूखी नदी में जा गिरी। बस में 50 से अधिक यात्री सवार थे। अब तक 15 के मारे जाने की सूचना है।

मध्य प्रदेश में बस हादसे आम होते जा रहे हैं। हर सड़क हादसे के बाद व्यवस्था पर सवाल उठते हैं और जैसे-जैसे घटना पुरानी होती जाती है, सवाल भी कमजोर पड़ते जाते हैं। नतीजा, हर कुछ दिनों में एक्सीडेंट की खबर आती रहती है। यहां देखिए मध्य प्रदेश में हुई हालिया बड़ी बस दुर्घटनाओं की लिस्ट

सीधी बस हादसे में 53 लोगों की हो गई थी मौतः सीधी में 16 फरवरी 2021 को यात्रियों से भरी बस नहर में गिरने से 53 लोगों की मौत हो गई थी। ड्राइवर ने नहर के से सटे शार्टकट रास्ते से बस निकालने की कोशिश की। इसी दौरान वह स्टेयरिंग से नियंत्रण खो बैठा और बस फिसलकर पास में नहर में डूब गई। **धार के खलघाट में बस हादसे में 15 लोगों की मौतः** जुलाई 2023 में धार जिले के खलघाट में सवारियों से भरी बस ब्रिज की रेलिंग को तोड़ते हुए नर्मदा नदी में गिर गई थी। घटना में 15 लोगों की मौत हो गई थी। यह

बस इंदौर से पुणे जा रही थी।

इंदौर स्कूल बस हादसे में 6 लोगों की हुई थी मौतः इंदौर में 5 जनवरी 2018 को बायपास पर डीपीएस स्कूल की बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी, जिसमें पांच बच्चों सहित 6 लोगों की मौत हो गई थी।

मनमानी करते हैं बस संचालक, सरकार ने आंखों पर पट्टी बांधीः सच्चाई यही है कि पूरे मध्य प्रदेश में बस संचालकों की मनमानी चल रही है। इनके लिए कोई नियम-कायदा नहीं है। अंध गति से बसें दौड़ती हैं। लोगों को भेड़-बकरियों की तरह ठूंस लिया जाता है। फिटनेस का ठिकाना नहीं होता। चालक कितनी प्रशिक्षित है, यह किसी को परवाह नहीं है। सवारियां बैठाने और एक-दूसरे से आगे निकलने के चक्कर में काबू होकर गाड़ियां चलाई जा रही हैं।

हर बस दुर्घटना के बाद सरकार की तरफ से औपचारिक बयान आता है, दुख जताया जाता है, मुआवजे का ऐलान कर दिया जाता है, और फिर वो ही ठाक के तीन पात। होना यह चाहिए कि सख्त नियम बनें और उनका पालन किया जाए।

नाबालिग हिन्दू बालिका की निकाह किये जाने के प्रकरण में लिया गया संज्ञान- राजेश कुमार खैरवार

आधुनिक समचार सेवा

सोनभद्र। विश्वस्त सूत्रों से जानकारी प्राप्त हुयी की थाना माँची अन्तर्गत पनौरा चौकी क्षेत्र के एक गांव से 16 वर्ष की हिन्दू नाबालिग आदिवासी बालिका का निकाह किए जाने का मामला बताया गया जिसे तत्काल जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह के निर्देश के क्रम में जिला प्रोवेशन अधिकारी राजेश कुमार खैरवार द्वारा टीम गठित कर निर्देशित किया गया की नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए अवगत कराये टीम मे महिला शक्ति केन्द्र से जिला समन्वयक/नोडल सीमा द्विवेदी, साधना मिश्रा व जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र से ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे की संयुक्त टीम तत्काल थाना माँची से समन्वय स्थापित करते हुए माँची थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सोनकर के साथ पनौरा चौकी पर नाबालिग बालक व बालिका के पिता, भाई व अन्य के समक्ष पुछ-ताछ किया गया नाबालिग बालक व बालिका के पिता से उम्र के सम्बन्ध में टीम द्वारा साक्ष्य चाहा गया परन्तु कोई भी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया जिससे की उम्र के सम्बन्ध में पता किया जा सके ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे द्वारा बताया गया।

सम्पादकीय

जांच में तेजी लाएं

दिल्ली के जंतर-मंतर पर 23 अप्रैल से शुरू हुआ पहलवानों का दूसरे दौर का धरना खत्म होना तो दूर उलटे यह मामला और पेचीदा होता जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इस मामले में कोई और व्यवस्था दिए बगैर सुनवाई समाप्त कर दी। हालांकि इसे मामले के मेरिट पर किसी तरह की टिप्पणी नहीं माना जा सकता। इस बीच, बुधवार रात जंतर-मंतर पर हुई पुलिस के साथ पहलवानों की झड़प के बाद माहौल और गरमा गया है। वैसे, इस मामले में दोनों का अपना पक्ष है। जहां पहलवानों की तरफ से मानवीय नजरिया अपनाते हुए कहा जा सकता है कि बारिश के चलते जमीन गीली होने के कारण रात में अगर उनके लिए फोल्डिंग खाट का इंतजाम किया जा रहा था तो यह कोई ऐसी बात नहीं थी जो समझी न जा सके। लेकिन पुलिस की यह बात भी सही है कि जंतर-मंतर कोई ऐसी जगह नहीं है जहां कोई भी, कभी भी मनमाने ढंग से कुछ भी ले आए। वहां धरने पर बैठे लोगों को एक अनुशासन में रहना पड़ता है। उन्हें जरूरी वस्तुओं की सूची पुलिस को देनी पड़ती है, उसकी इजाजत लेनी पड़ती है। ऐसे में रात-बिरात किसी खास राजनीतिक दल से जुड़ा कोई विधायक बिना इजाजत वहां फोल्डिंग खाट लेकर पहुंच जाए तो ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों का उसे रोकना स्वाभाविक है। लेकिन फिर भी, इस मामले ने जितना अप्रिय मोड़ ले लिया, उसकी जरूरत नहीं थी। इसे बेहतर ढंग से निपटाया जा सकता था। दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोप के बीच दिल्ली पुलिस ने मामले की निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच की बात कही है, जिसका स्वागत होना चाहिए। बहरहाल, ज्यादा चिंता की बात यह है कि अपनी शिकायतों के साथ पहलवानों का धरना लगातार जारी है। इस गतिरोध को दूर करने के कोई गंभीर प्रयास होते नहीं दिख रहे। आरोपों के घेरे में आए कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष भी मीडिया में अपनी बात कह रहे हैं, जिसका उन्हें हक है। लेकिन इससे बात कुछ आगे नहीं बढ़ रही। मूल सवाल यह है ही नहीं कि कौन सी राजनीतिक ताकतें इस मामले का कैसे इस्तेमाल कर रही हैं और किसका क्या स्वार्थ सध रहा है। बड़ा सवाल यह है कि जो आरोप महिला पहलवानों ने लगाए हैं, उनमें कितनी सचाई है। और इसका जवाब दोनों तरफ के दावों-प्रति दावों से नहीं बल्कि जांच-पड़ताल से ही मिलेगा। ऐसी जांच रातों-रात नहीं हो सकती, उसमें वक्त लगेगा। लेकिन सभी संबंधित पक्षों को यह भरोसा होना चाहिए कि जांच के नाम पर लीपापोती नहीं होगी। इसी बिंदु पर कमी दिख रही है। पहलवानों को विश्वास दिलाने की कोई ठोस कोशिश भी नजर नहीं आ रही। बुधवार को भारतीय ओलिंपिक संघ की प्रमुख पीटी उषा का जंतर-मंतर पहुंचकर पहलवानों से मिलना जरूर एक पॉजिटिव कदम कहा जा सकता है। लेकिन यह काफी नहीं। आश्वस्त करने वाले ऐसे और कदमों के साथ-साथ जांच में भी तेजी लाने की जरूरत है।

कर्नाटक में कांग्रेस ने अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का काम कर दिया है

कर्नाटक में विधानसभा चुनाव काफी दिलचस्प होने जा रहे हैं, इन चुनावों के परिणामों का असर कांग्रेस की भावी स्थितियों के साथ राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों पर भी पड़ेगा। इन चुनावों से विपक्षी एकता की प्रक्रिया में कांग्रेस की भूमिका भी तय होने की दिशाएं सामने आयेंगी। इस लिहाज से कर्नाटक चुनाव महत्त्वपूर्ण होने के साथ भविष्य की भारतीय राजनीति की दिशाओं को मोड़ देगी। कांग्रेस ने इन चुनावों से काफी उम्मीदें लगा रखी हैं, वहीं भाजपा की ओर से हर बार की तरह इस बार भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही जोरदार एवं धारदार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। कांग्रेस ने बजरंग दल पर बैन लगाने की बात अपने घोषणा पत्र में करके जीत की ओर बढ़ते अपने कदमों पर विराम ही लगाया है। क्योंकि भाजपा इसे हिन्दू भावनाओं के मान-सम्मान से जोड़ रही है, देश में बह रही हिन्दूवादी लहर के दौर में निश्चित ही इसके नकारात्मक असर देखने को मिलेंगे। हर तरह की चहलकदमी के बावजूद यह चुनाव भी मुद्दों से भटकता हुआ दिखाई दे रहा है।

कर्नाटक में मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, विधानसभा चुनाव मुद्दों से भटक कर धार्मिक भावनाओं पर केंद्रित होता दिख रहा है। मुफ्त रेवड़ियों के चुनावी वादे दक्षिण की पुरानी परंपरा है, लेकिन अब शिव के गले के सांप और बजरंग बली भी चुनावी मुद्दा बन गए हैं। दक्षिण भारत में भाजपा का प्रवेश द्वार बने कर्नाटक को सामाजिक-आर्थिक रूप से बेहतर राज्यों में गिना जाता है, पर कटु सत्य यही है कि वहां की राजनीति जातीय बंधनों से मुक्त नहीं हो पाई है। राज्य में लिंगायत, वोक्कालिगा और कुरुबा- तीन बड़े समुदाय हैं। राजनीतिक दल इनके बीच अपनी वोट-राजनीति का सही गणित बैठा कर ही सत्ता की राह तलाशते रहे हैं। इस बार भी चुनावी परिदृश्य इसी गुणा-भाग से शुरू होता हुआ दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के रूप में सबसे बड़े लिंगायत समुदाय के बड़े चेहरे भाजपा के पास हैं, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर और पूर्व उप मुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी के बगावत कर कांग्रेस में चले जाने से उसे झटका भी लगा है। कांग्रेस के पास पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के रूप में कुरुबा समुदाय तथा प्रदेश अध्यक्ष डी.के. शिव कुमार के रूप में वोक्कालिगा समुदाय के बड़े चेहरे पहले से हैं। ऐसे में माना जा सकता है कि शेट्टर और सावदी के पाला बदलने से उसे लाभ ही हुआ। इन जातिगत समीकरणों के बीच धार्मिक भावनाओं का असर भी अपना जादू दिखा दे तो कोई आश्चर्य नहीं।

कांग्रेस की स्थितियां मजबूत होने के बावजूद भाजपा कोई चमत्कार घटित कर दे, इससे भी इन्कार नहीं किया जा सकता। कांग्रेस भले ही येदियुरप्पा और बोम्मई के नेतृत्व वाली भाजपा सरकारों के कामकाज को मुद्दा बनाये या जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक और जंतर-मंतर पर पहलवानों के धरने उसके लिये अतिरिक्त मुद्दे हैं। लोक लुभावन वादों वाले भाजपाई घोषणापत्र के जवाब में वैसे ही या और आगे बढ़ते हुए कांग्रेसी वादे भी राजनीतिक रूप से समझ में आते हैं, पर पीएफआई के साथ ही बजरंग दल पर प्रतिबंध के वादे ने तो भाजपा को मनवांछित मुद्दा उपलब्ध करा दिया है। पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जहरीला सांप बता कर अवांछित और अशोभनीय विवाद पैदा किया, तो अब बजरंग दल और पीएफआई को एक ही श्रेणी में रख कर कांग्रेस ने चुनाव को असल मुद्दों से भटका कर भावनाओं में बह जाने या बहा लिए जाने का मौका खुद दे दिया है।

बजरंग दल का मुद्दा प्रभावी होने वाला है, क्योंकि कर्नाटक की जनता का हनुमानजी के साथ भावनात्मक एवं धार्मिक जुड़ाव है, बजरंग बली की जन्मभूमि होने का गौरव इसी प्रांत को जाता है। भाजपा तो चाहती ही थी कि ये चुनाव धार्मिक मोड़ ले, बजरंग बली का मुद्दा उछाल कर कांग्रेस ने भाजपा के लिये सहुलियत ही की है। प्रश्न है कि कांग्रेस क्यों एक बार फिर भाजपा द्वारा तैयार चुनावी पिच पर खेलने को तैयार हो गई? बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का सपना देखने वाली कांग्रेस दरअसल अपने पूर्ण पतन का आह्वान कर रही है। बजरंग दल देशभक्त युवाओं का राष्ट्रवादी संगठन है, जो विपत्ति के समय जाति धर्म आदि नहीं देखता और देश के संकट को दूर करने में तन, मन व धन से सहयोग करता है। राजनीतिक दुराग्रह के कारण पीएफआई जैसे आतंकी संगठनों से इसकी तुलना करना जहां निंदनीय है, वहीं राजनीतिक अपरिपक्वता का परिचायक है। कांग्रेस अपनी बची-खुची इज्जत भी ऐसे पूर्वाग्रही कुविचारों के कारण गंवा रही है। यह विडंबना है कि कांग्रेस आतंकवाद की बुराई करने के बजाय राष्ट्रवादी संगठनों को निशाना बनाने की ताक में है। वह शायद बजरंग दल का इतिहास भूल रही है। राम जन्मभूमि आंदोलन को सफल बनाने में इस राष्ट्रवादी संगठन की उल्लेखनीय भूमिका भला कौन नहीं जानता? कांग्रेस ने जब घोषणापत्र जारी किया तो उसमें मुफ्त की सौगातों के साथ इस एक वायदे ने सभी का ध्यान खींचा। लगता है, कांग्रेस जो दिवास्वप्न देख रही है इससे वह जितनी जल्दी बाहर निकल जाए, उतना ही उसके उन्नत राजनीतिक भविष्य के लिये बेहतर होगा। इन चुनावों का एक अन्य पहलू यह है कि दोनों तीखी टक्कर वाले दलों ने राष्ट्रीय मुद्दों को भी पर्याप्त तवज्जो दी है। बीजेपी ने सीधे तौर पर राम मंदिर की बात भले न की हो, लेकिन समान नागरिक संहिता और एनआरसी लागू करने का वादा जरूर किया है। गौर करने की बात यह है कि कांग्रेस भी इन कथित राष्ट्रीय मुद्दों पर खासी आक्रामक नजर आ रही है। उसने अपने घोषणापत्र में हेटस्पीच के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने की बात कही है। हालांकि पीएफआई पर केंद्र सरकार पांच साल का बैन पहले ही लगा चुकी है। यही नहीं, चार फीसदी मुस्लिम आरक्षण खत्म करने की बीजेपी की घोषणा के जवाब में इसे बहाल करने की बात भी उसने कही है। पिछले कुछ समय से कथित तौर पर विभाजित करने वाले मुद्दों पर कांग्रेस के नरम रवैये में यह एक दिलचस्प बदलाव है। इन तमाम वादों के बीच सवाल सिर्फ यह नहीं कि किसका वादा कितना लुभावना है, देखने वाली बात यह भी होगी कि किसके वादों को मतदाता कितना भरोसेमंद मानते हैं और किस दल को जीत की ओर अग्रसर करते हैं।

दिल्ली में मुफ्त की संस्कृति को बल देने वाले आम आदमी पार्टी के पदचिन्हों पर चलते हुए कांग्रेस एवं भाजपा दोनों ने अपने घोषणापत्रों में मतदाताओं के अलग-अलग वर्गों को लुभाने की कोशिश की है जो स्वाभाविक होने के बावजूद राजनीतिक दशा एवं दिशा पर एक बड़ा सवाल है। लेकिन इस क्रम में मुफ्त की पेशकश करने में किसी ने भी कोई हिचक नहीं दिखाई है। जहां कांग्रेस ने 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने, परिवार की प्रत्येक महिला मुखिया को हर महीने 2 हजार रुपये देने, बेरोजगार स्नातकों को 3000 रुपये और डिप्लोमाधारकों को 1500 रुपये प्रति माह देने जैसे वादे किए हैं, वहीं बीजेपी ने हर बीपीएल परिवार को रोज आधा किलो नंदिनी दूध देने, लोगों को सस्ता अनाज मुहैया कराने और युगादी, गणेश चतुर्थी तथा दीपावली पर तीन गैस सिलिंडर मुफ्त देने जैसे आश्वासन दिए हैं। चुनावों में मुफ्त रेवड़ियां बांटने को लेकर पिछले दिनों छिड़ी बहस को याद करें तो दोनों पार्टियों के घोषणापत्र का यह हिस्सा उसका उल्लंघन करता मालूम होता है, लेकिन दोनों ही इन वादों को कमजोर तबकों के सशक्तीकरण के अपने संकल्प से जोड़ती हैं। कुछ भी हो हर बार चुनाव में हर दल सिद्धान्तों एवं मूल्यों को किनारे करने में तनिक भी हिचकते नहीं, इन चुनावों में भी इसका हनन हो रहा है। सच भी है कि विकास के वादों और दावों के बावजूद मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग आज भी इस स्थिति में है कि कथित तौर पर मुफ्त या सस्ती चीजें उसके वोट के फैसले को प्रभावित करती हैं।

हाई सिक्योरिटी जेलों से आखिर गैंगस्टर कैसे खेलते हैं हत्या की साजिशों का खूनी खेल?

हाई सिक्योरिटी जेलों के अंदर कैद में बंद कोई अपराधी अगर किसी भी प्रकार के अपराध को अंजाम देता है, तो हालात देश के सिस्टम को अपराधियों के द्वारा खुली चुनौती देने वाले बन जाते हैं, जिसके खिलाफ तत्काल विचार करके ठोस कदम उठाना सिस्टम के लिए बेहद आवश्यक होता है। वैसे भी आज भारत की सुरक्षित माने जाने वाली जेलों में कैद कुछ अपराधियों के काले कारनामे देश व दुनिया से जरा भी छिपे हुए नहीं हैं। यह अपराधी सिस्टम में व्याप्त भ्रष्टाचार के चलते सिस्टम में बैठे कुछ भ्रष्ट लोगों की कृपा से जेलों की कैद में बैठकर भी अपने गैंग का पूरी तरह से बेखौफ हो करके निर्बाध रूप से संचालन कर रहे हैं। आज इक्कीसवीं सदी के भारत में भी कुछ कुख्यात अपराधियों के जेल से किये गये एक इशारे पर ही देश के किसी भी कोने में दिनदहाड़े सरेआम हत्याएं तक हो जाती हैं, जो स्थिति अपराध मुक्त समाज की कल्पना में बहुत बड़ी बाधक है और कानून पसंद सभ्य व शांति प्रिय समाज के लिए बेहद घातक है।

वैसे देश में हाल में घटित कुछ बेहद हाई प्रोफाइल आपराधिक घटनाक्रमों पर नज़र डालें तो हम देखते हैं कि देश व दुनिया में सिद्धू मूसेवाला नाम से मशहूर गायक शुभदीप सिंह सिद्धू की 29 मई 2022 को पंजाब के मनसा जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिसकी जिम्मेदारी जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई के गैंग के एक सदस्य गोल्डी बराड़ ने ली थी। वहीं उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 24 फरवरी 2023 को विधायक राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल व उसके दोनों सरकारी गनरों को ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर छलनी कर दिया गया था, इस हत्याकांड में जेल में बंद अतीक अहमद उसके भाई बेटे व गैंग के अन्य सदस्यों का नाम आया था, वहीं अभी पिछले महीने 15 अप्रैल 2023 को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के एक अस्पताल में पुलिस कस्टडी में मेडिकल करवाने के लिए जा रहे बाहुबली अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ अहमद की तीन युवकों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसा करके हत्या कर दी थी। इन सभी हत्याओं की घटनाओं के तार तिहाड़ जेल, साबरमती जेल, नैनी जेल, बरेली जेल जैसी देश की बेहद हाई सिक्योरिटी वाली जेलों से जांच एजेंसियों को जुड़ते हुए नज़र आ रहे हैं, जो स्थिति हमारे देश की जेलों की सच्चाई की देशवासियों के सामने पोल खोलने के लिए काफी है। वैसे देश की जेलों के इस तरह के हालात नियम कायदे कानून में विश्वास रखने वाले आम लोगों व हमारे देश के सिस्टम के लिए बेहद चिंताजनक है। सूत्रों के अनुसार, इन सभी हत्याकांडों की जांच के दौरान जांच एजेंसियों को बहुत से ऐसे तथ्य मिले हैं जो यह साबित करने के लिए काफी हैं कि इन सभी हत्याकांडों का ताना-बाना देश के हाई प्रोफाइल अपराधियों के द्वारा आराम से हाई सिक्योरिटी वाली जेलों की कैद में बैठकर ही बुना गया है, जो यह साबित करने के लिए काफी हैं कि देश में जेल सुधार गृह की जगह अपराधियों की सुरक्षित पनाहगाह बनती जा रही हैं।

वहीं सबसे ज्यादा चिंताजनक बात तो तब हो जाती है कि जब दिल्ली की हाई सिक्योरिटी वाली तिहाड़ जेल की जेल नंबर 3 में 14 अप्रैल 2023 की शाम 5 बजे किसी बात को लेकर दो गुटों के बीच जमकर हुई मारपीट की घटना में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य प्रिंस तेवतिया को धारदार हथियार से हमला करके गंभीर रूप से घायल कर दिया जाता है, जिसको तत्काल जेल प्रशासन के द्वारा घायलावस्था में जेल के पास स्थित डीडीयू हॉस्पिटल में एडमिट करवाया जाता है, जहां पर इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो जाती है। लेकिन इस घटना से तिहाड़ जेल के प्रशासन ने व हमारे जेलों से जुड़े हुए शीर्ष सिस्टम ने कोई सबक नहीं लिया और मात्र 19 दिन के बाद इसी प्रकार से 2 मई 2023 को तिहाड़ जेल की हाई सिक्योरिटी बैरक के अंदर कुख्यात गैंगस्टर सुनील मान उर्फ टिल्लू ताजपुरिया की आपसी गैंगवॉर में धारदार हथियार से हत्या कर दी जाती है। हालांकि इस तरह की घटनाओं के बाद जेल प्रशासन आपसी रंजिश की दुहाई देकर अपना पल्ला झाड़ते हुए नज़र आता है। लेकिन इस तरह की घटनाओं ने देश की सबसे सुरक्षित माने जाने वाली तिहाड़ जेल की सुरक्षा पर बहुत सारे सवालिया निशान खड़े करते हुए, तिहाड़ जेल की सुरक्षा व्यवस्था, जेल के अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लगाने का कार्य कर दिया है। वैसे भी देखा जाये तो नियमानुसार कुख्यात कैदियों के संदर्भ में सबसे अहम बात यह होती है कि जेल की जिस बैरक में ऐसे कैदी को रखा जा रहा है, उस बैरक में उस कैदी से रंजिश रखने वाला कोई अपराधी कैद न हों, लेकिन सब कुछ जानने के बाद भी ना जाने क्यों जेल प्रशासन के द्वारा ऐसे कैदियों को एक बैरक में रखकर के बार-बार नियमों की अनदेखी करके गैंगवॉर होने का माहौल बनाया जाता है, यह मेरी समझ से परे है और यह जांच का एक महत्वपूर्ण विषय है। जेल के अंदर घटित इस तरह के हत्याकांडों से अब यह बात जग जाहिर हो गयी है कि जेल कर्मियों में से कोई तो व्यक्ति इन सभी अपराधियों से मिला हुआ है और जेल के अंदर बैठे इन अपराधियों को अपराध करवाने में मददगार बनके जेल को इन अपराधियों की सुरक्षित पनाहगाह बना रहा है। क्योंकि बिना मिलीभगत के जेल प्रशासन इन कैदियों के सामने अपना वजूद पूरी तरह से खो दे, यह बिल्कुल भी संभव नहीं है। हालात को देखकर के आम जनमानस के दिमाग में यह धारणा बनती जा रही है कि जेल में बंद कैदियों पर जेल प्रशासन का कोई नियंत्रण नहीं बचा है, तब ही कुछ कैदी जेल की सलाखों के पीछे से ही बेखौफ होकर के अपहरण, रंगदारी व हत्याकांड जैसी जघन्य अपराधों की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। आज की स्थिति में विचारणीय तथ्य यह है कि दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी जेलों में से एक तिहाड़ जेल को तो बेहद हाई सिक्योरिटी वाली जेल माना जाता है, लेकिन उसके बावजूद भी तिहाड़ जेल तमाम तरह के गलत कारणों से आये दिन चर्चा में बनी रहती रही है, चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी व हाई सिक्योरिटी से युक्त तिहाड़ जेल के अंदर आखिरकार कैसे अपराधियों के गिरोह निरंतर अपनी सल्तनत चलाने का कार्य कर रहे हैं, क्योंकि इस तरह की स्थिति जेल अधिकारियों, जेल के कर्मचारियों व अपराधियों की सांठगांठ के बिना संभव नहीं हैं, तो फिर भी हर घटना के बाद यह गठबंधन कैसे साफ बच जाता है। खैर जो भी इस तरह के नापाक गठजोड़ों के चलते ही देश में जेलों की सुरक्षा पर बार-बार प्रश्नचिन्ह खड़े होने का कार्य हो रहा है, जो उचित नहीं है। तिहाड़ जेल में हुई हाल में गैंगवॉर के बाद सोचने वाली बात यह है कि आखिरकार कैसे सीसीटीवी कैमरों के बीच कैदियों को सरिये का टुकड़ा मिल गया और कैसे उन्होंने इस सरिये से सुए तैयार करके एक हत्याकांड को अंजाम दे दिया। वैसे औचक निरीक्षण में जेलों में आयेदिन नशीले पदार्थ, मोबाइल फोन, पैसे आदि बरामद होना तो अब एक आम बात होती जा रही है, लेकिन यह बात इन बेहद हाई सिक्योरिटी जेलों में की जाने वाली तलाशी व सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलने का कार्य बखूबी अवश्य करती है और बार-बार हमारे नीति-निर्माताओं व सिस्टम को जेलों के हालात में सुधार करने की दुहाई अवश्य देती है, जिससे भविष्य में जेल में बंद कैदी अपराधी बनकर ना निकलें और जेल कैदियों के सुधार गृह के रूप में कार्य करें।

देश में बदलाव लाने में बड़ा सहायक बना है 'मन की बात' कार्यक्रम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम, 'मन की बात' ने अपने सौ एपिसोड सफलतापूर्वक पूर्ण किए, यह आकाशवाणी के इतिहास का एक ऐसा कार्यक्रम बना जिसमें देश के प्रधानमंत्री ने मानसिक रूप से आम जनता से सीधा संवाद किया और इसे राजनीति से पृथक अलग रखा। यह एक सुखद अनुभव है कि प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम बदलाव का संवाहक बन बनकर क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है। इस कार्यक्रम ने वृहद भारतीय समाज को निराशा व अंधकार से निकालने में सहायता दी है और विकास व प्रगति के नये पंख लगाए हैं। ''मन की बात'' कार्यक्रम से नया जोश, उत्साह व उमंग पैदा होती रही है तथा भविष्य में भी होती रहेगी। मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से ही भारत की सांस्कृतिक विरासत एक बार फिर पुनर्जीवित हो रही है। हमारा भारतीय समाज जिन परम्पराओं को भूल चुका था आज वह फिर से जीवित हो रही हैं। हिंदू सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का विकास हो रहा है।

जैसे दूरदर्शन के इतिहास में रामायण का धारावाहिक संपूर्ण भारत में लोगों को घरों में टीवी सेट के सामने बैठा देता था वैसे ही आज हर माह के अंतिम रविवार को लोग 'मन की बात' कार्यक्रम सुनने के लिए बैठ जाते हैं। ऐसा नहीं है कि मन की बात को केवल मोदी समर्थक ही सुनते हैं अपितु उनके परम्परागत राजनैतिक विरोधी भी इस कार्यक्रम को ध्यान से सुनते हैं और प्रतिक्रिया देते हैं। विश्व के 53 देशों में मन की बात का सीधा प्रसारण होना एक बड़ी बात है और उससे भी बड़ी बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ''मन की बात'' में जो विचार व्यक्त करते हैं या संदेश देते हैं उसे देश का हर आयु वर्ग का नागरिक व्यवहार में लाने का प्रयास भी करता है और वह जन आंदोलन बन जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने मन की बात से ही 'सेल्फी विद डॉटर' जैसे अभियानों के माध्यम से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को सफलता के पायदान तक पहुंचाने का प्रयास हुआ। इसी प्रकार आज स्वच्छता आंदोलन एक व्यापक रूप ले चुका है। प्रधानमंत्री ने मन की बात में ही समुद्र के किनारे फैले कचरे व उसकी साफ सफाई पर ध्यान केंद्रित किया था। वह स्वच्छता अभियान पर किये जा रहे अभिनव प्रयासों की भी जानकारी देते रहते हैं जिसका प्रभाव आज समाज में दिखाई पड़ रहा है और अब समाज की विभिन्न गतिविधियों के दौरान साफ सफाई पर विशेष ध्यान भी दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में कई बार यह अपील की है कि देश के युवाओं व अन्य सभी नागरिकों को वर्ष में एक बार कही न कहीं तीर्थाटन पर अवश्य जाना चाहिए जिसमें वह कहते हैं कि विदेश यात्रा पर जाने से अच्छा है कि अपने ही देश के अपने राज्य या फिर अन्य दूसरे राज्यों के 15 ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों का भ्रमण करना चाहिए और उनके विषय में जानना और समझना चाहिए। पर्यटन की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये 'मन की बात' एक अहम माध्यम सिद्ध हो रहा है। आज देश के सभी धार्मिक व पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की बहार आई हुई है तथा देश के सभी प्रमुख धार्मिक केंद्र श्रद्धालुओं से खचाखच भरे रहते हैं। मन की बात को सुनने के बाद सभी राज्यों के मुख्यमंत्री पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई नये कार्यक्रम लांच कर रहे हैं। उप्र में अयोध्या, मथुरा, काशी हो या फिर देवभूमि उत्तराखंड की चारधाम यात्रा से लेकर राजधानी दिल्ली में शहीद स्मारक, सभी जगह पर्यटकों की धूम मच रही है। मन की बात के माध्यम से धार्मिक पर्यटन को खूब बढ़ावा तो मिला ही है साथ ही साथ नये पर्यटक स्थलों की भी खूब चर्चा हो रही है व उनका विकास भी तीव्र गति से हो रहा है। महाराष्ट्र की पंढरपुर यात्रा और सुदूर मणिपुर और सौराष्ट्र के सम्बन्ध में बहुत सारे लोगों ने मन की बात से ही जाना।

पर्यटन के साथ ही प्रधानमंत्री जब लोकल फोर वोकल की अपील करते हैं तो पर्यटक जहाँ जाते हैं वहां के स्थानीय उत्पादों को भी खरीद कर लाते हैं। यह मन की बात के माध्यम से लोकल फॉर वोकल पर बल दिए जाने का ही प्रभाव है कि आज भारत कई प्रकार के उत्पाद जो यहां पहले से बनते थे किंतु उनके बाजार पर विदेशी विशेषकर चीन के उत्पादों ने अपना कब्जा जमा लिया था, अब ऐसे उत्पादों की मार्केटिंग एक बार फिर होने लग गई है। स्थानीय उत्पादों का बाज़ार बढ़ने से लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार भी मिलने लगा है। दीपावली पर गणेश-लक्ष्मी की जो मूर्तियां भारत में ही बनती थीं किंतु उन पर चीन का नियंत्रण हो गया था, अब वह काफी हद तक कम हो गया हैं। दिवाली पर ही बिकने वाली

चीनी झालरों का मार्केट भी गिर गया है और कुम्हार का चाक एक बार फिर घूमने लगा है। प्रधानमंत्री की अपील पर अब बच्चों के खिलौनों की भी दुनिया में भी नई क्रांति आ रही है और इसमें भी चीनी वर्चस्व का समापन हो रहा है। प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम कई क्षेत्रों में व्यापक बदलाव ला रहा है। एक कार्यक्रम में उन्होंने बताया था कि बचपन में दादा-दादी और नाना-नानी व अन्य बुजुर्ग सदस्य कोई न कोई कहानियां आदि सुनाया करते थे किंतु बदलाव के इस दौर में अब यह परम्परा समाप्त सी हो गई है। उन्होंने उस परम्परा को भी कुछ हद तक एक बार फिर जीवित करने का प्रयास किया है। आज कई स्थानों व स्कूल कालेजों में उन कहानियों पर आधारित संगोठिष्यों, नाटक व बच्चों को प्रेरित करने वाले विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होने लगा है। मन की बात कार्यक्रम से ही भारत में डिजिटलीकरण अभियान को एक नई गति मिली है। अब हर युवा व नागरिक डिजिटल माध्यम से ही लेन देन कर रहा है। एक समय यह भी था लोगों ने डिजिटल अभियान का यह कहकर विरोध किया था कि जिन लोगों को लिखना-पढ़ना नहीं आता वह लोग मोबाइल फोन के माध्यम से डिजिटल लेन-देन कैसे कर पायेंगे, लेकिन आज वही चीज अब बहुत आसान हो गई है। मन की बात ने जल संरक्षण अभियान को सफल बनाया है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति भारत ही नहीं अपितु आज संपूर्ण विश्व जागरूक हो रहा है। मन की बात से ही आज योग, आयुर्वेद, अध्यात्म व समस्त भारतीय संस्कृति का अदभुत विकास हो रहा है। मन की बात से एक भारत श्रेष्ठ भारत जैसे संकल्पों को पूर्ण होने का अवसर प्राप्त हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के एक एपिसोड में बताया कि खेलों की कमेंट्री भी संस्कृत व क्षेत्रीय भाषा में कैसे हो सकती है। देश के महापुरुषों के विषय में जागरूकता व उनके अच्छे कर्मों को जानने की प्रेरणा भी मन की बात से ही मिली। प्रधानमंत्री मोदी ने महापुरुषों की जयंती व समस्त राष्ट्रीय पर्वों पर उनको नमन किया तथा जहां-जहां उनकी प्रतिमाएं स्थापित हैं उन स्थलों की साज-सज्जा करवाने की अपील की जिसका व्यापक प्रभाव पड़ा। कोविड काल में मन की बात से जनमानस ने आयुर्वेद, योग का महत्व समझा। मन की बात भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं, मान्यताओं के संरक्षण व विस्तार का संवाहक बन गया है। आज सम्पूर्ण विश्व में भारत की बात सुनी जा रही है। मन की बात से ही हर घर तिरंगा जैसे अभियान सफल हो रहे हैं तथा भारत में राष्ट्रवाद की एक नई बयार बह रही है। समाज में नारी शक्ति को एक नया विचार व सम्मान मिला है जिससे भारत की नारी शक्ति आत्मनिर्भर भी हो रही है। प्रधानमंत्री समय-समय पर युवाओं को अच्छी पुस्तकों को पढ़ने के लिये भी प्रेरित करते रहते हैं। प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम के सौवें एपिसोड में कहा कि मेरे लिए मन की बात का कार्यक्रम आस्था, एक पूजा है। यह स्वयं से वयं की यात्रा है, स्व से समष्टि की यात्रा है। सामान्य मानवी के गुणों की पूजा का माध्यम है, यह देशवासियों की अच्छाइयों और सकारात्मकता का एक अनोखा पर्व बन गया है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की बात हो स्वच्छ भारत आंदोलन की बात हो, खादी के प्रति प्रेम हो या प्रकृति की बात, आजादी का अमृत महोत्सव हो या फिर अमृत सरोवर की बात, ''मन की बात' जिस विषय से जुड़ा वह वो जन आंदोलन बन गया। उल्लेखनीय है कि मन की बात के 100वें एपिसोड को यूएन मुख्यालय में भी सुना गया। आज प्रधानमंत्री के ''मन की बात' कार्यक्रम पर कई संस्थानों में शोध हो रहे हैं। भारतीय जनसंचार संस्थान की ओर से भी एक शोध किया गया है जिसमें कार्यक्रम की लोकप्रियता व उसके समाज पर प्रभाव का भी अध्ययन किया गया है। एक बात तो यह सत्य है कि आज ''मन की बात' से ही हिंदू सनातन संस्कृति व विचारों का पुनरुद्धार हो रहा है।

फिल्म, टीजर और ट्रेलर से लग रहा डर टूलकिट गैंग की पतली हालत को दर्शा रहा है

फिल्म द केरल स्टोरी को लेकर हो रहे बवाल के बीच इस फिल्म की टीम देश के विभिन्न शहरों का दौरा कर अपना पक्ष रख रही है और बता रही है कि यह फिल्म किसी धर्म के खिलाफ नहीं है, यह फिल्म किसी राज्य की छवि बिगाड़ने का अभियान नहीं है बल्कि यह फिल्म सत्य घटनाओं और पीड़ितों के अनुभवों पर आधारित है। लेकिन जिस तरह से कांग्रेस, वामपंथी दलों और कुछ अन्य दलों के नेता इस फिल्म का विरोध कर रहे हैं वह दर्शा रहा है कि जैसे 'द कश्मीर फाइल्स' का विरोध किया गया था उसी तर्ज पर 'द केरल स्टोरी' के विरोध की भी पटकथा लिखी गयी है। 'द केरल स्टोरी' का विरोध यह भी दर्शाता है कि टूलकिट गैंग की सोच में कितना विरोधाभास है। अभी कुछ दिनों पहले गुजरात दंगों पर एक एजेंडा के तहत बनाई गयी बीबीसी डॉक्यूमेंट्री को टूलकिट गैंग से जुड़े लोग जबरन हर विश्वविद्यालय और हर मोहल्ले में दिखाने पर आमादा थे लेकिन अब जब 'द केरल स्टोरी' आ रही है तो यह इसके प्रदर्शन पर रोक लगवाना चाहते हैं। कांग्रेस, माकपा, ओवैसी की पार्टी जैसे तमाम दल और जमीयत उलमा-ए-हिंद जैसे संगठन फिल्म के विरोध में खड़े हो गये हैं। देखा जाये तो टूलकिट गैंग के लिए अभिव्यक्ति की आजादी का अर्थ यही है कि जो उनकी विचारधारा है या जो उनके विचार हैं वही अभिव्यक्त या प्रदर्शित किये जाएं।

आधुनिक मुद्दा

उत्तर प्रदेश में भाजपा ने ब्राह्मणों के वोट तो लिये मगर सत्ता में उन्हें वाजिब हिस्सेदारी नहीं दी

भारतीय जनता पार्टी में मोदी युग की शुरुआत के बाद कई बदलाव देखने को मिल रहे हैं। बीजेपी की पिछले करीब एक दशक की राजनीति पर नजर दौड़ाई जाए तो यह कहा जा सकता है कि उसमें कभी पार्टी की विचारधारा सर्वोपरि हुआ करती थी। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की मर्जी के बिना पार्टी में कोई फैसला नहीं लिया जाता था। संघ के कई नेता बीजेपी में आकर संघ की विचारधारा को आगे बढ़ाते थे। पार्टी के भीतर पुराने नेताओं और कार्यकर्ताओं को पूरा सम्मान मिलता था। समय-समय पर उन्हीं में से किसी नेता/कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाया जाता था। ऐसी परम्परागत भारतीय जनता पार्टी में आज की तारीख में विचारधारा की बात गायब हो गई है। अब चुनाव में प्रत्याशी के चयन का आधार उसकी सोच से नहीं उसकी चुनाव जिताऊ क्षमता से तय किया जाता है। इसी प्रकार से अन्य दलों की तरह बीजेपी में भी अब किसी नेता के 'कद' का निर्धारण उसकी विचारधारा और काबलियत से अधिक उसकी आक्रामकता से तय किया जाता है। मौजूदा बीजेपी के लिए वो ही नेता 'काम' का होता है जो सच-झूठ सब बोलने की क्षमता के साथ-साथ मतदाता तक अपनी बात सलीके से पहुंचाने में महारथ रखता हो, इसके साथ-साथ वोट बैंक की सियासत में फिट बैठता हो। पार्टी में अब ऐसा नेता ही आगे बढ़ता है। इसी वजह से पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली से लेकर राज्यों तक की बीजपी इकाई में आयातित नेताओं के साथ-साथ पूर्व नौकरशाहों का भी दबदबा बढ़ा है, जबकि बदलती राजनीति में बीजेपी के लिए अपना पूरा जीवन खपा देने वाले कई दिग्गज नेता हाशिये पर चले गए हैं।

इसी क्रम में पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश भाजपा की सियासत में भी पूर्व नौकरशाहों और मौकापरस्त नेताओं की बड़े पैमाने पर इंट्री हो चुकी है। खासकर बीते 6-7 वर्षों में बीजेपी ने बाहर से आने वाले ब्राह्मण नेताओं को कुछ ज्यादा ही तरजीह दी है। इसमें से कई आयातित ब्राह्मण नेता और नौकरशाह तो पार्टी और सरकार में उच्च पदों पर आसीन हो गए हैं, जबकि पार्टी के कई पुराने ब्राह्मण नेता और कार्यकर्ता इस दौरान हाशिये पर चले गए हैं। बीजेपी में आयातित ब्राह्मण नेताओं में बृजेश पाठक डिप्टी सीएम के साथ स्वास्थ्य विभाग, जितिन प्रसाद लोक निर्माण विभाग के कैबिनेट मंत्री और रजनी तिवारी एवं प्रतिभा शुक्ला राज्य मंत्री हैं। इसमें से जितिन प्रसाद कांग्रेस से और बाकी नेताओं ने 2017 के विधान सभा चुनाव से पूर्व बसपा छोड़कर बीजेपी ज्वॉइन की थी। वहीं गुजरात के पूर्व नौकरशाह एसके शर्मा भी योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं और नगर विकास और ऊर्जा जैसा महत्वपूर्ण विभाग उनके पास है। एके शर्मा को पीएम मोदी का काफी खास बताया जाता है।

खैर, बीजेपी ज्वॉइन करने के बाद सबसे बड़ा उछाल कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी से होते हुए भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले बृजेश पाठक की राजनीति में देखने को मिला, जो पिछले छह साल में भारतीय जनता पार्टी के सबसे बड़े ब्राह्मण चेहरा बन गए हैं। उन्होंने पार्टी के पुराने ब्राह्मण चेहरों को काफी पीछे छोड़ दिया है। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक 2017 के विधानसभा चुनाव से ऐन पहले बीजेपी में शामिल हुए थे। इसके पहले वह बहुजन समाज पार्टी में थे। योगी सरकार बनने के बाद पाठक के कंधों पर न्याय और कानून का विभाग सौंपा गया था। इस दौरान लगातार उनकी छवि ब्राह्मण नेता के तौर पर मजबूत होती गई। बीजेपी के आलाकमान को उनके काम करने का तरीका भी पसंद आया। योगी सरकार की सत्ता में वापसी होने पर उन्हें दिनेश शर्मा की जगह डिप्टी सीएम की कुर्सी पर बैठाया गया। पिछली बार के उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा को योगी टू सरकार के कैबिनेट में जगह नहीं मिली। इसी तरह अन्य ब्राह्मण नेताओं में नीलकंठ तिवारी वाराणसी की विधानसभा सीट से दूसरी बार जीते थे। वे पूर्वांचल का बड़ा चेहरा हैं, लेकिन इस बार उनकी जगह पहली बार विधायक बनते ही गाजीपुर के दयाशंकर मिश्रा कैबिनेट में चुन लिए गए। योगी सरकार टू में सबसे आश्चर्यजनक रूप से डॉ. दिनेश शर्मा की विदाई हुई। दरअसल, दिनेश शर्मा डिप्टी सीएम के तौर पर अपनी वैसी आक्रामक छवि नहीं बना पाए जिसकी उनसे अपेक्षा थी। बीते वर्ष विधान सभा चुनाव कैंपेन के दौरान योगी सरकार पर ब्राह्मण विरोधी होने के आरोप लगे थे। विपक्ष ने उन पर तीखा हमला किया। दिनेश शर्मा इन हमलों का जवाब देने में पूरी तरह नाकाम साबित हुए। वहीं ब्रजेश पाठक पूरी तरह से मुस्तैद दिखाई दिए। यही वजह थी बीजेपी और स्वयं योगी को भी दिनेश शर्मा के बजाय ब्रजेश पाठक में वो खूबियां दिखाई देने लगीं जिसकी उन्हें जरूरत थी। पाठक ब्राह्मणों के मुद्दों पर बीजेपी विरोधी नेताओं के खिलाफ ज्यादा आक्रामक रहे, जिसका इनाम उन्हें डॉ. दिनेश शर्मा को हटा कर उनकी जगह डिप्टी सीएम के रूप में मिला। ज्ञातव्य हो कि पिछले पांच साल में ऐसे कई मौके आए जब दिनेश शर्मा सुस्त दिखाई दिए। वहीं, ब्रजेश पाठक के तेवर तीखे नजर आए। यूपी विधान सभा चुनाव से पूर्व की लखीमपुर खीरी की घटना को ही लेते हैं। इसमें गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी और उनके बेटे आशीष मिश्रा विपक्ष और भारतीय किसान यूनियन के निशाने पर थे। किसान आंदोलन की पृष्ठभूमि में यहां हुए बवाल में आठ लोगों की मौत हो गई थी। इनमें चार किसानों के साथ अन्य चार बीजेपी कार्यकर्ता थे। ये सभी ब्राह्मण थे। माहौल देख तब सब ने चुप्पी साध रखी थी। हालांकि, ब्रजेश मिश्रा इन कार्यकर्ताओं के घर पहुंचे थे। उनके परिजनों को सांत्वना दी थी कि उन्हें न्याय मिलेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ पर तब भी हमले हुए थे जब माफिया विकास दुबे का एनकाउंटर हुआ था। तब माहौल बनाने की कोशिश की गई थी कि योगी आदित्यनाथ ब्राह्मण विरोधी हैं। उस वक्त भी ब्रजेश पाठक योगी के समर्थन में खुलकर खड़े रहे थे।

ब्रजेश पाठक ने विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान विपक्षी समाजवादी पार्टी पर जमकर प्रहार किया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने जब-जब भाजपा को ब्राह्मण विरोधी बताया, तो इसके प्रतिरोध में पाठक ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश पर पलटवार किया। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, भाजपा ने पाठक को उनके इसी काम के लिए पुरस्कृत करते हुए उन्हें उप मुख्यमंत्री बनाया था। ब्रजेश पाठक के राजनैतिक सफर की बात कि जाए ता हरदोई जिले के रहने वाले ब्रजेश पाठक लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रसंघ की राजनीति में सक्रिय रहे और 1989 में छात्र संघ उपाध्यक्ष चुने गये। इसके बाद 1990 में वह छात्रसंघ के अध्यक्ष चुने गये। पाठक को 2002 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने हरदोई के मल्लावां क्षेत्र से अपना उम्मीदवार बनाया था और वह लगभग सवा सौ मतों के कम अंतर से पराजित हो गये थे। इसके करीब दो वर्ष बाद वह कांग्रेस छोड़ कर बसपा में शामिल हो गए।

कुछ और भी जानें...

गर्मी से राहत पाने के लिए करें लोनावला की शानदार ट्रिप, इन चीजों का जरूर उठाएं लुत्फ

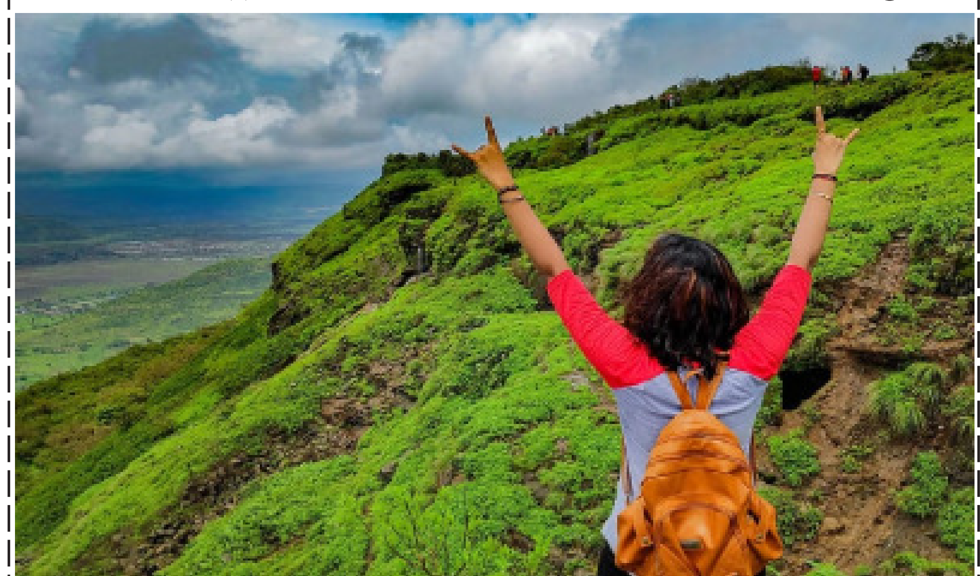

गर्मी के मौसम में लोग अधिकतर बाहर घूमने से बचते हैं। लेकिन घूमने का शौक रखने वाले लोग हर महीने ही ट्रिप पर जाना चाहते हैं। ऐसे में अगर आप भी इस गर्मी घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आप ऐसी जगहों पर जा सकते हैं, जहां का मौसम सुहाना हो और आपको गर्मी से राहत भी मिले। अगर आप महाराष्ट्र, पूणे या मुंबई के किसी शहर में रहते हैं। तो अपनी फैमिली या दोस्तों के साथ लोनावला घूमने का प्लान बना सकते हैं।

बता दें कि छुट्टी बिताने के लिए बेहतरीन लोनावला बेहतरीन हॉलीडे स्पॉट है। यहां पर आप शॉर्ट ट्रिप पर भी जा सकते हैं। लोनावला में हर साल कई पर्यटक यहां के सुहावने मौसम का लुत्फ उठाने के लिए आते हैं। हरियाली के बीच बसे लोनावला की सैर के अलावा आप यहां पर इन बेहतरीन चीजों का लुत्फ उठाना न भूलें।

वैक्स म्यूजियमः लोनावला घूमने के दौरान वैक्स म्यूजियम जरूर घूमें, इस म्यूजियम में राजीव गांधी, माइकल जैक्सन, ए आर रहमान और कपिल देव आदि के अलावा कई मशहूर हस्तियों के वैक्स स्टैच्यू बने हैं। इस जगह को आप अपनी फैमिली या दोस्तों के साथ एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कार्ला गुफाएंः पुणे-मुंबई राजमार्ग पर लोनावला में कार्ला गुफाएं भी मौजूद हैं। कार्ला गुफाओं की गिनती सह्याद्री पहाड़ियों में खोजी गईं गुफाओं में होती है। यहां के अद्भुत नजारे और अनुभव आपको रोमांचित कर देंगे।

अमृतांजन पॉइंटः लोनावला में स्थित अमृतांजन प्वाइंट पिकनिक मनाने के लिए शानदार जगह है। अमृतांजन पाइंट खंडाला घाट के पास स्थित है। यह जगह अपनी हरियाली और एरियल व्यू के लिए फेमस है। इस जगह पर आप किसी भी महीने सैर के लिए जा सकते हैं।

कुने फॉल्सः गर्मी में वाटरफॉल का लुत्फ उठाना एक बेहतरीन ऑप्शन होता है। ऐसे में लोनावला बेहतरीन हॉलीडे स्पॉट है। युवाओं के बीच बुशी बांध के पास कुने फॉल्स काफी लोकप्रिय है। इस वॉटरफॉल्स के आसपास काफी हरियाली भी है। बता दें कि बारिश के मौसम में वॉटर फॉल का फ्लो बढ़ जाता है।

विश्व का एकमात्र देश, जहां मां से ज्यादा पिता बिताते हैं बच्चों के साथ वक्त

फिनलैंड दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां मां से ज्यादा पिता अपने बच्चों के साथ वक्त बिताते हैं। यह जानकारी सामने आई है ओईसीडी रिपोर्ट में। द ग्लोबल जेंडर गेप रिपोर्ट ने साल 2016 में फिनलैंड को लैंगिक समानता की लिस्ट में दूसरे नंबर पर रखा था। वहीं इकोनॉमिस्ट ने हालही में इसे कामकाजी मां के लिए तीसरा सबसे अच्छा देश करार दिया था। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि 55 लाख की जनसंख्या वाले इस देश में यह कैसे संभव हुआ। विशेषज्ञों का मानना है कि राजनीतिक मंशा, सामाजिक लोकतंत्र की मजबूत परंपरा और अन्य कई ऐसे पहलू हैं, जिनसे यह संभव हुआ है।फिनलैंड के लोगों का मानना है कि बच्चे के विकास में पिता अहम भूमिका निभाता है। इसको ध्यान में रखते हुए वहां पिता को नौ सप्ताह की पितृत्व अवकाश देने का प्रावधान है। इसके दौरान उनकी 70 फीसदी सैलरी उन्हें दी जाती है। इसके साथ ही इस स्कीम के लिए जागरूक करने के लिए हालही में एक कैम्पेन भी शुरू किया गया है। इस देश में महिलाओं के अधिकारों का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाता है। यह विश्व का दूसरा ऐसा देश था, जिसने सबसे पहले महिलाओं को वोट डालने का अधिकार दिया था। इसके साथ ही साल 1906 में महिलाओं को राजनीतिक अधिकार देकर यह ऐसा करने वाला विश्व का पहला देश बन गया था। मौजूदा समय में यहां 42 फीसदी महिला सांसद हैं। वहीं अमेरिका की बात करें तो वहां की कांग्रेस में 19.6 फीसदी महिलाए हैं। **बच्चों की पढ़ाई के लिए पेरेंटस का ये हो नजरियाः** इसके साथ ही इस देश में एक और बात गौर करने वाली है। यहां पर अगर किसी को बच्चा पैदा होता है तो उसे मेडिकल बिल की चिंता करने की जरूरत नहीं होती। प्रेग्नेंट महिला के मेडिकल चेकअप मुफ्त में होते हैं और बेबी के जन्म का चार्ज भी बहुत कम है।

बड़े होते बच्चे जरूर करेंगे सवाल, ऐसे दे सकती हैं परफेक्ट जवाब

छोटे बच्चों के लिए उनके आसपास की दुनिया कौतुहल भरी होती है, जिसमें हर रोज उनके नए अनुभव और उनसे जुड़े नए प्रश्न होते हैं। इन्हीं पहेलियों को वे आपकी मदद से सुलझाने की कोशिश करते हैं। नन्ही नाजुक उम्र में आपके लाडले के मन में कई सवाल उठते हैं। कई बार इन्हें सुन कर आपकी हंसी नहीं रुकती, तो कई बार उसकी कल्पना के ताने-बाने पर आप हैरान रह जाती हैं। बच्चे के सवालों के साथ ही उसकी उम्र के अनुरूप कुछ ऐसे नाजुक विषय भी होते हैं जो उसकी सुरक्षा से जुड़े होते हैं, जिनके बारे में उसे समझाना और बताना भी बेहद जरूरी होता है। कैसे दें, इस मुश्किल काम को आसानी से अंजाम, आइए जानें...

सवालों के हल के साथ जरूरी सीख भी : मनोविशेषज्ञ डॉ. समीर पारिख के अनुसार, दो से चार साल की उम्र के बच्चे जिनके शब्दों का भंडार अभी बढ़ रहा होता है, वे नई चीजें देख और सीख रहे होते हैं। अब तक केवल आपके आंचल में पलने और सुरक्षित महसूस करने वाला आपका लाडला इसी उम्र के बीच अपने पहले स्कूल में पहला कदम रखता है, जहां उसका सामना बाहर की दुनिया से भी होता है। नए परिवेश से जुड़ते बच्चों के मन में कई जिज्ञासाएं होती हैं, ढेरों अनसुलझे सवाल होते हैं और कई पहेलियां होती हैं, जिन्हें समझने, सुलझाने की उन्हें जल्दी भी होती है और बेचैनी भी। उनकी इस नाजुक उम्र में उनके मन में उठते सवालों और शंकाओं का समाधान करना जरूरी होता है, तो साथ ही उनकी सुरक्षा का सवाल भी होता है। इसलिए उनके प्रश्नों के सही उत्तर देने के साथ ही उनकी उम्र से जुड़ी अहम बातों की जानकारी देना भी जरूरी है।

सिखाएं प्राइवेसी : मम्मा आया आंटी मुझे और आर्यन को अलग-अलग टॉयलेट में क्यों ले जाती हैं? या मुझे अंकल की गोद में बैठना चाहिए या नहीं? आपका बेटा या बेटी आपसे ऐसे ही ढेरों सवाल पूछते हैं, जो उसके लिए पहेली की तरह होते हैं। 2-3 साल की उम्र के बच्चे लड़के और लड़की में फर्क नहीं कर पाते। उन्हें शरीर और प्राइवेसी से जुड़ी बातों की समझ नहीं होती, जिनकी वजह से वे परेशानी में पड़ सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप उनकी उम्र और समझ के अनुसार इनसे जुड़ी बातों की समझ विकसित करें और उन्हें लड़के और लड़की में शारीरिक फर्क की बुनियादी बातों को समझाएं। उसके प्राइवेट पार्टर्स के बारे में बुनियादी जानकारी दें। उसे बताएं कि उसके शरीर के कुछ अंगों को केवल आप या डॉक्टर ही छू सकते हैं, वह भी केवल तभी जब उसे इसकी जरूरत महसूस हो। या अगर कोई उसके शरीर के इन अंगों को छूने की कोशिश करे या वह किसी स्थिति में असहज महसूस करे तो उसे आपको तुरंत बताना चाहिए। अगर आपका बच्चा स्कूल बस या वैन से आता-जाता है तो उससे संबंधित सावधानियों के बारे में भी बताना जरूरी है।

विश्वास कायम करें : स्कूल जाने की उम्र में कुछ घंटों के लिए ही सही, बच्चा बाहर की दुनिया के बीच आपसे अलग रहता है। यह जितना आपके लिए चिंताजनक होता है, उतना ही आपके बच्चे के लिए भी नया और उलझन भरा अनुभव होता है। इस समय बेहद जरूरी है कि आप बच्चे और अपने बीच प्यार और पूरा विश्वास कायम करते हुए उसे सही और गलत चीजों के बारे में समझाएं। यह भी कहें कि वह किसी भी असुविधाजनक स्थिति में खुलकर आपको सब कुछ बताए। उसे प्रोत्साहित करें कि वह कोई भी बात आपसे बेझिझक कह सके। इससे वह आपसे बात करने में अधिक सहज होगा और आप भी उसकी सुरक्षा के बारे में खुद को सुनिश्चित कर पाएंगी। **नजरंदाज न करें** : डॉ. समीर पारिख बताते हैं, एक जिम्मेदार मां-बाप के तौर पर बच्चे के किसी भी प्रकार के सवालों को नजरंदाज करने या टालने की कोशिश हरगिज न करें। छोटा बच्चा अपने हर सवाल के लिए सबसे पहले आप पर ही भरोसा करता है, लेकिन अगर आप उसकी बातों को अनसुना कर देंगी या उसकी दुविधा को दूर नहीं करेंगी, तो इनके जवाब वह अपने हमउम्र बच्चों से तलाशने की कोशिश करेगा जो खुद भी इनके लिए तैयार नहीं हैं। या हो सकता है कि वह इसके लिए किसी अनजान पर भरोसा करे जो उसकी सुरक्षा की दृष्टि से सही नहीं है। उसके प्रश्नों के साथ ही उसके मन में चल रहे विचारों को जानना भी बेहद जरूरी है, ताकि आप उसे गलत नजरिए को अपनाने और गलत सोच के साथ बड़ा होने से बचा सकें।

तनावग्रस्त नवजात अधिक दर्द के बावजूद नहीं रोते

नवजात भी तनाव महसूस करते हैं, लेकिन वे इसे रोकर जताते नहीं हैं। एक नए शोध में यह बताया गया है कि तनाव के दौरान नवजात का मस्तिष्क दर्द के लिए बहुत तेज प्रतिक्रिया देता है, लेकिन ऐसे बच्चे फिर भी रोकर इसे जताते नहीं हैं। शोध के निष्कर्ष सुझाते हैं कि तनाव बच्चे की मस्तिष्क गतिविधि और उसके व्यवहार के बीच एक स्पष्ट अलगाव पैदा करता है। तनावग्रस्त बच्चे दर्द पर प्रतिक्रिया नहीं कर पाते हैं, जिसके कारण बच्चे की देखरेख करने वाले को उसके दर्द के बारे में महसूस नहीं होता है। शोधकर्ताओं ने सुझाव दिया है कि इस प्रकार ऐसे बच्चों को समझने के लिए अलग-अलग तरीकों की पहचान जरूरी है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन से लौरा जोन्स ने कहा जब नवजात शिशुओं को एक दर्दनाक प्रक्रिया का अनुभव होता है, तो उनके मस्तिष्क की गतिविधि और रोने और मुंह बनाने जैसी उनकी व्यवहारिक प्रतिक्रियाओं में वृद्धि होती है। उन्होंने आगे कहा जो बच्चे तनाव में होते हैं, उनका मस्तिष्क अधिक प्रतिक्रिया देता है। लेकिन इन बच्चों की मस्तिष्क गतिविधि उनके व्यवहार से मेल नहीं खाती है और ऐसा तनाव के कारण होता है। शोधकर्ताओं ने स्वस्थ्य नवजात बच्चों का अध्ययन किया था और ईईजी तकनीक व चेहरे के हावभाव से बच्चों के दर्द में होने वाली प्रतिक्रियाओं का आकलन किया था। यह शोध 'करंट बायोलॉजी' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

शख्सियत....

फ्लोरेंस नाइटिंगेल को माना जाता है आधुनिक नर्सिंग की जन्मदाता

दया और सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग की जन्मदाता माना जाता हैं, जिनकी आज हम 203वीं जयंती मना रहे हैं। 'लेडी विद द लैंप' (दीपक वाली महिला) के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म आज से ठीक 200 वर्ष पहले 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1973 में नर्सों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से 'फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार' की स्थापना की गई थी, जो प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं। फ्लोरेंस कहती थी कि रोगी का बुद्धिमान और मानवीय प्रबंधन ही संक्रमण के खिलाफ सबसे अच्छा बचाव है। फ्लोरेंस नाइटिंगेल का जन्म इटली में रह रहे एक समृद्ध और उच्चवर्गीय ब्रिटिश परिवार में हुआ लेकिन वह इंग्लैंड में पली-बढ़ी। वह एक बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटेलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रैंच, इतिहास और दर्शन शास्त्र सीखा था तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की थी। मात्र 16 वर्ष की आयु में ही उन्हें अहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवा कार्यों के लिए ही हुआ है। 1837 में नाइटिंगेल परिवार अपनी बेटियों को यूरोप के सफर पर लेकर गया, जो उस समय बच्चों की शिक्षा-दीक्षा के लिए जरूरी माना जाता था। उसी सफर के दौरान फ्लोरेंस ने माता-पिता से कहा था कि ईश्वर ने उसे मानवता की सेवा का आदेश दिया है लेकिन यह नहीं बताया कि सेवा किस तरह से करनी है। यह सुनकर उनके माता-पिता बेहद परेशान हो गए थे। फ्लोरेंस ने अपने माता-पिता को बताया कि वह एक ऐसी नर्स बनना चाहती है, जो अपने मरीजों की अच्छी तरह सेवा और देखभाल कर सके। वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। परिवार के पुरजोर विरोध और गुस्से के बाद भी फ्लोरेंस अपनी जिद पर अड़ गई और वर्ष 1845 में अभावग्रस्त लोगों की सेवा का प्रण लिया। वर्ष 1849 में उन्होंने शादी करने का प्रस्ताव भी ठुकरा दिया था और परिजनों से दृढ़तापूर्वक कहा था कि वह ईश्वर के आदेश का पालन करेगी तथा एक नर्स ही बनेगी। वर्ष 1850 में उन्होंने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीडितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दे दी गई, जिसके बाद उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना। वर्ष 1853 में उन्होंने लंदन में महिलाओं के लिए एक अस्पताल 'इंस्टीच्यूट फॉर द केयर ऑफ सिंक जेंटलवुमेन' खोला, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के लिए बहुत सारी बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध कराई और नर्सों के लिए कार्य करने की स्थिति में भी सुधार किया। रात में अस्पताल में जब घायल सैनिक सो रहे होते, तब वह स्वयं उनके पास जाकर देखती थी कि किसी को कोई तकलीफ तो नहीं है। जो सैनिक खुद नहीं लिख पाते, वह उनकी ओर से उनके परिवार वालों को चिट्ठियां लिखकर भी भेजती थी। जब वह वर्ष 1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद वापस लौटी, तब नायिका के तौर पर उभरी फ्लोरेंस के बारे में अखबारों में बहुत कुछ छपा और उसके बाद उनका नाम 'लेडी विद द लैंप' काफी प्रसिद्ध हो गया। स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया था। सितम्बर 1856 में रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई, जिसके बाद उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई। उसके बाद ही अस्पतालों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना, सैनिकों को बेहतर खाना, कपड़े और देखभाल की सुविधा मुहैया कराना तथा सेना द्वारा डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने जैसे कार्यों की शुरूआत हुई। वर्ष 1859 में उन्होंने परिवार के बीमार सदस्यों की सही देखरेख सिखाने के लिए 'नोट्स ऑन नर्सिंग' नामक एक पुस्तक लिखी। फ्लोरेंस के प्रयासों से वर्ष 1860 में लंदन के सेंट थॉमस हॉस्पिटल में 'नाइटिंगेल ट्रेनिंग स्कूल फॉर नर्सेज' खोला गया, जहां नर्सों को बेहतर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता था। 1862 में किंग्स कॉलेज हॉस्पीटल में मिडवाइव्ज के लिए स्कूल की स्थापना की गई। उन्होंने अपने जीवन का बाकी समय नर्सिंग के कार्य को आगे बढ़ाने तथा इसे आधुनिक रूप देने में बिता दिया। 1880 के दशक में उन्होंने भारत में बेहतर चिकित्सा तथा सार्वजनिक सेवाओं के लिए भी अभियान चलाए। सेवाभाव से किए गए उनके कार्यों ने नर्सिंग व्यवसाय का चेहरा ही बदल दिया था, जिसके लिए उन्हें रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति द्वारा सम्मानित किया गया। यही समिति फ्लोरेंस नाइटिंगेल के नाम से नर्सिंग में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुरस्कार देती है। वर्ष 1869 में उन्हें महारानी विक्टोरिया ने 'रॉयल रेड क्रॉस' से सम्मानित किया था। उन्होंने नर्सिंग पेशे का आधुनिकीकरण करते हुए मरीजों की देखभाल और स्वच्छता के मानकों को लागू किया। मरीजों, गरीबों और पीडितों के प्रति फ्लोरेंस की सेवा भावना को देखते हुए ही नर्सिंग को उसके बाद महिलाओं के लिए सम्मानजनक पेशा माना जाने लगा और उनकी प्रेरणा से ही नर्सिंग क्षेत्र में महिलाओं को आने की प्रेरणा मिली। फ्लोरेंस के अथक प्रयासों के कारण ही रोगियों की देखभाल तथा अस्पताल में स्वच्छता के मानकों में अपेक्षित सुधार हुआ। नर्सिंग में अति विशिष्ट सेवाओं के लिए उन्हें वर्ष 1907 में 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' सम्मान प्राप्त हुआ और यह सम्मान प्राप्त करने वाली वे विश्व की पहली महिला थी। 90 वर्ष की आयु में 13 अगस्त 1910 को फ्लोरेंस नाइटिंगेल का निधन हो गया, जिनकी कब्र सेंट मार्गरेट गिरजाघर के प्रांगण में है।

गर्मियों में खाएंगे रोज 2 खीरे तो कुछ दिन में ही दिखेगा चमत्कार

तेज गर्मी के साथ कड़ी धूप शुरू हो गई है. ऐसे में आपके शरीर को पानी की ज्यादा जरूरत होती है. शरीर में पानी की कमी न हो इसके लिए आप थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पीते रहते हैं. लेकिन इस मौसम में कुछ फलों और सब्जियों का सेवन आपके शरीर के लिए लाभकारी रहेगा. इनमें पानी भी भरपूर मात्रा में होता है. ऐसी सब्जियों में से खीरा भी एक है. गर्मियों में इसका सेवन आपके शरीर के लिए बेहद फायदेमंद रहता है. खीरे में प्रचुर मात्रा में पानी पाए जाने के कारण आपके शरीर में शीतलता बनी रहती है. इसमें विटामिन्स की भरमार होती है, जो हमारे शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है।

पाचन तंत्र को सही रखे : खीरे में पाया जाने वाला पानी और फाइबर हमारे शरीर की पाचन क्रिया को सही बनाता है. अगर आप गैस, कब्ज या पेट में जलन से परेशान रहते हैं, तो एक ग्लास खीरे के जूस से आपको राहत मिल सकती है।

डिहाइड्रेशन से बचाए : खीरा को ब्रेड में डालकर उसका सैंडविच बनाकर भी खा सकते हैं. कई लोग फल खाने से ज्यादा जूस पीना पसंद करते हैं. अगर आपको भी फल खाना पसंद नहीं है, तो आप इसका जूस निकालकर भी पी सकते हैं. जूस पीने से भी आपको इसके पोषक गुणों का फायदा मिल जाएगा. हम आपको बता रहे हैं कि खीरा आपके शरीर के लिए किस तरह से फायदेमंद है. खीरे में 95 फीसदी पानी होता है, जो हमें डिहाइड्रेशन से बचाता है।

कैंसर से बचाव करता है : खीरे में पाए जाने वाले प्रोटीन हमारे शरीर को कैंसर से लड़ने की क्षमता देता है और कैंसर से बचाव भी करता है. यह कैंसर कोशिकाओं में ट्यूमर के विकास को रोकता है, इसलिए इसे कैंसर विरोधी फल कहा जाता है. खीरे को खाकर कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है।

मुंह की बदबू को दूर करता है : अगर खीरे को दांत से काटकर कुछ देर तक मुंह में रखते हैं, तो आपकी सांसे फ्रेश हो जाती है और अगर आपके मुंह से बदबू आती है तो वह भी दूर हो जाती है. खीरे को चबाकर खाने से मुंह से आने वाली बदबू पूरी तरह से खत्म हो जाती है, क्योंकि यह बदबू फैलाने वाले बैक्ट्रिया को ही खत्म कर देता है।

चेहरा पर निखार लाता है : खीरे का उपयोग सुंदरता को बढ़ाने के लिए भी होता है. अगर धूप के कारण चेहरा पर कालापन आ गया है, तो खीरे का पैक लगाकर इसे दूर किया जा सकता है. इससे त्वचा की रंगत निखर जाती है और चेहरा खिला-खिला रहता है. यह हमारी त्वचा के लिए टोनिंग का काम करता है।

हर रोज इस समय खाएं दो खीरे : प्रतिदिन आपको कम से दो खीरे (500 ग्राम) अवश्य खाने चाहिए. सुबह के समय आपको हेवी नाश्ता करना चाहिए. इसके बाद दोपहर में यदि संभव हो तो एक खीरा खा लें. अगर यह संभव नहीं हो पाता तो आपको रात के खाने के साथ कम से कम 2 खीरे खाने चाहिए. ऐसा करने से आप रोटी ज्यादा नहीं खाएंगे. यह प्रक्रिया आपकी पाचन शक्ति को तो बढ़ाएगी ही साथ ही आपका तेजी से वजन भी कम होगा।

बीमारियों के बारे में पहले संकेत देते हैं आपके बॉडी आर्गन

शरीर के सभी अंगों की अपनी अलग अहमियत होती है। इनमें हृदय, जिगर, गुर्दे और फेफड़े शरीर के मुख्य अंग हैं। इनके सुचारु रूप से कार्य करने और स्वस्थ रहने से शरीर असाध्य और जानलेवा बीमारियों से भी बचा रहता है। हृदय को ऑक्सीजन और पोषक तत्व कोरोनरी धमनियों में बहने वाले रक्त से मिलते हैं। हृदय प्रति मिनट 60 से 90 बार और दिन में एक लाख बार धड़ककर 2000 गैलन रक्त को पम्प कर पूरे शरीर में पहुंचाता है, वहीं फेफड़ों को शरीर के सबसे ज्यादा काम करने वाले अंगों में से एक माना जाता है। लिवर यानी यकृत शरीर का तीसरा सबसे महत्वपूर्ण अंग माना जाता है। यह प्रोटीन उत्पादन, ब्लड क्लॉटिंग से लेकर कोलेस्ट्रॉल, ग्लूकोज और आयरन मेटाबॉलिज्म तक के जरूरी काम करता है। किडनी यानी गुर्दा रक्त से यूरिया, अम्ल व अन्य हानिकारक लवणों को निकाल रक्त को शुद्ध करता है।

हृदय (हार्ट) : रक्त संचरण में रुकावट, सीने में मामूली या तेज दर्द, सांस रुक-रुककर आना या सांस लेने में तकलीफ होना, सीने, बांहों, कुहनी और छाती की हड्डियों में दर्द, अधिक समय तक अपच या सीने में जलन, उल्टी, मितली, रोजाना घबराहट होना, धड़कनें अनियमित होना, थोड़ा चलने पर भी धड़कनें तेज होना, बेहोशी महसूस होना या चक्कर आना, काम करते वक्त या ठंडी हवा में छाती पर भारीपन महसूस होना, हल्का काम करने पर भी जल्दी-जल्दी सांस लेना, फेफड़ों में बार-बार संक्रमण होना आदि बताते हैं कि आपका दिल तकलीफ में है।

हृदय से संबंधित बीमारियां : हृदयाघात या हार्टअटैक : हृदय में रक्त की मात्रा कम हो जाती है या बाधित हो जाती है। कोरोनरी आर्टरी/एथेरोस्क्लेरोटि/हार्ट डिजीजः इस बीमारी में हृदय की रक्तवाहिनियों में कोलेस्ट्रॉल जमा हो जाने से हृदय में रक्त की मात्रा बाधित हो जाती है, जिससे हृदयाघात हो जाता है। वॉल्व संबंधी परेशानियांः हृदय के वॉल्व में दिक्कत होने से वॉल्व से गुजरने वाले रक्त की मात्रा कम हो जाती है, जिससे हृदयाघात जैसी गंभीर बीमारियां भी हो सकती हैं।

क्यों शुरू होती हैं परेशानियां : रक्त आपूर्ति में कमी होने, धूम्रपान करने, शारीरिक गतिविधियों में कमी, रक्त संचरण में रुकावट से हृदयाघात की आशंका बढ़ जाती है।

जिगर (लिवर) : लिवर को जिगर और यकृत भी कहा जाता है। इसमें तरह-तरह की समस्याएं होने के कारण लक्षणों की पहचान मुश्किल होती है। उल्टी आना, चक्कर, पेट की मांसपेशियों में दर्द, भूख न लगना, कमजोरी और वजन कम होना लिवर में होने वाली समस्याओं के प्रमुख लक्षण होते हैं।

होने वाली बीमारियां : ऑटोइम्यून डिसॉर्डर जैसे कोलंगाइटिस और ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस : कभी-कभी शरीर की प्रतिरोधक क्षमता इतनी घट जाती है कि लिवर के खराब होने तक की आशंका रहती है। ड्रग्स और टॉक्सिंस हेपेटाइटिस, नेक्रोसिस, सिरोसिस : ड्रग्स या टॉक्सिंस के अत्यधिक सेवन से लिवर गंभीर बीमारियों की गिरफ्त में आ जाता है। लिवर कैंसर, हेपाटोसेल्यूलर कार्सिनोमा और हेपाटोब्लास्टोमा कैंसर : कैंसर सेल्स के शरीर के दूसरे हिस्सों में चले जाने से हो सकता है।

क्यों शुरू होती हैं परेशानियां : लिवर एब्डॉमेन के ऊपरी दाहिने हिस्से की तरफ स्थित होता है। लिवर के रोग अकसर शराब के सेवन या ड्रग्स के कारण होते हैं।

गुर्दा (किडनी) : चेहरे, पैरों और आंखों के आसपास सूजन, ठंड के साथ बुखार रहना, बार-बार पेशाब आना, कमर में दर्द रहना, पेशाब करने में दर्द होना, शरीर में सूजन, रक्त में यूरिया की मात्रा बढ़ना, पेशाब का रंग गहरा होना, गुर्दों में सूजन का हो जाना गंभीर समस्या का संकेत होता है।

होने वाली बीमारियां

नेफ्रॉइटिस : इसमें रोगी के गुर्दों में सूजन आ जाती है, जिससे खून में यूरिया और रक्तसंचरण बढ़ जाता है।

नेफ्रोसिस : इस रोग में गुर्दों में कार्य करने की शक्ति कम हो जाती है, जिससे शरीर में सूजन और पेशाब में एलब्यूमिन बढ़ जाता है।

गुर्दे खराब हो जाना : गुर्दों की कार्यक्षमता नष्ट हो जाने से उच्च रक्तचाप, यूरिया, सिरम, क्रिटिनाइन, सोडियम और पोटैशियम बढ़ जाता है।

क्यों शुरू होती हैं परेशानियां : मिर्च-मसाले, नमक, औषधियों के अधिक सेवन, कब्ज होने, त्वचा के असामान्य ढंग से कार्य करने, विटामिन तथा लवणों की कमी आदि से गुर्दे खराब हो सकते हैं।

फेफड़े(लंग्स) : सांस लेने में परेशानी होना, हवा की कमी महसूस होना, व्यायाम करने की क्षमता का घट जाना, जल्दी थकान महसूस होना, खांसी रहना, खून का आना, सांस लेते व छोड़ते समय दर्द होना। इनमें से कोई भी लक्षण नजर आते ही व्यक्ति को डॉक्टरी सलाह लेनी चाहिए। किसी भी बीमारी में खुद से उपचार करने से बचना चाहिए।

होने वाली बीमारियां : अस्थमा, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज, ब्रोंकाइटिसः आनुवंशिक कारणों, प्रदूषण और विभिन्न संक्रमणों से होती हैं। न्यूमोनिया, ट्यूबरक्युलोसिस, एम्फीसेमा, फेफड़ों का कैंसरः ये समस्याएं कई तरह के प्रदूषण, विभिन्न संक्रमण और सांस संबंधी बीमारियों के कारण होती हैं। पल्मोनरी एम्बोलिज्मः इसमें फेफड़ों में क्लॉट बन जाता है, जिसके कारण सांस लेने में समस्या आती है। पल्मोनरी हाइपरटेंशनः उच्च रक्तचाप से यह समस्या हो सकती है। इसकी वजह से सीने में दर्द रहने लगता है। न्यूमोथोरैक्स और न्यूरोमस्कुलर डिसॉर्डरः प्ल्यूरा, फेफड़ों व सीने के आसपास की महीन रेखा होती है। इसके प्रभावित होने से ये बीमारियां होती हैं।

क्यों शुरू होती हैं परेशानियां : स्पन्ज जैसा तिकोने आकार का यह अंग सीने में स्थित होता है। जीवनशैली की विभिन्न समस्याओं, संक्रमण व दूसरे कई कारणों की वजह से फेफड़ों में कई तरह की बीमारियां पैदा होती हैं।

क्या है कोलन इंफेक्शन? बचने के लिए डायट में शामिल करें यह चीजें

हाल ही में बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता इरफान खान का निधन हो गया। उन्हें न्यूरॉडेंडोक्राइन ट्यूमर था जिसका इलाज काफी समय से चल रहा था, इसके अलावा इरफान कोलन इंफेक्शन से भी पीडि.ति थे जिसकी वजह से उनकी मौत हो गई। चलिए आपको बताते हैं कोलन इन्फेक्शन क्या है और इससे बचने के लिए आपको अपनी डायट में किन चीज़ों को शामिल करना ज़रूरी है। **क्या है कोलन इन्फेक्शन?ः** कोलन (मलाशय) पाचन तंत्र का अहम हिस्सा होता है। जब आप कुछ खाते हैं तो आपका शरीर उसे पचाने के बाद लिक्विड और सख्त मटीरियल को अलग-अलग करता है और यह काम आंत करती है। खाना पचाने के बाद

अपशिष्ट पदार्थ कोलन मे जमा हो जाता है और मल के रूप में बाहर निकलता है। लेकिन कई बार बैक्टीरिया, सूजन या अन्य किसी कारण से कोलन में इंफेक्शन हो सकता है। आमतौर पर इंफेक्शन गंदे पानी, साफ-सफाई का ध्यान न रखने या खराब खाने की वजह से हो सकता है। कोलन इंफेक्शन होने पर मरीज को पेटदर्द, गैस, कब्ज, थकान और मल त्याग में परेशानी जैसे लक्षण दिखते हैं। कोलन इंफेक्शन से बचने के लिए हाइजीन के साथ ही आपको डायट का भी ध्यान रखना चाहिए ताकि पाचन तंत्र दुरुस्त रहे। पाचन तंत्र को ठीक रखने के लिए खाने में फाइबर युक्त आहार के साथ ही इन चीज़ों को भी शामिल करें। **पपीताः** पपीता सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है, खासतौर पर पेट के लिए। इसलिए जिन्हें पाचन संबंधी समस्या, कब्ज आदि हो उन्हें पपीता ज़रूर खाना चाहिए। इसमें मौजूद तत्व कोलन को साफ करके इसे हेल्दी बनाए रखने में मदद करते हैं। **लौंगः** हर घर में मसालों के रूप में इस्तेमाल होने वाला लौंग एंटीऑक्सिडेंट से भरपूप होता है और यह बैक्टीरिया से लड़ने व कैंसर से बचाने में भी मददगार है। लौंग के सेवन से कोलन से विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं, जिससे पेट के अल्सर का खतरा कम हो जाता है। **एलोवेराः** चेहरे और बालों के लिए वरदान माना जाने वाला एलोवेरा कोलन को भी साफ रखने में मदद करता है, तभी तो इसे डिटॉक्सिफायर कहा जाता है। यह आंतों में जमा होने वाले अपशिष्ट को बाहर निकालने में मदद करता है। **आमः** आम स्वादिष्ट होने के साथ ही फाइबर से भी भरपूर होता है इसलिए पाचन तंत्र को ठीक रखने में अहम भूमिका निभाता है। अधिक फाइबर के कारण यह न सिर्फ पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है, बल्कि आंतों को भी साफ रखने में मदद करता है। **सेबः** सेहत का खजाना सेब आपके कोलन को भी हेल्दी बनाए रखने में मदद करता है। सेब में फाइबर के साथ ही कैंसर रोधी गुण होते हैं जो कोलन को इंफेक्शन से बचाने के साथ ही मलाशय से हानिकारक टॉक्सिन को बाहर निकालने में मदद करता है। **कद्दू के बीजः** सिर्फ ड्राई फ्रूट्स ही नहीं, कद्दू के बीज भी आपके लिए फायदेमंद होते हैं। यह कोलन इंफेक्शन को बढ़ने से रोकने में मदद करते हैं।

प्रोफेशनल इंग्लिश की राह आसान बनाएंगे ये कोर्स

आजकल बड़ी और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी पाने के लिए अंग्रेजी सबसे जरूरी चीज है। इंटरव्यू से लेकर मीटिंग, बैठक और प्रेजेंटेशन में भी अंग्रेजी की अहम भूमिका होती है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों के क्लाइंट कई देशों से होते हैं। ऐसे में उनसे संवाद स्थापित करने की भाषा अंग्रेजी ही होती है, इसलिए अंग्रेजी के कम्युनिकेशन स्किल बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। अगर अच्छी कंपनी में नौकरी करना चाहते हैं या कर रहे हैं तो अंग्रेजी की इस दीवार को गिराने के लिए ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। अब ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म पर कई ऐसे प्रोफेशनल अंग्रेजी कम्युनिकेशन संबंधित शॉर्ट टर्म कोर्स मौजूद हैं जो खराब अंग्रेजी की परेशानी को दूर कर सकते हैं।

इंजीनियरिंग ग्रेजुएट की अंग्रेजी है कमजोरः एस्पायरिंग माइंड के एक सर्वे के अनुसार हमारे देश में इंजीनियरिंग कॉलेजों से निकलने वाले 97 फीसदी ग्रेजुएटस को अंग्रेजी बोलनी नहीं आती जो कि कॉरपोरेट क्षेत्र में काम करने के लिए अनिवार्य है। इंजीनियरिंग देश में युवाओं का सबसे पसंदीदा स्ट्रीम है। ऐसे में इतनी बड़ी संख्या में स्नातकों को अंग्रेजी न आना बड़ी समस्या है। सर्वे के अनुसार स्पोकेन इंग्लिश के आधार पर 51 फीसदी इंजीनियरिंग ग्रेजुएटस जॉब के लायक नहीं है। वहीं, सालाना ग्रेजुएट होने वाले 6 लाख इंजीनियरों में से सिर्फ 2.9 फीसदी ही फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने में सक्षम होते हैं।

रोजगार के अवसरों पर प्रभावः भारत के बहुलतावादी समाज में एक दूसरे की संस्कृति और मूल्यों को समझने में भी अंग्रेजी भाषा का महत्व है। देश के कई राज्यों की अपनी भाषा है और वहां का कामकाज स्थानीय भाषा में ही होता है। अलग-अलग भाषाओं को बोलने वाले भारतीय समाज में अंग्रेजी अभी भी सेतु का काम कर रही है। वैश्वीकरण के दौर में दुनिया के साथ कदमताल करने के लिए अंग्रेजी भाषा ज्ञान को अपनाने के लिए आज का युवा संकोच नहीं करता। रोजगार की भाषा के रूप में अंग्रेजी भाषा के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ा है।

कोर्सेरा का स्पीक इंग्लिश प्रोफेशनली कोर्सः अगर आप बेहतर इंग्लिश बोलना चाहते हैं तो कोर्सेरा का यह कोर्स आपको अपने लक्ष्य तक पहुंचने में मदद करेगा। 'स्पीक इंग्लिश प्रोफेशनली : इन पर्सन, ऑनलाइन एंड ऑन द फोन' कोर्स आपके प्रोफेशनल अंग्रेजी संवाद को बेहतर करने के लिए केंद्रित है। ये एक पांच हफ्ते का कोर्स है। इस कोर्स में आप स्वयं को बेहतर तरीके से प्रजेंट करना सीखेंगे। आप ग्रुप डिस्कशन में सबके सामने पूरे आत्मविश्वास से बोलने के स्किल सीखेंगे। ग्रुप डिस्कशन के दौरान कैसे लोगों से सहमत हों, असहमत हों, अपनी बातों को पूरी सपष्टता के साथ रखें और अपनी बातों को निष्कर्ष पेश करना भी इस कोर्स में सिखाया जाएगा। इसके अलावा आप फोन पर जानकारी देने और किसी के आग्रह का जवाब देने के तरीकों से भी रूबरू होंगे। इस कोर्स में आप ऑफिस में चलने वाले रोजमर्रा के सभी संवादों के दौरान बोलने का स्किल सीखेंगे, जैसे इंटरव्यू देने या लेने के दौरान कैसे बात करें, सेल्स प्रेजेंटेशन कैसे दें, क्लाइंट से कैसे बात करें आदि। इस कोर्स को करने के बाद आपका उच्चारण, प्रवाह, शब्दकोश का ज्ञान बढ़ेगा। इसके अलावा विभिन्न संस्कृतियों के लोगों के साथ घुलना-मिलना और बात करने के तरीके भी सीख सकेंगे। इस कोर्स को जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा डिजाइन किया गया है। इस कोर्स के बाद आपको सर्टिफिकेट भी मिलेगा।

कोर्सेरा का राइट प्रोफेशनल ईमेल इन इंग्लिश कोर्सः अगर आपको ऑफिस में काफी सारे ईमेल लिखने होते हैं तो ये कोर्स आपके लिए एकदम सही है। ये कोर्स आपको प्रभावित करने वाले बिजनेस ईमेल लिखना सिखाता है। इस कोर्स को करने से आपकी ग्रामर और शब्दकोश के ज्ञान में बढ़ोतरी होगी। क्रॉस कल्चर लोगों से ईमेल पर संवाद करने के लिए सिखाये जाने वाले स्किल्स से आप विभिन्न लोगों से बेहतरीन तरीके से कॉरपोरेट संवाद कर सकेंगे। आप हर ईमेल के महत्व और टोन को समझते हुए उसके अनुसार रिप्लाई करना सीखेंगे। इस कोर्स में आप हर दिन 4 से 5 मेल लिखना और उन्हें रिवाइज करना सीखेंगे। इसके अलावा ईमेल लिखने से संबंधित क्विज और अन्य छात्रों के ईमेल भी रिवाइज करने को भी मिलेगा। इस कोर्स को करने के लिए आपको हर हफ्ते 3 से 4 घंटे का समय देना पड़ेगा।

फ्यूचर लर्न का इंग्लिश फॉर वर्कप्लेस कोर्सः ये कोर्स उन लोगों के लिए है जो कार्यस्थलों पर संवाद के लिए अपनी अंग्रेजी बेहतर करना चाहते हैं। इसके अलावा नौकरी तलाश करने और इंटरव्यू देने वाले लोगों के लिए भी यह कोर्स बेहतरीन है। ये कोर्स चार हफ्ते का है और इसमें हर हफ्ते आपको कम से कम दो घंटे का समय देना होगा। ये कोर्स मुफ्त किया जा सकता है। इस कोर्स का फोकस कार्यस्थलों पर बोले जाने वाली अंग्रेजी पर होगा। इसमें विडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग के जरिए लोगों को नौकरी की तलाश करना, नौकरी के लिए आवेदन करना, इंटरव्यू के लिए खुद को तैयार करना, नई नौकरी में अपने सहकर्मियों से बातचीत करना और ऑफिशियल कार्यों के दौरान संवाद करना या ईमेल करना सिखाया जाएगा। इस कोर्स के दौरान अनुभवी शिक्षक आपकी अंग्रेजी की दक्षता की जांच कर उसे सुधारने और बेहतर करने के लिए सुझाव देंगे। इसके लिए शिक्षक सही तरीके से बोलने और लिखने के लिए मार्गदर्शन करेंगे। यह कोर्स लैंग्वेज सिलेबस के अनुसार नहीं बल्कि कार्यस्थलों पर इस्तेमाल की जाने वाली अंग्रेजी पर फोकस करता है। आपके अभ्यास के लिए छोटे क्विज और डिस्कशन भी करवाएंगे। पूरे कोर्स के दौरान आपसे आपके विचार, सोच और सवाल अन्य प्रतिभागियों के साथ साझा करने के लिए कहा जाएगा।

माई इंग्लिश (ब्रिटिश काउंसिल): माई इंग्लिश एक इंटरेक्टिव ऑनलाइन कोर्स है जिसे ब्रिटिश काउंसिल के शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जाता है। ये कोर्स अंग्रेजी बोलने में प्रवाह, स्पष्टता और आत्मविश्वास को बढ़ाने का काम करता है। ये एक छह हफ्ते का कोर्स है जिसे लाइव ऑनलाइन कक्षाओं और अन्य ऑनलाइन गतिविधियों द्वारा संचालित किया जाता है। इस कोर्स से अंग्रेजी के कम्युनिकेशन स्किल में सुधार होता है और आप असल जिंदगी की परिस्थितियों में खुद को बेहतर तरीके से प्रस्तुत कर पाते हैं। हर हफ्ते आपको सिर्फ 2 घंटे के लिए ऑनलाइन क्लास ज्वाइन करनी होती है। इससे स्पीकिंग और राइटिंग स्किल्स में सुधार होता है और आपको शिक्षक से निजी फीडबैक भी मिलता रहता है। छह हफ्तों में लगभग 50 घंटे की कक्षाएं पूरी करनी होती हैं। इस कोर्स को तीनों भागों में बांटा गया है प्री इंटरमीडिएट, इंटरमीडिएट और अपर इंटरमीडिएट स्तर। इस कोर्स की कीमत 9,500 रुपए है।

प्रोफेशनल इंग्लिश फॉर नॉन नेटिव स्पीकर : राइटिंग इन इंग्लिश

ये ऑनलाइन राइटिंग कोर्स स्टैनफोर्ड लैंग्वेज सेंटर द्वारा चलाया जाता है। ये कोर्स नॉन नेटिव स्पीकर यानी अंग्रेजी देशों से ताल्लुक न रखने वाले अंग्रेजी भाषियों के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया है। इस कोर्स में लगभग हर प्रोफेशन से जुड़े लेखन कार्यों के बारे में पढ़ाया और अभ्यास कराया जाता है। कार्यालयों के कामकाज में इस्तेमाल में आने वाले फॉर्मल मैसेज से लेकर ईमेल व चिट्ठी, प्रपोजल बनाने से लेकर प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने जैसे लेखन कार्यों के बारे में इस कोर्स में विस्तृत पढ़ाई कराई जाती है। इसमें शब्दकोश अभ्यास, वाक्यों की संरचना, संपादन और प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने जैसे असाइनमेंट भी दिए जाते हैं।

बिजनेस इंग्लिश (उदेमी): बिजनेस इंग्लिश कोर्स ऑनलाइन लर्निंग वेबसाइट उदेमी द्वारा संचालित की जाती है। जो भी अंग्रेजी के प्रोफेशनल ज्ञान को सुधारना चाहते हैं उनके लिए ये कोर्स बेहद कारगर साबित हो सकता है। इस कोर्स में कामकाज के दौरान पेश आने वाली विभिन्न परिस्थितियों में अंग्रेजी बोलने, लिखने और सुनने के बारे में बताया जाता है। इसके अलावा व्याकरण और शब्दकोश पर भी पूरा ध्यान दिया जाता है। ये कोर्स आपको बिजनेस की दुनिया के फ्रेज, स्लैंग, एक्सप्रेशन, ईमेल और फीडबैक देने के तरीकों के बारे में बताता है।

इंप्रूव प्रोफेशनल इंग्लिश (ऑक्सफोर्ड ऑनलाइन क्लासेज): ये कोर्स ऑक्सफोर्ड ऑनलाइन क्लासेज द्वारा ऑफर किया जा रहा है। इस कोर्स में आपको प्रेजेंटेशन, मीटिंग, बातचीत, कॉन्फ्रेंस, कॉल, ईमेल लिखने और अन्य सभी कार्यालय के कार्यों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली अंग्रेजी का अभ्यास कराया जाता है। हर प्रतिभागी के लिए पर्सनलाइज्ड (व्यक्तिगत) कक्षाओं का संचालन किया जाता है ताकि उनकी सभी समस्याओं का समाधान किया जा सके।

बिजनेस इंग्लिश लंदन स्कूलः लंदन स्कूल का बिजनेस इंग्लिश कोर्स आपको ऐसी अंग्रेजी भाषा सीखने में मदद करता है जो कार्यस्थल पर बातचीत करने और संवाद करने के लिए बेहद जरूरी है।

दूध के साथ भूलकर भी न खाएं 5 चीजें पड़ सकता है भारी

दूध पीने से सेहत को होने वाले फायदों के बारे में तो आप अच्छी तरह जानते होंगे। आयुर्वेद में दूध को संपूर्ण आहार माना गया है। इसमें मौजूद मिनरल्स और विटामिन सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते है।लेकिन हर किसी को यह जानकारी नहीं होती कि दूध के साथ कुछ खाना चाहिए या नहीं। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ किसी भी प्रकार के आहार का सेवन सही नहीं माना गया। इन्हें दूध के साथ खाने से शरीर को नुकसान होता है। आप भी पढ़िए ऐसी ही कुछ खाने की चीजें जिनका दूध का साथ सेवन मना किया गया है। **नीबू और नमकीन चीजें :** दूध के साथ नीबू या नमक से बनी कोई भी चीज जैसे सब्जी आदि का सेवन नहीं करना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तो इससे आपके शरीर को फायदा नहीं बल्कि नुकसान होगा। इससे आपको शारीरिक परेशानी भी हो सकती है। इस तरह का सेवन करने से स्किन इंफेक्शन होने की आशंका बनी रहती है। देखा गया है कि ऐसे लोगों में दाद, खाज, खुजली, एग्जिमा आदि की शिकायत ज्यादा होती है. **अम्लीय पदार्थ न खाए :** दूध के साथ मूंग की दाल आदि का भी सेवन नहीं करना चाहिए। आपको दूध के साथ गाजर, शकरकंद, आलू, तेल, दही, नारियल, लहसुन आदि खाने से भी बचना चाहिए। अगर आप इनमें से कोई भी चीन खाते हैं तो दूध पीने के लिए कम से कम दा` घंटे

का अंतर अवश्य रखें। उड़द की दाल दूध के साथ खाने से हार्टअटैक का खतरा बढ़ता है. **खट्टी चीजों का सेवन :** दूध के साथ खट्टी चीजों का सेवन नुकसान देता है। अगर किसी खाने की चीज में मूली का प्रयोग किया गया है तो इसे खाने के बाद भी आपको दूध नहीं पीना चाहिए। आयुर्वेद के अनुसार ऐसा करने से दूध विषैला हो सकता है और आपको त्वचा संबंधी रोग होने की आशंका बनी रहती है। **गर्म चीज के साथ न पिएं दूध :** दूध की तासीर ठंडी होती है। इसे किसी भी गर्म चीज के साथ नहीं पीना चाहिए. मछली के साथ दूध भूलकर भी नहीं पीना चाहिए। क्योंकि मछली की तासीर काफी गर्म होती है। ऐसा करने से सफेद दाग, गैस और एलर्जी की समस्या हो सकती है. शहद को भी गर्म चीजों के साथ नहीं खाना चाहिए। **संतरा और अनानास :** संतरा और अनानास का सेवन दूध के साथ नहीं करना चाहिए। दूध के साथ केला तो अक्सर ले लेते हैं, लेकिन इसे भी सही नहीं माना गया। आपको बता दें कि केला कफ बढ़ाता है और दूध भी कफ बढ़ाता है. दोनों को एक साथ खाने से कफ बढ़ता है और पाचन क्रिया पर असर पड़ता है।

मुंह से आने वाली बदबू को न करें नजरअंदाज, छुटकारा पाने के लिए अपनाएं यह घरेलू नुस्खे

शरीर में पानी की कमी होने से कई तरह की तकलीफ हो सकती है। कम पानी का सेवन करने से सांसों की समस्या, पेट की संबंधित समस्या जैसे पाचन शक्ति कमजोर होना शामिल है। जब सही तौर पर खाना नहीं पचता है तो सांस में बदबू आती है। एक सुंदर चेहरे के साथ चमकदार दांत होना भी खास है लेकिन अगर सांसों से बदबू आए तो कोई आपके साथ बैठना तो दूर, बात करना तक पसंद नहीं करना चाहेगा। केवल सामाजिक व्यवहार के लिए ही नहीं बल्कि सेहतमंद रहने के लिए भी अपने मुंह से आने वाली दुर्गंध यानी बदबू दूर करना जरूरी है। मुंह से बदबू आने की समस्या कोई आम बात नहीं है, ये शरीर में किसी बीमारी का उत्पनन्‍ होने का भी संकेत हो सकता है।

ज्यादा बढ़ जाने पर आपको डॉक्टर से भी एक बार जरूर संपर्क करना चाहिए। सांसों की दुर्गंध को मेडिकल भाषा में हेलिटोसिस (प्तिूदेगे) कहा जाता है। वहीं, अगर आपके साथ भी कुछ ऐसी समस्या हो रही है या फिर इस तरह के लक्षण हैं तो ऐसे में जरूरी है कि आप घरेलू उपायों को अपना लें। आज हम आपको मुंह से दुर्गंध आने के लक्षण, दुर्गंध आने के कारण और मुंह से दुर्गंध हटाने के घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं, आइए जानते हैं... **मुंह से दुर्गंध आने के लक्षणः** - बलगम आना - नाक बहना - दांतों का कमजोर होना - मसूड़ों में सूजन और दर्द - ब्रश करते समय खून आना - बुखार का चढ़ना और उतरना - लंबे समय से खांसी का रहना - **बार-बार मुंह में छाले की समस्याः** दुर्गंध **आने की वजहः** मुंह से दुर्गंध आने के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें ओरल इन्फेक्शन, फास्ट फूड के अधिक सेवन, मुंह का सुखापन या फिर किसी भी तरह के नशा करना शामिल है। हमारे मुंह को हाइड्रेट रखने में मुंह में मौजूद लार यानी सलाइवा मदद करता है। इसके अलावा ये दांतों को कई बीमारियों से भी बचाता है। हालांकि, मुंह में सलाइवा की

कमी होने से दांतों में कई तरह की समस्या होने की संभावना हो सकती है। **खूब पानी पीएंः** शरीर में पानी की कमी होने से कई तरह की तकलीफ हो सकती है। कम पानी का सेवन करने से सांसों की समस्या, पेट की संबंधित समस्या जैसे पाचन शक्ति कमजोर होना शामिल है। जब सही तौर पर खाना नहीं पचता है तो सांस में बदबू आती है। ऐसे में जरूरी है कि आप खाना खाने के बाद टहलें और ज्यादा से ज्यादा पानी भी पीएं। **नीम के दातून का इस्तेमालः** नीम का पेड़ पर्यावरण को शुद्ध करने में मदद करता है। इसका उपयोग दवा बनाने में भी किया। वहीं, नीम का दातून यानी नीम की डंडी से अपने दांतों को मजबूत बनाए रखा जा सकता है। इसके अलावा नीम का दातून सांसों से आने वाली बदबू की समस्या को भी दूर करता है। इसलिए रोजाना दिन में दो बार नीम के दातून से अपने दांतों को जरूर साफ करें। **पुदीना दूर करेगा दुर्गंधः** आप अपने मुंह से आने वाली दुर्गंध की समस्या से परेशान हैं तो ऐसे में पुदीना चबाना काफी मददगार साबित हो सकता है। इसे अपनाने से आपके मुंह से बदबू आनी बंद हो जाएगी। **खाने के बाद सौंफः** मुंह से बदबू आने कारण कई बार हमारे द्वारा सेवन किया गया भोजन भी हो सकता है। लहसुन, प्याज, मांस-मछली का सेवन करने पर भी ये समस्या होना आम बात है। ऐसे में जरूरी है कि आप खाना खाने के बाद सौंफ जरूर खाएं। इसका सेवन करने पर आपकी सांसों से दुर्गंध नहीं आएगी। **सही ढंग से करें ब्रशः** सही तौर पर ब्रश करने की बात आप अपने घर में बच्चों को सीखाते होंगे, लेकिन हम में से भी कुछ ऐसे लोग होते हैं जो गलत तरह से ब्रश करते हैं। बता दें कि सही ढंग से ब्रश करने का मतलब ये होता है कि आपको अपने दांतों को कुछ समय तक अच्छे से ब्रश को घुमाना चाहिए। ऐसे में जल्दबाजी करना, भविष्य में आपके दांतों के लिए ही समस्या खड़ी कर सकते हैं। ब्रश करने के दौरान मसूड़ों का खास ध्यान रखें। ब्रश करने के बाद माउथ फ्रेशनर का प्रयोग जरूर करें। ऐसा करने से आपके मुंह से आने वाली बदबू को खत्म किया जा सकता है।

रियाल मैड्रिड ने नौ साल बाद फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता

सेविले। रोड्रिगो के दो गोल की मदद से रियाल मैड्रिड ने फाइनल में ओसासुना को 2-1 से हराकर नौ साल बाद कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। रोड्रिगो ने ब्राजील के अपने साथी खिलाड़ी वीनीसीयस

जूनियर के पास पर खेल के दूसरे मिनट में ही गोल करके रियाल मैड्रिड को बढ़त दिला दी थी।ओसासुना के लुकास टोरो ने 58वें मिनट में बराबरी का गोल दागा, लेकिन रोड्रिगो ने 70वें मिनट में रियाल मैड्रिड को आगे कर दिया। उनका यहगोल आखिर में निर्णायक साबित हुआ। रियाल मैड्रिड ने इससे पहले 2014 में कोपा डेल रे का खिताब जीता था। वह अब चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में मंगलवार को मैनचेस्टर सिटी की मेजबानी करेगा।

सुपर जाइंट्स का गेंदबाजी का फैसला, आईपीएल मैच में पहली बार दो भाई कर रहे कप्तानी

अहमदाबाद। लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान क्रुणाल पंड्या ने इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। लखनऊ की टीम ने एक बदलाव करते हुए नवीन उल हक की जगह क्विंटन डिकॉक को एकादश में शामिल किया है। गुजरात टाइटंस ने

जोश लिटिल की जगह अल्जारी जोसेफ को टीम में शामिल किया है। लिटिल आयरलैंड की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने चले गए हैं। आईपीएल इतिहास में यह पहला मौका है जब दो भाई किसी मैच में दो विरोधी टीमों की अगुआई कर रहे हैं। गुजरात के कप्तान हार्दिक पंड्या हैं। टी20 क्रिकेट में यह सिर्फ तीसरा मुकाबला है जब दो भाई किसी मैच में विरोधी टीमों की अगुआई कर रहे हैं। इससे पहले हसी बंधु माइक और डेविड बिग बैश लीग में दो बार कप्तान के रूप में आमने-सामने आ चुके हैं।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए राहुल की जगह इशान भारतीय टीम में, साहा के नाम पर नहीं हुआ विचार

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए चोटिल लोकेश राहुल की जगह विकेटकीपर-बल्लेबाज इशान किशन को टीम में शामिल किया है। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान राहुल को हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में क्षेत्ररक्षण के दौरान दाहिनी जांघ में चोट लगी थी। डब्ल्यूटीसी का फाइनल सात से 11 जून के बीच लंदन के 'द ओवल' में होगा। बीसीसीआई ने सोमवार को एक बयान में कहा कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट के डब्ल्यूटीसी फाइनल में भाग लेने पर फैसला बाद में लिया जाएगा।

उनादकट को आरसीबी के खिलाफ मैच से पहले एलएसजी के अभ्यास सत्र के दौरान कंधे में चोट लग गई थी। बीसीसीआई से जारी बयान में सचिव जय शाह ने कहा, " अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने लोकेश राहुल की जगह (डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए) इशान किशन को चुना है।" उन्होंने बताया, " राहुल को लखनऊ सुपर जाइंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बीच एक मई को टाटा आईपीएल 2023 के 43वें मैच में क्षेत्ररक्षण के दौरान दाहिने जांघ में चोट लग गई थी।"

कई लोगों ने लगा था कि आईपीएल में शानदार लय में चल रहे 39 साल के अनुभवी विकेटकीपर रिद्धिमान साहा की एक मैच के लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी होगी लेकिन शिव सुंदर दास की अगुवाई वाली चयन

समिति ने उनके नाम पर विचार भी नहीं किया। साहा को पिछले साल स्पष्ट रूप से कहा गया था कि उन्हें अब राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं चुना जाएगा क्योंकि टीम प्रबंधन ऋषभ पंत के उत्तराधिकारी के रूप में किसी युवा को चाहता है। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया, " इशान बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली टेस्ट श्रृंखला) के लिए टीम में दूसरे विकेटकीपर थे। चयन समिति ने साहा के नाम पर पर कोई चर्चा नहीं की।"

बीसीसीआई की विज्ञप्ति के मुताबिक राहुल की जल्द से जल्द सर्जरी होगी और वह रिहैबिलिटेशन के लिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रहेंगे। बीसीसीआई के बयान के अनुसार, "विशेषज्ञों से विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया है कि राहुल की जल्द से जल्द सर्जरी होगी। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से बाहर हो गए हैं।" उन्होंने कहा, " जयदेव उनादकट नेट सत्र (लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए) में गेंदबाजी करते समय ठोकर खाकर गिर गए जिससे उनका बायां कंधा चोटिल हो गया। उनके मामले में विशेषज्ञों से परामर्श मांगा गया है। बाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज फिलहाल बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में है और अपने कंधे के लिए 'स्ट्रेंथ और रिहैब' सत्र से गुजर रहा है। डब्ल्यूटीसी फाइनल में उनकी भागीदारी पर फैसला बाद में लिया जाएगा।" बीसीसीआई ने कहा कि उमेश यादव ने 26 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) मैच के बाद मामूली रूप से चोटिल हो गये थे। उन्होंने अब हलके स्तर का अभ्यास शुरू कर दिया है। बयान के मुताबिक, " यह तेज गेंदबाज केकेआर मेडिकल टीम की देखरेख में है और उसने अपनी रिहैब योजना के तहत कम जोखिम वाली गेंदबाजी शुरू कर दी है। बीसीसीआई मेडिकल टीम केकेआर मेडिकल टीम के साथ नियमित संपर्क में है और उमेश की प्रगति की बारीकी से निगरानी कर रही है।" राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने इसके साथ ही स्टैंडबाय (वैकल्पिक) खिलाड़ियों की सूची में भारत ए के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को जगह नहीं दी। उनके स्थान पर आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स का प्रतिनिधित्व कर रहे रुतुराज गायकवाड़ को चुना गया है। बंगाल का सलामी बल्लेबाज पूरी तरह फिट है और भारत ए स्तर पर शानदार रिकॉर्ड होने के बाद भी नहीं चुने जाने पर सवाल उठ रहे हैं। ऐसा माना जाता है कि टीम प्रबंधन और राष्ट्रीय चयनकर्ताओं दोनों को लगता है कि गायकवाड़ ने आईपीएल (अलग प्रारूप) में बार-बार दिखाया है कि उनमें उच्चतम स्तर पर सफल होने की काबिलियत है।

सबालेंका ने स्वियातेक को हराकर टूर्नामेंट का खिताब जीता

मैड्रिड। दुनिया में शीर्ष रैंकिंग की दो खिलाड़ियों के बीच खेले गए फाइनल मुकाबले में आर्यना सबालेंका ने इगा स्वियातेक को हराकर मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल का खिताब जीता। विश्व में दूसरी रैंकिंग की

खिलाड़ी सबालेंका ने तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में शीर्ष रैंकिंग वाली स्वियातेक को 6-3, 3-6, 6-3 से पराजित किया। बेलारूस की खिलाड़ी सबालेंका दो सप्ताह पहले स्टुटगार्ट ओपन के फाइनल में हार गई थी और इससे पहले वह पोलैंड की अपनी प्रतिद्वंदी स्वियातेक के खिलाफ क्ले कोर्ट पर खेले गए तीन मुकाबलों में जीत दर्ज नहीं कर पाई थी। उन्होंने हालांकि यहां आक्रामक रवैया दिखाया तथा ढाई घंटे तक चले मैच में जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सबालेंका का यह इस सत्र में तीसरा और करियर का कुल 13वां खिताब है।

जीत के बाद फीकी पड़ी केकेआर की खुशी, बीसीसीआई ने कप्तान नितीश राणा पर जुर्माना

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम ने सोमवार को खेले गए मुकाबले में पंजाब किंग्स को मात देकर अपनी सीजन की पांचवी जीत हासिल की। इस बेहद करीबी मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को जीत के बाद भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। दरअसल कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान नितीश राणा से मुकाबले में एक गलती कर दी जिस कारण उन्हें भारी जुर्माना उठाना पड़ा है। बीसीसीआई ने नितीश राणा पर स्लो ओवर रेट के कारण जुर्माना लगाया है। आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट को तोड़ने के कारण नितीश राणा को ये सजा मिली है।

कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान पर आरोप है कि उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में धीमी ओवर गति को बनाए रखा था। यानी कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम तय समय पर अपने 20 ओवर नहीं डाल सकी। इस देरी का खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा है। बता दें कि न्यूनतम ओवर रेट अपराधों से संबंधित आईपीएल की आचार संहिता है। इस आचार संहिता के मुताबिक पहली बार नियमों की अवहेलना करने पर टीम पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाता है। इसी कड़ी में नितीश राणा पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगा है।

इस संबंध में इंडियन प्रीमियर लीग की ओर से एक प्रेस रिलीज भी जारी की गई है। इसके तहत

कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान नितीश राणा पर धीमी गति से ओवर डालने के लिए फाइन लगाया गया है। लीग की आचार संहिता के मुताबिक टीम के कप्तान के खिलाफ ये एक्शन लिया गया है। इस लीग में कोलकाता द्वारा ये पहली बार किया गया अपराध है, जिस कारण टीम के कप्तान पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। बता दें कि तीन बार ये अपराध करने पर टीम को बैन कर दिया जाता है।

वरूण चक्रवर्ती की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद कप्तान नितीश राणा के अर्धशतक और आंद्रे रसेल की तूफानी पारी से कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां पंजाब किंग्स को पांच विकेट से हराकर प्ले ऑफ में जगह बनाने की उम्मीदों को जीवंत रखा। पंजाब के 180 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर ने नितीश राणा (51), रसेल (42) और जेसन रॉय (38) की पारियों से अंतिम गेंद पर पांच विकेट पर 182 रन बनाकर जीत दर्ज की। रिंकू सिंह (10 गेंद में नाबाद 21) ने अंतिम गेंद पर अर्शदीप सिंह पर चौका जड़कर टीम को जीत दिलाई। रसेल ने 23 गेंद में तीन छक्के और तीन चौके मारे। पंजाब की ओर से लेग स्पिनर राहुल चाहर ने 23 रन देकर दो विकेट चटकाए लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

यार्स मिसाइल, टैंक...दुनिया ने देखी रूस की ताकत, पुतिन बोले- सर्वोच्चता की कोई भी विचारधारा स्वीकार नहीं

कीव। 9 मई का दिन रूस के लिए खासा महत्व रखता है। पूरी दुनिया की नजरें मॉस्को पर टिकी थी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन विक्ट्री डे परेड पर अपने संबोधन में क्या बोलेंगे। आज रूस के 78वें विक्ट्री डे परेड में एक से बढ़कर एक घातक तोप, टैंक, मिसाइलें और फाइटर जेट नजर आए। इस दौरान महाविनाशक अंतरमहाद्वीपीय यार्स मिसाइल का प्रदर्शन किया गया। अमेरिका किलर ये मिसाइल 12 हजार किमी तक मार कर सकती है।

रेड स्क्वायर पर मास्को विजय दिवस पर व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस के खिलाफ युद्ध छेड़ा गया। हम जानते हैं कि हमें क्या करना है। हम अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिमी 'अभिजात वर्ग' पर 'नाज़ीवाद का वास्तविक पंथ बनाने' का आरोप लगाया। पुतिन ने अपना भाषण समाप्त करते हुए कहा कि हमारे सशस्त्र बलों के लिए हमारे प्यार से ज्यादा मजबूत दुनिया में कोई कारण नहीं है। पुतिन का कहना है

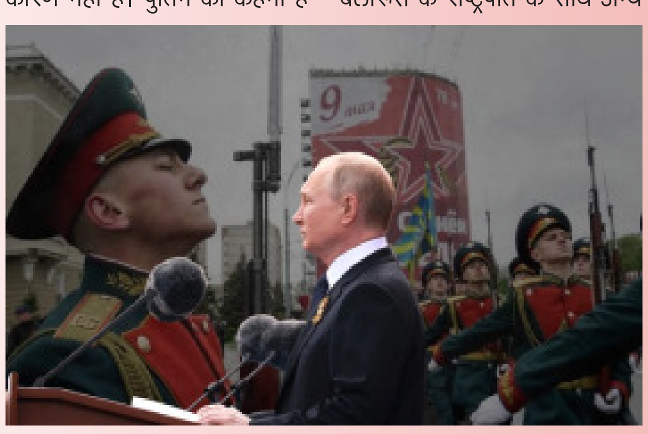

कि उन्हें उन सैनिकों पर गर्व है जो रूस के 'विशेष सैन्य अभियान' में भाग ले रहे हैं। रूस का स्टेटहुड का दर्जा और इसका भविष्य इन लोगों पर निर्भर करता है। हर कोई हमारे 'नायकों' का समर्थन करने के लिए एकजुट है। पुतिन ने इस दौरान दो टूक कहा कि सर्वोच्चता की कोई भी विचारधारा स्वीकार नहीं होगी। बेलारूस के राष्ट्रपति के साथ अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रित किया गया है कि रूस अलग-थलग नहीं पड़ा है। वो युद्ध के तहत भी शांति चाहता है। पुतिन ने अपने भाषण में भी यही दर्शाने का प्रयास किया है कि वहां की जनता युद्ध नहीं चाहती है। वहां की सत्ता युद्ध चाहती है क्योंकि वो पश्चिमी देशों के एजेंडा को बढ़ा रही है। रशियाफोबिया शब्द का इस्तेमाल किया।

पुतिन नियमित रूप से यूक्रेन की लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार की तुलना दूसरे विश्व युद्ध में पराजित नाज़ियों से करते हैं। उन्होंने यूक्रेन के नेताओं की नव-नाज़ियों के रूप में निंदा करते हुए और रूस की मातृभूमि के खिलाफ छेड़े जा रहे 'वास्तविक युद्ध' की बात करते हुए आज उस स्क्रिप्ट से प्रस्थान नहीं किया है। केवल रूस ही विश्व युद्ध दो की उपलब्धियों के प्रति सच्चा है, जबकि पश्चिम भूल गया है कि नाजियों को किसने हराया था।

भारतीय मूल के अमेरिकी डॉक्टर पर लगा महिला मरीजों के यौन शोषण का आरोप

न्यूयॉर्क। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में भारतीय मूल के 68 वर्षीय डॉक्टर पर 12 महीने के दौरान नियमित जांच के दौरान अपनी चार महिला मरीजों के यौन शोषण के कई आरोप लगाए गए हैं। न्याय विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग ने चार मई को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि जॉर्जिया में वेटरंस अफेयर्स मेडिकल सेंटर में काम करने वाले राजेश मोतीभाई पटेल पर कानून के तहत काम करते हुए अपने मरीजों की शारीरिक सुचिता कायम रखने के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन करने और अवांछित यौन संपर्क बनाने का आरोप है। अमेरिकी अटॉर्नी रयान के. बुचानन ने कहा, ''पटेल ने 2019 और 2020 के बीच अपनी महिला मरीजों का कथित तौर पर यौन शोषण किया और अपनी देखरेख में मरीजों को नुकसान न पहुंचाने की अपनी शपथ का उल्लंघन किया।

इजराइल के विदेश मंत्री भारत आए, 3 समझौता ज्ञापनों पर हुए हस्ताक्षर, कहा- पीएम मोदी से फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का मुद्दा उठाऊंगा

इजरायल। विदेश मंत्री एली कोहेन विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने के लिए

आज तीन दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचे हैं। इससे पहले इजराइल के मंत्री नई दिल्ली में आयोजित इस्राइल एक्सपोर्ट एंड इंटरनेशनल कोऑपरेशन इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) भारत-इजरायल बिजनेस फोरम में भी शामिल हुए। दिल्ली में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और इज़राइल के विदेश मंत्री एली कोहेन की उपस्थिति में भारत और इज़राइल के बीच तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। दिल्ली में सीआईआई भारत-इज़राइल बिजनेस फोरम में इज़राइल के विदेश मंत्री एली कोहेन ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री मोदी के साथ इज़राइल और भारत के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का मुद्दा उठाऊंगा। फोरम में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत और इजराइल न केवल द्विपक्षीय साझेदार हैं बल्कि रणनीतिक साझेदार भी हैं, हम प्रतिस्पर्धी नहीं हैं। हम भारत-इज़राइल-यूएसए-यूएई नेटवर्क के माध्यम से जल, ऊर्जा, परिवहन, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य और खाद्य क्षेत्रों पर संयुक्त निवेश और नई पहलों द्वारा दुनिया की सबसे बड़ी चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अनुसार जयशंकर के साथ अपनी बैठक और सीआईआई इंडिया-इज़राइल बिजनेस फोरम में भाग लेने के बाद, कोहेन 10 मई को होने वाले एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए शाम को आगरा के लिए प्रस्थान करेंगे। आगरा में अपनी व्यस्तताओं के बाद, वह 10 मई को दिल्ली लौट आएंगे। वह 11 मई को एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुंबई जाएंगे। मीडिया एडवाइजरी के मुताबिक, वह 11 मई को इजरायल लौट आएंगे।

पाक रेंजर्स ने इमरान खान को किया गिरफ्तार कोर्ट के बाहर भारी संख्या में सुरक्षाबल तैनात

करांची। तहरीक ए इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष और पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को गिरफ्तार कर लिया गया है। दो मामलों में इमरान खान पर गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ था। अपने समर्थकों के सहारे हाई कोर्ट से राहत पाकर इमरान खान अभी तक बचते रह गए हैं। पाकिस्तानी रेंजर्स ने गिरफ्तार किया है। इमरान खान पर दर्ज मामलों की संख्या 114 तक पहुंच गई थी। इसमें हत्या तक का मामला शामिल है। उनकी गिरफ्तारी के बाद कानूनी कागजातों पर इमरान के हस्ताक्षर लिए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट की माने तो इमरान की गिरफ्तारी अल कादिर ट्रस्ट मामले में की गई है। आज अदालत में उनकी पेशी थी। लेकिन उससे पहले ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। जब से इमरान खान पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है, पाकिस्तान के हालात और खराब होते जा रहे हैं।

इमरान खान के करीबी सहायक शाह महमूद कुरैशी गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में हिंसा के बीच पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी सहायक एवं पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। इस हिंसा में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गयी है तथा देश की राजधानी और तीन प्रांतों में सेना बुलानी पड़ी है। कुरैशी की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी द्वारा ट्विटर पर साझा किए गये एक वीडियो में सादे कपड़ों में कुछ लोग उन्हें ले जाते हुए दिखे और वह हिरासत में लिए जाने वाले स्थान से रवाना होने से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर हाथ हिलाते हुए नजर आए। पीटीआई ने दावा किया कि इस्लामाबाद पुलिस ने बृहस्पतिवार तड़के 66 वर्षीय कुरैशी को गिरफ्तार किया तथा उन्हें एक "अज्ञात स्थान" पर ले जाया गया है।

उनकी गिरफ्तारी से दो दिन पहले मंगलवार को इमरान खान को अर्धसैनिक बलों ने उस समय गिरफ्तार कर लिया था जब वह भ्रष्टाचार के एक मामले में सुनवाई के लिए इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में मौजूद थे। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) के आदेश पर मंगलवार को अर्द्धसैनिक बल ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के एक कक्ष में घुस कर खान (70) को हिरासत में ले लिया था। बुधवार को एक भ्रष्टाचार रोधी अदालत ने 70 वर्षीय खान को आठ दिन की रिमांड में भेज दिया। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री खान को भ्रष्टाचार के मामले में अदालत परिसर से नाटकीय ढंग से गिरफ्तार किए जाने के बाद देशभर में व्यापक पैमाने पर हिंसक प्रदर्शन हुए जिसमें कम से कम आठ लोगों की मौत हो गयी तथा प्रदर्शनकारियों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच झड़पों में करीब 300 अन्य लोग घायल हो गए। हिंसा के कारण प्राधिकारियों को बुधवार को राजधानी इस्लामाबाद के साथ ही पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेना को तैनात करना पड़ा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को राष्ट्र के नाम दिए संबोधन में अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तारी के बाद पूर्व प्रधानमंत्री खान के समर्थकों द्वारा किए गए हिंसक विरोध प्रदर्शनों की निंदा की और प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने की चेतावनी दी। प्रधानमंत्री ने कहा, 'सार्वजनिक संपत्ति पर हमला आतंकवाद और देश के प्रति शत्रुता का कार्य है।' उन्होंने कहा कि कानून को अपने हाथ में लेने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। खबरों के अनुसार, लाहौर तथा पेशावर में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं और वहां आगजनी तथा गोलीबारी की घटनाएं हुईं। पाकिस्तानी सेना ने अपने प्रतिष्ठानों पर हमले को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों को 'कड़ा जवाब' देने की चेतावनी दी और कहा कि किसी को भी कानून हाथ में नहीं लेने दिया जाएगा।

राशिफल

मेष-:तली-भुनी चीजों से दूर रहें और नियमित व्यायाम करते रहें. घरेलू सुख-सुविधा की चीजों पर ज़रूरत से ज़्यादा खर्च न करें। पिता का तल्ख बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है।

वृष-:जीवन की सभी कठिन परिस्थितियों में आपको अपने माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा. जो लोग प्रेम के मोर्चे पर मायूस महसूस कर रहे हैं।

मिथुन-:क्षणिक क्रोध विवाद और दुर्भावना का कारण बन सकता है. मनोरंजन और सौन्दर्य वृद्धि पर आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत न करें।

कर्क-:आज सभी ग्रह और सितारे आपके पक्ष में हैं, आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी. आज के दिन यात्रा की योजना बन सकती है।

सिंह-:आपकी इच्छा शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत उलझी हुई परिस्थितियों से निकलने में क़ामयाब रहेंगे. भावनात्मक फैसले लेते समय अपनी तार्किकता को न छोड़ें।

कन्या-:प्रेम के मामले में सफलता मिलेगी. नए कार्यों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। आज अपने प्रिय के साथ अपनी व्यक्तिगत भावनाओं और गोपनीय मामलों को साझा करने का सही समय है।

तुला-: जो लोग आपके पास कर्ज के लिए आते हैं, बेहतर होगा आप उन्हें नजरंदाज करें. पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और आप अपनी योजनाओं को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।

वृश्चिक-:छात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।

धनु-:इससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक रोग का रूप लें, आपको उन्हें समाप्त कर देना चाहिए. आप किसी परोपकारी कार्य में हिस्सा लेकर ऐसा कर सकते हैं।

मकर-:लंबे समय से चली आ रही दिक्कतों से आज आपको छुटकारा मिल सकता है. आगे बढ़ने के बजाय अपने सभी आगामी कार्यों को पूरा करना ही समझदारी होगी।

कुंभ-:भावनात्मक रूप से बहुत अच्छा दिन नहीं रहेगा. आर्थिक समस्याओं के कारण आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

मीन-:आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिसका असर आपके आसपास के लोगों पर भी पड़ेगा. खुद के काम से समय निकालकर परिवार के साथ अधिक समय बिताना संभव नहीं होगा।

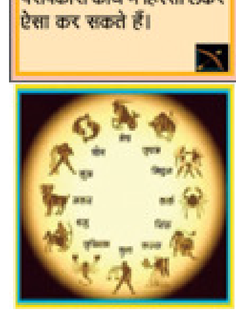

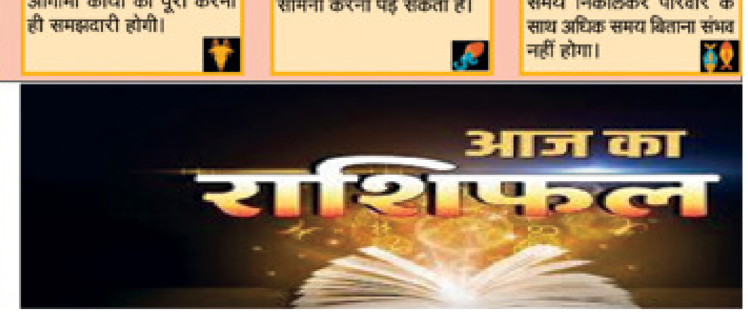

व्हाइट हाउस में नयी भूमिका को लेकर काफी उत्साहित हूं : नीरा टंडन

वाशिंगटन। जल्द ही व्हाइट हाउस की घरेलू नीति सलाहकार का पद संभालने वाली भारतीय-अमेरिकी नीरा टंडन ने कहा कि वह प्रशासन में अपनी नयी भूमिका को लेकर ''उत्साहित'' हैं। सार्वजनिक नीति में विशेषज्ञता रखने वाली टंडन व्हाइट हाउस की घरेलू नीति सलाहकार के रूप में सुजैन राइस का स्थान लेंगी। टंडन (52) व्हाइट हाउस में इस प्रभावशाली पद पर नियुक्त होने वाली पहली एशियाई-अमेरिकी नागरिक हैं। वह अभी राष्ट्रपति जो बाइडन की वरिष्ठ सलाहकार तथा स्टाफ सचिव हैं। टंडन ने एएपीआई विक्ट्री फंड' द्वारा आयोजित 'एएएनएचवीआई विमेंस सेलीब्रेशन' में अपने संबोधन में कहा, ''मैं व्हाइट हाउस में अपनी नयी भूमिका को लेकर बहुत उत्साहित हूं और मैं प्रशासन का हिस्सा बनकर काफी रोमांचित हूं जिसमें कई एएएनएचपीआई (एशियाई अमेरिकी, मूल हवाई और प्रशांत द्वीप वासी) नेता हैं, कई सारी एएएनएचपीआई महिला नेता हैं... कई सारे नेता हैं जो हमारे समुदाय की बड़ी विविधता का प्रतिनिधित्व करते हैं।'' टंडन ने ओबामा तथा क्लिंटन दोनों प्रशासनों में काम किया है। वह राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव प्रचार तथा कई थिंक टैंक भी काम कर चुकी हैं।

फिर आतंकियों के साथ खड़ा हुआ चीन, मसूद अजहर के लिए भाई केलिए यूएन में भारत के प्रस्ताव का किया विरोध

संयुक्त राष्ट्र। सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी अब्दुल रऊफ अजहर को काली सूची में डालने के भारत के प्रस्ताव पर चीन ने आपत्ति जताई है। जैश सरगना मसूद अजहर का भाई अब्दुल रऊफ का जन्म 1974 में पाकिस्तान में हुआ था। भारत में कई आतंकी हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने में शामिल रहा है, जिसमें 1999 में इंडियन एयरलाइंस के विमान घ्814 का अपहरण, 2001 में संसद पर हमला, 2016 में पठानकोट में आईएएफ बेस को निशाना बनाना शामिल है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 घ्एघ्ध् और अल कायदा प्रतिबंध सूची में वश के अब्दुल रऊफ को जोड़ने के भारत के प्रस्ताव पर चीन ने आपत्ति जताई थी। रउफ अजहर पर अमेरिका ने दिसंबर 2010 में प्रतिबंध लगाया था। पिछले साल अगस्त में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक स्थायी, वीटो-धारक सदस्य चीन ने रऊफ अजहर को वैश्विक आतंकवादी के रूप में नामित करने और उसकी संपत्ति जब्त करने, यात्रा प्रतिबंध और उसके अधीन करने के भारत और अमेरिका के प्रस्ताव पर रोक लगा दी थी। इस्लामाबाद के सदाबहार दोस्त बीजिंग ने पिछले साल पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों हाफिज तलह सईद, लश्कर-ए-तैयबा के नेता शाहिद महमूद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी साजिद मीर को अलकायदा प्रतिबंध शासन के तहत ब्लैकलिस्ट करने के प्रस्तावों पर रोक लगा दी थी। पिछले साल जून में, चीन ने 1267 प्रतिबंध समिति के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा के उप प्रमुख अब्दुल रहमान मक्की को नामित करने के भारत और अमेरिका के संयुक्त प्रस्ताव पर रोक लगा दी थी।

लखनऊ की अभिनेत्री कंचन अवस्थी को मुम्बई में मिला वाग्धारा स्वयं सिद्धा सम्मान

केरल के माननीय राज्यपाल श्री आरिफ़ मोहम्मद ख़ान के कर कमलों द्वारा दिया गया सम्मान

आधुनिक समाचार सेवा

मुंबई में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में केरल के माननीय राज्यपाल श्री आरिफ़ मोहम्मद ख़ान के कर कमलों द्वारा वाग्धारा सम्मान समारोह में लखनऊ की अभिनेत्री कंचन अवस्थी को वाग्धारा स्वयंसिद्धा सम्मान 2023 से नवाज़ा गया। मंच पर उपस्थित श्री राज ठाकरे जी की पत्नी शर्मिला राज ठाकरे एवं श्री कृपाशंकर सिंह जी भी विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थें। यह सम्मान उन्हें अभिनय सेवा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए दिया गया है। कंचन अवस्थी आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। लखनऊ थिएटर से शुरुआत करके मुंबई में अपने अभिनय से परचम लहरा रही हैं। कंचन अवस्थी ने बहुत सी फ़िल्मों में बतौर मुख्य नायिका का किरदार निभाया है। और इसके साथ ही साथ उन्हें अभी भारत- भूषण 2022 से भी नवाज़ा जा चुका है। अभी हाल ही में उन्होंने साउथ की एक फिल्म में डेब्यू कर रही है। कंचन ने मंच पर श्री वागीश सारस्वत जी का धन्यवाद दिया औरउन्होंन कहा

कि मुझे यह वाग्धारा स्वयंसिद्धा सम्मान से अलंकृत किया इसका अर्थ ही होता है सेल्फ मेड, और वह यह सम्मान पाकर मैं अनुगृहीत हूँ। वह आगे कहती हैं मुंबई जैसे ड्रीम सिटी में आकर अपने सपनों को पूरा होते देखना यह भी किसी मिरेकल से कम नहीं।

अवध की तवायफ़ी ग़ज़ल मिज़ाज वाले नौशाद

मुम्बई। अवध की तवायफ़ी ग़ज़ल, मुजरों और बंदिशों पर हुनरमंद पकड़ का नाम नौशाद अली है. हिंदी फ़िल्म संगीत की दुनिया में लखनऊ के ख़ास अंदाज़ का सलोना रंग भरने में इसी संगीतकार ने सबसे पहले कोशिश की थी. कहा जाता है कि उन्होंने उस्ताद बब्बन साहब से लेकर मैरिस कॉलेज ऑफ हिंदुस्तानी म्यूज़िक (आज का भातखण्डे संगीत विश्वविद्यालय, लखनऊ) के प्रोफ़ेसर युसूफ अली ख़ाँ से बाक़ायदा शास्त्रीय संगीत की तालीम ली थी. इसी के साथ उन्होंने अपनी संगीत कला में थोड़ी मिलावट करते हुए जो लोक-संगीत विकसित किया था, उसके पीछे लखनऊ में तवायफ़ों की महफ़िल में बजाने वाले ढेरों साजिंदों समेत ख़ुद तवायफ़ों और मिरासिनों का योगदान शामिल है। लखनऊ अपनी रचती-बसती तहज़ीब में कई बार नाचघरों और जलसों से नवाबों के समय में आबाद रहता आया था. उसकी कुछ खरोंचें और पुरानी दस्तकारी बाद तक बची हुई थी, जब नौशाद जैसा दीवाना संगीत सीखते हुए तैयार हो रहा था. सदाबहार धुनें यही वो समय था, जब उन्होंने अपनी धुनों के लिए परंपरा में मौजूद ढेरों सुनी हुई चीज़ों के बीच रास्ता बनाया, जिस पर पहले सिनेमाई अर्थों में कोई संगीतज्ञ गया नहीं था. शायद इसी कारण अवध की कजरी, दादरा, ठुमरी और चैती के बीच से कुछ ऐसी सदाबहार धुनें निकल सकीं, जिनके लिए हिंदी फ़िल्म संगीत को नौशाद के साथ-साथ लखनऊ की गानेवालियों का भी धन्यवाद करना चाहिए।

ऐसे करेंगे परवरिश तो नहीं उड़गी आपकी नींद

इस बात में दोराय नहीं है कि बच्चे के जन्म के बाद के शुरुआती कुछ माह आपके लिए चुनौती भरे होने वाले हैं। नवजात शिशु को हर दो घंटे में आपको दूध पिलाना होगा, नियमित अंतराल पर उसका डायपर बदलना होगा, उसके शरीर के तापमान पर आपको नजर रखनी होगी और साथ ही उसे वह माहौल भी देना होगा, जिसमें वह चैन से सो सके। यह पूरी प्रक्रिया किसी भी नए अभिभावक के लिए आसान नहीं होती। पर, विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चे की देखभाल को लेकर ज्यादा तनाव पाले बिना भी सभी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया जा सकता है, कैसे?

बच्चे को बार-बार लगाएं गले : क्या आप जानती हैं कि नवजात शिशु को भी इस भरोसे की जरूरत होती है कि वह पूरी तरह से सुरक्षित हाथों में है? बोलकर नन्हे से बच्चे को आप यह जता नहीं सकतीं कि आप उससे कितना प्यार करती हैं, इसलिए इस काम को करने के लिए उसे गले लगाएं और बार-बार गले लगाएं। गले लगाने पर या गोद में लेने पर बच्चा खुद को सुरक्षित महसूस करता है। आपके ऐसा करने से वह रोएगा भी कम और ज्यादा लंबी नींद भी ले पाएगा। ऐसा करने से बच्चे के शरीर में ऑक्सिटोसिन नाम का हार्मोन निकलता है, जिसे बॉन्डिंग हार्मोन के नाम से भी जाना जाता है। यह हार्मोन न सिर्फ सेहत दुरुस्त रखता है बल्कि उसके शारीरिक तापमान को नियंत्रित रखने में मदद करता है।

मां का दूध है जरूरी : नवजात को सबसे ज्यादा ताकत देने वाला और हर बीमारी से बचाने वाला मां का दूध ही होता है। इसमें बच्चे के लिए सभी जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। दूध पिलाने के बाद बच्चे को बर्पिंग यानी डकार दिलाना ना भूलें।

ऐसे नहलाएं : बच्चे को हर दिन नहलाएं। इस गलतफहमी में न रहें कि बच्चे को ठंड के मौसम में नहीं नहलाना चाहिए। नियंत्रित तापमान में और गुनगुने पानी से आप नवजात बच्चे को भी हर दिन नहला सकती हैं। जब तक बच्चे का गर्भनाल सूखकर निकल न जाए, तब तक बच्चे की सफाई स्पंज से ही करें। बच्चे को स्पंज बाथ देना बेहद आसान है। एक छोटे-से टब में गुनगुना पानी लें और उसमें बेबी लिक्विड सोप डालकर मिलाएं। साफ-सूती कपड़े या फिर स्पंज को उस पानी में डुबोएं और उससे बच्चे को स्पंज करें। ध्यान रहे, बच्चे की त्वचा की सफाई बेहद हल्के हाथों से करनी है, क्योंकि उसकी त्वचा बहुत नाजुक होती है। आंख, नाक और कान आदि पर साबुन का इस्तेमाल नहीं करें। इन हिस्सों की सफाई सिर्फ गुनगुने पानी से करें। सबसे अंत में साफ पानी से साबुन का झाग साफ करें और मुलायम तौलिये से बच्चे की त्वचा को पोंछ दें।

साफ-सफाई में न हो अनदेखी : नवजात शिशु की साफ-सफाई का बहुत ध्यान रखना चाहिए। शिशु के पास हाथ धोकर ही आएं। उसका बिस्तर, तकिया, तौलिया, यहां तक कि पहनाए जाने वाले कपडे. भी धोने के बाद भी एक बार डेटॉल वाले पानी में जरूर डुबोएं। नवजात बच्चे की रोग प्रतिरोधी क्षमता बहुत कमजोर होती है और उन्हें इंफेक्शन पकड़ने का खतरा भी जल्दी होता है। नवजात को किसी भी तरह की बीमारी के खतरे से बचाने के लिए खासतौर पर शुरुआती तीन-चार माह तक सतर्कता बरतें।

डायपर का चुनाव हो ठीक : बच्चे के लिए न सिर्फ अच्छी क्वालिटी का डायपर का चुनाव करें, बल्कि उसे पहनाते वक्त भी इस बात का ध्यान रखें कि उसे रैशेज होने की आशंका न हो। इस मामले में डिस्पोजेबल डायपर का इस्तेमाल सबसे उपयुक्त रहता है, क्योंकि इसमें नमी इकट्ठा नहीं होती। बच्चों में रैशेज के लिए मुख्य रूप से नमी जिम्मेदार होती है। डायपर बदलने से पहले और बाद में साबुन से हाथ धोने की आदत डालें। साथ ही एक बात गांठ बांध लें। पुराना डायपर हटाने के बाद इस बात का ध्यान रखें कि वह हिस्सा पूरी तरह से सूख जाए, उसके बाद ही दूसरा डायपर पहनाएं। अगर डायपर वाले हिस्से में हल्की-सी भी लाली नजर आए तो वहां हर बार नया डायपर पहनाने से पहले पेट्रोलियम जेली या बेबी पाउडर लगाएं।

अक्षय खन्ना ने शेयर की अपने पिता विनोद खन्ना के साथ बचपन की तस्वीर

मुम्बई। बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार विनोद खन्ना ने अपने अभिनय से जो लोगों के दिलों में जगह बनाई थी वह जगह कभी मिट नहीं सकती। 27 अप्रैल 2017 को विनोद खन्ना ने दुनिया को अलविदा कह दिया लेकिन वह लोगों के दिलों में अमर है। विनोद खन्ना की पुण्यतिथि

पर उनके बेटे अक्षय खन्ना ने विनोद खन्ना के साथ एक थ्रौबेक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है। अक्षय खन्ना ने सोशल मीडिया पर अपने बचपन की तस्वीर शेयर की है जिसमें उनके पिता विनोद खन्ना ने अक्षय खन्ना और उनके छोटे भाई राहुल खन्ना का हाथ हाथ रखा है। अक्षय खन्ना ने ये तस्वीर शेयर करते हुए एक बहुत ही प्यारा सा कैप्शन दिया है उन्होंने लिखा एक पिता और उसके बच्चे के बीच प्यार की कोई एक्सपायरी डेट नहीं होती है। हम आपको हमेशा याद करते रहेंगे। आपको बता दें कि आज से तीन साल पहले कैंसर की बीमारी के कारण 70 साल की उम्र में निधन हो गया था। विनोद खन्ना अपने जनाने के सुपरस्टार थे उन्होंने पर्दे पर कई दमदार किरदार निभाए हैं जिसके लिए उन्हें हमेशा याद रखा जाएगा।

सालों बाद आखिर करिश्मा कपूर का दिल किसे याद कर रहा है? कहीं वो एक्टर गोविंदा तो नही!

नई दिल्ली। बॉलीवुड में 90 के दशक में करिश्मा कपूर टॉप की एक्ट्रेस हुआ करती थीं। करिश्मा कपूर के करोड़ो दीवाने थे। जब भी किसी फिल्म की शूटिंग मुंबई में होती थी तो करिश्मा की एक झलक देखने के लिए लोगों का सैलाब आ जाया करता था। करिश्मा कपूर और गोविंदा का एक सुपरहिट गाना- 'सोना कितना सोना है सोने जैसा तेरा मन' तो आपने सुना ही होगा। इस गाने में आप देख सकते है कि सितारों की झलक देखने के लिए कैसे सड़क पर भीड़ जमा हो जाती थी। करिश्मा की जोड़ी गोविंदा और सलमान खान के साथ दर्शक काफी पसंद किया करते थे। करिश्मा अपने जामाने की मॉर्डन सुपरस्टार थी। करिश्मा ने शादी ने शादी के बाद काफी कम फिल्मों में काम किया। बच्चों के होने के बाद उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। लंबे समय बाद 2020 में करिश्मा ने वेब सीरीज के जरिए डिजिटल प्लेटफॉर्म से वापसी की है। इस समय सभी अपना वक्त घर के अंदर बिता रहे है। ऐसे में करिश्मा कपूर को अपने पुराने दिन याद आ रहे है। करिश्मा और गोविंदा ने कई सुपरहिट फिल्मों में साथ काम किया है। इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान की करिश्मा कपूर ने एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में करिश्मा के साथ एफिल टावर से सामने गोविंद है। गोविंदा ने करिश्मा कपूर को पीछे से बाहों में भर रखा है। ये तस्वीर शेयर करके करिश्मा ने गोविंदा को भी याद किया है। थ्रोबैक तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- उम्मीद है वही केयरफ्री दिन जल्द वापस आएंगे. बताईए ये फोटो कौन सी फिल्म की है?' करिश्मा के इस सवाल का जवाब हम दे देते है ये तस्वीर फिल्म हीरो नंबप वन के शूटिंग के दौरान की है। फिल्म 1997 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को लोगों ने खूब पसंद किया था। इस दौरान जब भी गोविंदा और करिश्मा कपूर की जोड़ी इतनी हित थी कि लोगों को लगता था कि दोनों का अफेयर है। करिश्मा और गोविंदा की ऑन सक्रिन केमिस्ट्री भी गजब की हुआ करती थी लेकिन रीयल लाइफ में दोनों एक अच्छे दोस्त के सिवा और कुछ नहीं थें।

कौन है ये खूबसूरत औरत जो ऐश्वर्या राय को टक्कर दे रही हैं?

मुम्बई।ऐश्वर्या राय बच्चन एक भारतीय अभिनेत्री और मिस वर्ल्ड 1994 की विजेता हैं। अपने सफल अभिनय करियर के माध्यम से, उन्होंने खुद को भारत में सबसे लोकप्रिय और प्रभावशाली हस्तियों में से एक के रूप में स्थापित किया है। ऐश्वर्या राय को दो फिल्मफेयर पुरस्कार सहित कई प्रशंसाएं मिली है, और 2009 में भारत सरकार द्वारा पद्म श्री और 2012 में फ्रांस सरकार द्वारा ऑर्ड्रे डेस आर्ट्स एट डेस लेट्रेस से सम्मानित किया गया था। दुनियाभर में ऐश्वर्या को सबसे खूबसूरत महिला माना जाता है। ऐश्वर्या राय बच्चन भारत की पहले एक्ट्रेस थी जिसका पुलता लंदन के मैडम तुसाद म्यूजियम में लगा था। इससे पहले ये गौरव केवल ऐश्वर्या के ससुर और बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन को प्राप्त था। तस्वीरों में ऐश्वर्या के साथ खड़ी ये महिला ऐश्वर्या का वैक्स स्टैच्यू है। जो हूबहू एश्वर्या राय की कॉपी लग रहा है। इसके अलावा पिछले साल 24 जुलाई 2019 को ऐश्वर्या राय की मैडम तुसाद म्यूजियम, सिडनी का हिस्सा बना था। ऐश्वर्या केवल भारत में ही नहीं बल्कि इंटरनेशलन लेवल पर भी बड़ा नाम है। कांस फेस्टिवल में वह कई सालों से शिरकत कर रही है। हर बार ऐश का ड्रेस स्टाइल और लुक चर्चा में आता था। ऐश्वर्या राय बच्चन बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय हस्तियों में से एक है। लगातार मीडिया में उनकी निजी जिंदगी की परेशानियों को लेकर खबरें आती रहती है लेकि ऐश्वर्या ने कफी मीडिया के सामने अपने परिवार के मन-मुटाव सामने नहीं आने दिए। वह अपनी निजी जिंदगी को अच्छी तरह से संभालना जानती है। ऐश्वर्या को उसकी खूबसूरती के कारण युवा महिलाओं के लिए एक स्टाइल आइकन बना दिया है। 2011 में, इंडिया टुडे ने उल्लेख किया कि उनकी खूबसूरती पर 17,000 से अधिक वेबसाइटें समर्पित थीं। ऐश्वर्या को देश की सबसे शक्तिशाली महिलाओं की सूची में वेरवे पत्रिका द्वारा चुना गया था। 2001 में, फोर्ब्स ने राय को शीर्ष पांच भारतीय फिल्म सितारों में शामिल किया। यूके के हैलो द्वारा आयोजित एक पाठक पोल में! पत्रिका, उसे '2003 की सबसे आकर्षक महिला' चुना गया था।

दर्शकों के लिए इन किरदारों को दमदार बनाने वाली अदाकारा का नाम हैं तब्बू

मुम्बई। 14 साल की उम्र में 'हम नौजवान' की रेप पीड़िता प्रिया की बात हो या फिर 'माचिस' में विद्रोह का शिकार हुई वीरन की। 'विरासत' की गांव की गोरी गहना हो या 'हू तू तू' की आत्मघाती हमलावर पन्ना। 'अस्तित्व' में गैर मर्द से संबंध रखने वाली शादीशुदा अदिति पंडित हो या 'चांदनी बार' की बार डांसर मुमताज। 'मकबूल' में डॉन की रखैल निम्मो हो या 'चीनी कम' में 64 साल के शेफ से इश्क लड़ाने वाली निना। दर्शकों के लिए इन किरदारों को दमदार बनाने वाली अदाकारा का नाम हैं तब्बू। आज बात उन्हीं के जीवन से जुड़े कुछ अनछुए पहलुओं पर। तब्बू का पूरा नाम तबस्सुम फातिमा हाशमी है। मगर सभी उन्हें प्यार से तब्बू पुकारते थे और आगे चलकर यही नाम उनकी पहचान बन गया। उनका जन्म चार नवंबर 1971 को हैदराबाद में हुआ। मगर बचपन से ही उन्हें पिता का प्यार नहीं मिला। उनके माता-पिता जमाल हाशमी और रिजवाना का तलाक हो गया। तब्बू का बचपन से फिल्मी जुड़ाव भी रहा है। बहुत कम लोगों को पता होगा कि वो शबाना आजमी और बाबा आजमी की भतीजी हैं और 80-90 के दशक की जानी मानी अभिनेत्री फराह नाज उनकी बहन हैं। दोनों बहनों के करियर में शबाना आजमी का भी अहम योगदान रहा है, क्योंकि उनकी मां नहीं चाहती थीं कि वो फिल्मों में काम करें। तब्बू पढ़े-लिखे परिवार से ताल्लुक रखती हैं। पिता के न होने पर मां रिजवाना ने ही सारी जिम्मेदारियां निभाईं। वो खुद एक टीचर थीं और उनके माता-पिता भी प्रोफेसर थे। एक इंटरव्यू में उनकी बहन फराह ने इस बारे में बताया था कि तब्बू बहुत पढ़ाकू थीं और बहुत अच्छा गाती थीं। घर में सभी उनकी बहुत तारीफ करते थे और मुझे बहुत डांट पड़ती थी। उनका यह शौक आज भी बरकरार है। हैदराबाद में जन्मी तब्बू 1983 में 12 साल की उम्र में मुंबई आ गईं। मगर काम करने के लिए नहीं बल्कि तब पढ़ने के लिए। हालांकि दो साल तक यहां सेंट जेवियर्स कॉलेज में शिक्षा हासिल करने के बाद उन्हें14 साल की उम्र में ही देव आनंद की फिल्मों 'हम नौजवान' में काम करने का मौका मिल गया। इसमें उन्होंने इतनी कम उम्र में ही रेप पीड़िता का संवेदनशील किरदार निभाया। ऐसा फैसला सिर्फ तब्बू जैसी अभिनेत्री ही ले सकती थीं। तब्बू को फिल्म इंडस्ट्री में लाने का श्रेय देव आनंद को जाता है। उन्हें 1985 में अपनी निर्देशित फिल्म 'हम नौजवान' के लिए कम उम्र की कलाकार की जरूरत थी। रेप पीड़िता का किरदार काफी चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने शबाना आजमी के घर तब्बू को देखा तो वो उन्हें पसंद आ गईं। उन्होंने शबाना को यह बात बताई। तब्बू की मां को फोन कर इस बारे में उन्होंन मनाने की काफी

कोशिश की। मगर वो नहीं मानी, फिर देव आनंद ने यह जिम्मेदारी शबाना को सौंपी और वो तब्बू की मां को मनाने में कामयाब रहीं। तब्बू की जिंदगी से यह विवादित किस्सा भी जुड़ा है। तब्बू एक बार अपनी बहन फराह के साथ शूट पर गई थीं। तभी उन्होंने जैकी श्रॉफ पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। हालांकि बाद में इस बारे में कुछ भी साबित नहीं हो पाया, लेकिन जैकी श्रॉफ और तब्बू ने जिंदगी में कभी एक साथ काम नहीं किया। तब्बू को पहली बॉलीवुड फिल्म का ऑफर 1987 में बोनी कपूर ने फिल्म 'प्रेम' में संजय कपूर के अपोजिट दिया। मगर इस फिल्म को बनने में आठ साल लग गए। तब्बू को बॉलीवुड में असली पहचान 1994 में अजय देवगन के साथ फिल्म 'विजयपथ' से मिली। यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई और तब्बू भी फिल्म इंडस्ट्री में छा गईं। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेत्री के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। 14 साल की उम्र से ही गंभीर किरदार निभाने वालीं तब्बू के अभिनय का लोहा बड़े-बड़े दिग्गज मानते हैं। उन्होंने अपने अब तक के करियर में 'माचिस', 'विरासत', 'हू तू तू', 'अस्तित्व' से लेकर 'चांदनी बार', 'मकबूल', 'हैदर' जैसी यादगार फिल्में दी हैं। हाल ही में रिलीज हुई निशिकांत कामत की सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म 'दृश्यम' में भी सख्त इंस्पेक्टार जनरल मीरा देशमुख के किरदार में दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। इतना ही नहीं, हिंदी, उर्दू, तमिल, तेलुगू और अंग्रेजी जैसी भाषाओं में महारत हासिल करने वालीं तब्बू 'द नेमसेक' और 'लाइफ ऑफ पाई' जैसी हॉलीवुड फिल्मों से पूरी दुनिया में भी अपने अभिनय का डंका बजा चुकी हैं। वहीं 'विजयपथ', 'साजन चले ससुराल', 'जीत', 'चाची 420', 'बीवी नंबर वन' और 'हम साथ साथ हैं' जैसी कई कमर्शियल फिल्में भी की हैं। अपनी हर फिल्म में अलग-अलग किरदार से दर्शकों को चौंकाने वालीं तब्बू बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन से भी इश्क लड़ा चुकी हैं। 2007 में आई फिल्म 'चीनी कम' में उन्होंने 34 साल की एक ऐसी महिला का किरदार निभाया, जिसे 64 साल के बुजुर्ग से प्यार हो जाता है। वहीं 014 में आई फिल्म 'हैदर' में 34 साल के शाहिद कपूर की मां का किरदार निभाने से भी नहीं हिचकीं। तब्बू अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी सुर्खियों में रहीं।

त्योहारों के सीजन में स्टाइलिश दिखने के कुछ खास तरीके

त्योहारों का मौसम दस्तक देने ही वाला है। और इसके साथ ही शुरू होने वाली है जमकर शॉपिंग। त्योहारों के इस मौसम में फ्यूजन लुक अपनाएं जो आपको औरों से अलग दिखाने के साथ ही स्मार्ट लुक भी देगा। फैशन व लाइफस्टाइल ब्रांड 'वजोर

डॉट कॉम' ने फ्यूजन कपड़ों के साथ त्योहारों में छा जाने के संबंध में ये सुझाव दिए हैं- साड़ी एक ऐसा गार्मेंट है जिसका ट्रेंड कभी पुराना नहीं होता है। आप इसे हर बार नए ट्विस्ट के साथ कैरी कर सकती हैं। साड़ी पहनने के अलग-अलग तरीके तो हम आपको बता ही चुके हैं, लेकिन सिर्फ ड्रेपिंग ही नहीं, आप इसमें कुछ ट्विस्ट भी दे सकती हैं। रेग्युलर साड़ी अब काफी कॉमन हो गई है, ऐसे में आप इसके साथ एक्सपेरिमेंट करें और भीड़ से बिल्कुल अलग दिखें। हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसे ही तरीके, जो आपके साड़ी लुक को बना देंगे बिल्कुल हटके! स्लिटेड ब्लाउज़- रेग्युलर ब्लाउज़ की बजाए ये हाई-स्लिटेड ब्लाउज़ कैरी करें। ये आपको कुर्ते जैसा लुक देगा। प्लेन साड़ी के साथ ये स्टाइलिश एम्बेलिश्ड ब्लाउज़ शानदार लगेगा। लीक से हटकर नजर आने के लिए सिल्वर हिंट के साथ कढ़ाई या प्रिंट वाली मिडी ड्रेस पहन सकती हैं। त्योहारों का नए अंदाज में स्वागत करने के लिए आप खूबसूरत मैक्सी गाउन भी पहन सकती हैं। अगर आप अपने लुक को सिंपल लेकिन क्लासी रखना चाहती हैं तो जंप सूट पहन सकती हैं। आरामदायक कपड़े, हल्के या चटक रंग के जंपसूट पहनने में सहज भी महसूस होते हैं। इनके साथ आप स्टेटमेंट नेकलेस और आकर्षक कान के आभूषण पहन सकती हैं। जो महिलाएं या युवतियां अपने कपड़ों व लुक को लेकर थोड़ा उलझन में हैं, वे प्लेन टी-शर्ट के साथ धोती पैंट पहन सकती हैं। धोती पैंट खूबसूरत चटक रंगों में आते हैं और पहनने पर सहजता भी महसूस कराते हैं। इसके साथ बोल्ड स्टेटमेंट नेकलेस पहनना न भूलें, क्योंकि ये आपके लुक में चार चांद लगा देगा।

स्किन की खोई चमक के कहीं ये कारण तो नहीं!

शायद ही कोई ऐसा समय होता हो जब मोबाइल आपके हाथ में न होता हो। बहुत ज्यादा मोबाइल का इस्तेमाल त्वचा की सेहत [illegible] लिए खतरे की घंटी है। सच तो यह है कि हमारे फोन के टचस्क्रीन पर इतने ज्यादा बैक्टीरिया होते हैं, जितने टॉयलेट की सीट पर भी नहीं होते। जब आप दिन-रात फोन के संपर्क में रहती हैं, तो न चाहते हुए भी त्वचा के संक्रमण से ग्रसित हो सकती हैं।

खाने-पीने की खराब आदतें : त्वचा को खूबसूरत रखने के लिए बाहरी देखरेख के अलावा पोषण से भरपूर आहार की भी आवश्यकता होती है। सच तो यह है कि त्वचा को निखारने में जितना योगदान सौंदर्य उत्पादों का होता है, उससे ज्यादा महत्व संतुलित आहार का होता है। जब आप अपने खाने में पौष्टिक तत्वों की अनदेखी करती हैं, तो इसका सीधा असर आपकी त्वचा पर पड़ता है। खाने की अनियमित आदतें जैसे, बहुत ज्यादा तैलीय खाना, ज्यादा मीठा खाना और जंक फूड का सेवन आपकी त्वचा की सेहत को खराब करता है। अगर आप चाहती हैं कि आपकी स्किन तरोताजा लगे, तो अपने आहार में नियमित तौर पर हरी पत्तेदार सब्जियां, सलाद, मौसमी फल, ताजा जूस और अंकुरित अनाज शामिल करें। इसके अलावा ग्रीन टी पिएं।

बिस्तर साफ-सुथरा न होना : आपकी त्वचा की सेहत को बनाने और बिगाड़ने में आपकी दिनचर्या, खाने-पीने की खराब आदतों के अलावा आपके बिस्तर का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। आप सोने के लिए जिस चादर और तकिये का इस्तेमाल करती हैं, वह अगर साफ-सुथरी न हो, तो आपके चेहरे को कुम्हलाते देर नहीं लगेगी। सच तो यह है कि सोते समय आपका चेहरा सीधे तकिये और चादर के संपर्क में आता है। इस समय आप सबसे ज्यादा रिलैक्स होती हैं। जब हम सो रहे होते हैं, उसी वक्त शरीर में नई कोशिकाओं का निर्माण चल रहा होता है। ऐसे में अगर आपके बिस्तर की चादर और तकिये का कवर गंदा है, तो इसका असर आपकी त्वचा पर पड़ेगा। त्वचा की खूबसूरती के लिए यह बेहद जरूरी है कि आप अपने बिस्तर की चादरों और तकिये की सफाई का खास ध्यान रखें। खूबसूरत चेहरे के लिए सप्ताह में कम से कम एक बार चादर और तकिये का कवर जरूर बदलें।

क्या पी रही हैं आप? : त्वचा की सेहत के लिए भोजन की तरह आप पीने के लिए जिन पेय पदार्थों र्का चयन कर रही हैं, वह भी महत्वपूर्ण है। त्वचा की खूबसूरती के लिए पानी बहुत ज्यादा जरूरी है। अगर आप कम पानी पीती हैं, तो इसका असर आपकी त्वचा पर पड़ता है। दिन में कम से कम दस-बारह गिलास पानी पिएं, इससे आपकी त्वचा को नमी मिलेगी और शरीर से टॉक्सिन बाहर निकलेंगे। अगर आप बहुत ज्यादा मात्रा में ऐसी चीजों का सेवन कर रही हैं, जिसमें एल्कोहल है, तो यह आपकी त्वचा की सेहत खराब करेगी। ज्यादा कॉफी और चाय का सेवन करना भी त्वचा के लिए हानिकारक है। ऐसा करने से त्वचा रूखी हो जाती है। मौसमी फल और सब्जियों से बना सूप और जूस पिएं।

गर्म पानी से ना नहाएं : आपके नहाने संबंधी आदतों का भी आपकी त्वचा की सेहत से गहरा संबंध है। अगर आप नहाने के लिए बहुत ज्यादा गर्म पानी का इस्तेमाल करती हैं, तो इससे आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचता है। ऐसा करने से त्वचा रूखी हो जाती है क्योंकि गर्म पानी त्वचा के प्राकृतिक तेल को खत्म कर देता है। गर्म पानी की वजह से त्वचा के रोमछिद्र खुले रह जाते हैं और उनमें गंदगी भर जाती है। खूबसूरत त्वचा के लिए न तो बहुत ज्यादा गर्म पानी से नहाएं और न ही बहुत देर तक नहाएं। नहाने के बाद अपनी त्वचा को पोषण देने के लिए मॉइस्चराइजिंग बॉडी लोशन लगाएं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी इलाहाबाद उ.प्र.-211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी इलाहाबाद 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादकः- दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
डाक पंजीयन नं. 99/2018-20

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।